THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

उद्धव ठाकरे अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तबीयत बिगड़ने के बाद सोमवार को उन्हें मुंबई के रिलायंस अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हार्ट आर्टरीज में ब्लॉकेज की जांच हुई है। कहा जा रहा है कि 12 अक्टूबर को दशहरा रैली के बाद से ही उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। वहीं, शिवसेना नेता और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने X पर जानकारी दी- आज सुबह उद्धव ठाकरे जी ने सर एचएन रिलायंस अस्पताल में प्री-प्लांड चेकअप कराया। आपकी शुभकामनाओं के साथ सब ठीक है। वे काम करने और लोगों की सेवा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वर्ष-29 अंक : 203 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.13 2081 मंगलवार, 15 अक्टूबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

दूसरे दिन भी हिंसा, इंटरनेट बंद

भीड़ ने अस्पताल-गाड़ियों के शोरूम जलाए; कल दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में फायरिंग, एक युवक मारा गया

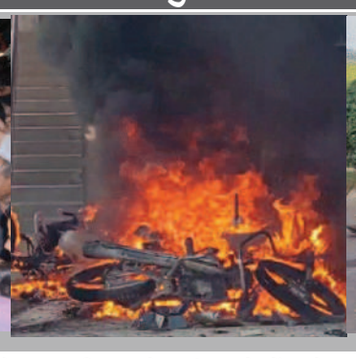

बहराइच, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में हालात बेकाबू हो गए हैं। हजारों की भीड़ ने अस्पताल में आग लगा दी। कई शोरूम-दुकानों को फूंक दिया। भीड़ को देखकर पुलिस को पीछे हटना पड़ा। आसपास के 6 जिलों से फोर्स और पीएसी बुलाई गई है। हिंसा प्रभावित इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। लखनऊ से एसटीएफ चीफ और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर भी बहराइच पहुंच गए हैं। उन्होंने आगजनी कर रही भीड़ को पहले रोका, नहीं मानी तो हाथ में पिस्टल लेकर दौड़ा लिया।

रविवार को हरदी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दूसरे समुदाय के साथ विवाद हो गया था। इस दौरान हिंसा भड़क गई। पथराव-आगजनी के साथ 20 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। इसमें 22 साल के राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई।

पोस्टमॉर्टम के बाद सोमवार सुबह शव घर पहुंचा तो 5-6 हजार की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने शव को लेकर करीब 5 किमी तक यात्रा निकाली। पुलिस ने समझाया तो परिवार शव को घर ले गया, लेकिन लोग वहां से नहीं हटे। भीड़ ने आगजनी शुरू कर दी।

बहराइच एसपी वृंदा शुक्ला ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समुदाय से लोग आएं, बैठकर बात करें, तभी समाधान निकलेगा।

हरियाणा में शाह सुलझाएंगे सीएम का मसला

सैनी सीएम चेहरा, पर विज की भी दावेदारी

अहीरवाल बेल्ट ने की सीएम पद की डिमांड

चंडीगढ़ , 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भाजपा ने 90 में से 48 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। चुनाव नायब सिंह सैनी के चेहरे पर लड़ा गया और अब उनका सीएम बनाना लगभग तय है। इसके बावजूद गृह मंत्री अमित शाह को ऑब्जर्वर के तौर पर हरियाणा भेजकर भाजपा ने चर्चाओं को हवा दे दी है। उनके साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी भेजा गया है।

यह कदम इसलिए क्योंकि शाह ने ही चुनाव से पहले पंचकूला में मंच से कहा था कि ये इलेक्शन नायब सैनी की अगुआई में लड़ा जाएगा। 17 अक्टूबर के शपथ ग्रहण से एक दिन पहले 16 अक्टूबर को शाह को हरियाणा भेजने की वजह हैं।

विधायक दल की मीटिंग में नायब सैनी के दोबारा सीएम बनने में कोई पेंच है तो वह अंबाला कैंट से 7वीं बार एमएलए बने

अनिल विज हैं।

विज चुनाव प्रचार के दौरान दावा ठोक चुके हैं कि वह सीनियर हैं। इस आधार पर वे इस बार मुख्यमंत्री पद का दावा करेंगे। विधायक दल की मीटिंग में विज अगर सैनी के नाम के खिलाफ हुए तो फिर शाह को उन्हें संभालना होगा। इससे पहले भी जब मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया तो विज मीटिंग छोड़कर चले गए थे। बीजेपी के सूत्रों की मानें तो फिलहाल सैनी को सीएम ना बनाने की कोई वजह नजर नहीं आती, लेकिन भाजपा 2014 में मनोहर लाल खट्टर को लाकर चौंका चुकी है।

सीएम चेहरे को लेकर दूसरा मुद्दा अहीरवाल बेल्ट का है। यहां से इस बार बीजेपी ने 11 में से 10 सीटें जीती हैं। अहीरवाल बेल्ट से लगातार मांग उठ रही है कि वहां से सीएम चेहरा होना चाहिए। इसकी वजह ये भी है कि 2014 में बीजेपी यहां से सारी 11 सीटें जीती तो 47 सीटों के साथ बहुमत आया था।

2019 में बीजेपी यहां से 8 सीटें जीती तो 46 के बहुमत से कम 40 पर रह गई। यही वजह है कि केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत कह चुके हैं कि उन्होंने अपना काम कर दिया, अब पार्टी को ध्यान देना चाहिए। शाह की मौजूदगी के जरिए यह देखा जा सकता है कि सैनी सीएम बने तो फिर वहां के विधायकों का क्या रुख रहता है।

कर्नाटक के राज्यपाल को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा

खुफिया रिपोर्ट के आधार पर लिया गया फैसला

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने इस संबंध में एक लिखित आदेश जारी किया है। सूत्रों ने बताया कि इसकी सूचना पिछले हफ्ते सीआरपीएफ को दी गई थी। जेड श्रेणी की सुरक्षा का फैसला हाल ही में खुफिया ब्यूरो द्वारा तैयार की गई एक सुरक्षा विश्लेषण रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ के जवानों ने कर्नाटक के राज्यपाल की सुरक्षा की जिम्मा संभाल लिया है और कुछ अन्य संबंधित प्रक्रियाएं इस हफ्ते के अंत तक पूरी की जाएंगी। गललोत को केवल कर्नाटक में जेड श्रेणी का सुरक्षा कवर प्रदान किया जाएगा। थावरचंद गहलोत (76 वर्षीय) ने जुलाई 2021 में कर्नाटक के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाल था। वे कर्नाटक के 13वें राज्यपाल हैं। वह मध्यप्रदेश से राज्यपाल बनने वाले पहले शख्स हैं।

गहलोत 2014 से 2021 तक केंद्र सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के पद पर रहे हैं। इसके अलावा, वे राज्यसभा में सदन के नेता रह चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य भी रहे हैं।

मणिपुर हिंसा के बाद कुकी-मैतेई पहली बार बैठक

दोनों समुदाय के नेता-विधायक आज दिल्ली में मिलेंगे; शांति का समाधान निकालेंगे

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले एक साल से मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच 15 अक्टूबर को कुकी और मैतेई समुदाय पहली बार बातचीत करने जा रहे हैं। गृह मंत्रालय की तरफ से नई दिल्ली में होने वाली बैठक में दोनों समुदाय के नेता और विधायक शामिल होंगे ताकि शांति से हिंसा का समाधान निकाला जा सके।

बैठक में मैतेई समुदाय के नेता थोंगम बिस्वजीत, स्पीकर थोकचोम सत्यब्रत, थोउनाओजम बसंतकुमार, खोंगबंतबाम इबोमचा, डॉ. सपाम रंजन, थोकचोम राधे-श्याम और टोंगब्रम रॉबिन्ड्रो शामिल होंगे। वहीं कुकी समुदाय के नेताओं में लेटपाओ हाओकिप, पाओलिएनलाल हाओकिप, हाओखोलेट किपगेन रहेंगे । इस चर्चा में नागा विधायकों और मंत्रियों में अवांगबो न्यूमई, एल. दिखो और राम मुइवा भी मौजूद रहेंगे।

हेड-कॉन्स्टेबल की पत्नी-बेटी को तलवार से काट डाला

सूरजपुर में भीड़ ने आरोपी का घर फूंका, कई गाड़ियों में लगाई आग; एसडीएम को भी पीटा

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की तलवार से काटकर हत्या कर दी गई। आरोपी का नाम कुलदीप साहू है। दरअसल एक केस के सिलसिले में तालिब अन्य पुलिसकर्मियों के साथ कुलदीप को पकड़ने गए थे। मगर वह फरार हो गया। जिसके बाद कुलदीप ने तालिब के घर में घुसकर उनकी पत्नी-बेटी का मर्डर कर दिया। साहू ने बाद में लाश को करीब 5 किलोमीटर दूर नहर के पास खेत में फेंक दिया। अर्धनग्न हालत में शव मिले हैं। वारदात के बाद गाड़ी से भाग रहे आरोपी का पीछा किया गया तो उसने पुलिस पर फायरिंग की। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने कुलदीप साहू के घर और गोदाम के बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। हालांकि घटना से पहले ही आरोपी के घरवाले कहीं चले गए थे। भीड़ ने एसडीएम जगन्नाथ वर्मा से भी मारपीट की। शहर बंद कराकर सूरजपुर थाने का घेराव किया। कुछ देर बाद लोगों ने थाने के बाहर चक्काजाम खत्म कर दिया है। तनाव की स्थिति को देखते हुए शहर में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस मामले में आरोपी कुलदीप साहू का पॉलिटिकल कनेक्शन भी सामने आया। भाजपा नेता गौरीशंकर श्रीवास ने एक तस्वीर शेयर की जिसमें कुलदीप साहू को एनएसयूआई का नेता बताया गया। इस पर सूरजपुर के एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने कहा कि वह मेरे कार्यकारिणी में नहीं है। इसके बाद एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष ने भी पोस्ट कर बताया कि, कुलदीप किसी पद पर नहीं रहा है

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की

विधानसभा चुनाव के लिए एमवीए दलों के साथ सीट शेयरिंग और पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया। मीटिंग में महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नान पटोले, विजय वडेट्टीवार, पृथ्वीराज चव्हाण, बालासाहेब थोराट, वर्षा गायकवाड़ और रमेश चेन्नितला शामिल हुए।

इस बैठक की डिटेल अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक बैठक में शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद पवार) के साथ सीट-बंटवारे को लेकर हुई चर्चाओं, पार्टी के अभियान और विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन की समीक्षा की गई।

यह बैठक इसलिए अहम रही क्योंकि हाल ही में कांग्रेस को

हरियाणा में चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। हरियाणा चुनाव में हार को लेकर राहुल गांधी ने नेताओं के प्रति नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में नेताओं का इंटरेस्ट ऊपर रहा, इस कारण से पार्टी का इंटरेस्ट नीचे चला गया।

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं। सूत्रों के मुताबिक, इनमें से लगभग 100-110 सीटों पर ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। हालांकि ऐसी जानकारी सामने आई थी कि कांग्रेस में टिकट पाने के लिए 1800 से ज्यादा एप्लिकेशन आई हैं। इस बार विदर्भ और मराठवाड़ा इलाके से सबसे ज्यादा लोगों ने एप्लिकेशन फाइल किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने 28 सितंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तारीखों का ऐलान अगले महीने होने की उम्मीद है।

इसके अलावा उन्होंने शिवसेना, शिवसेना यूबीटी, मनसे, बसपा, आप समेत 11 पार्टियों से मुलाकात की। सभी पार्टियों ने मांग की थी कि दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाए।

देश के 5 राज्यों में धार्मिक उन्माद

हैदराबाद में मंदिर में तोड़फोड़, बंगाल में दुर्गा मूर्ति जलाई गई; यूपी में दुर्गा विसर्जन जूलूस में एक की मौत

हैदराबाद/ हावड़ा/ बहराइच/ बेलगावी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के 5 राज्यों में धार्मिक विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। तेलंगाना में हैदराबाद के मुथ्यलम्मा मंदिर में सोमवार सुबह देवी मां की मूर्ति तोड़ दी गई। यहां सुबह से ही विरोध प्रदर्शन जारी है। बीजेपी नेता माधवी लता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी भी मंदिर पहुंचे।

उधर पश्चिम बंगाल में रविवार रात एक विशेष समुदाय के लोगों ने हावड़ा जिले के श्यामपुर इलाके में दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़ की। बीजेपी का दावा है कि, अराजक तत्वों ने दुर्गा मां की मूर्ति में भी आग लगाई।

वहीं कर्नाटक के बेलगावी जिले के सोलापुर गांव में रविवार रात दुर्गा देवी की मूर्ति के अपमान के बाद दो समूहों के बीच झड़प हो गई। तीन लोग घायल हुए। दो बाइक और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। यूपी के बहराइच में दुर्गा विसर्जन के दौरान दो पक्षों में फायरिंग और पत्थरबाजी हुई। इसमें एक युवक की मौत हो गई। वहीं झारखंड के गढ़वा में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच

हिंसक झड़प हो गई। मूर्ति विसर्जन के दौरान पुलिस ने विवादित रास्ते को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया था

तेलंगाना

हैदराबाद में पासपोर्ट कार्यालय के पास कुर्मागुडा में मुथ्यलम्मा मंदिर में देवी मां की मूर्ति तोड़ दी गई। इसके बाद सुबह से ही विरोध प्रदर्शन जारी है। बीजेपी नेता माधवी लता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने कहा- आज (14 अक्टूबर) सुबह करीब 4 बजे मुस्लिम समुदाय का एक व्यक्ति मंदिर में घुस गया और माता की मूर्ति तोड़ दी। यह शर्मनाक है। कुछ लोगों ने उसे देखा, पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। किशन रेड्डी ने आगे कहा- हैदराबाद में अलग-अलग जगहों पर ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, कुछ लोग हैदराबाद में तनाव पैदा करने और सांप्रदायिक दंगे बढ़ाने के लिए जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं।

हैदराबाद में मंदिर-पंडालों में तोड़फोड़ की यह दो दिन में दूसरी घटना है। इससे पहले 12 अक्टूबर को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में एक पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया था। पुलिस ले एक आरोपी को पकड़ा था। सेंट्रल जोन के डीसीपी अक्षेश यादव ने बताया था कि वह व्यक्ति आवारा था और उसे भूख लग रही थी और भोजन की तलाश में उसने प्रसाद को हिला दिया जिससे मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, भाजपा नेताओं ने इसे साजिश बताया था।

पश्चिम बंगाल

हावड़ा जिले में श्यामपुर का दुर्गा पंडाल विशेष समुदाय के लोगों ने तोड़ दिया, देवी की मूर्ति में आग लगा दी। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर लिखा, सोमवार रात श्यामपुर में उपद्रवियों के एक समूह ने दुर्गा पूजा पंडालों में तोड़फोड़ की। उन्होंने श्यामपुर बाजार व्यवसायी समिति पूजा पंडाल में मूर्तियों को आग लगा दी और अन्य पंडालों में भी तोड़फोड़ की। उनमें से कुछ ने विसर्जन घाट पर पत्थरबाजी भी की। हावड़ा ग्रामीण पुलिस जिले के श्यामपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले इलाके में स्थिति बहुत तनावपूर्ण है।

कर्नाटक

कर्नाटक के बेलगावी जिले के सोलापुर गांव में 13 अक्टूबर की रात दुर्गा देवी की मूर्ति के अपमान के बाद दो समूहों के बीच झड़प हो गई। तीन लोग घायल हुए। दो बाइक और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। इस बीच, भीड़ को अलग करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। यहां एक दिन पहले महासी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान भी झड़प हुई थी। पुलिस के अनुसार महासी के महाराजगंज इलाके में हुई घटना के सिलसिले में 30 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उत्तर प्रदेश

13 अक्टूबर को यूपी के बहराइच में हरदी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दूसरे समुदाय से विवाद हो गया था। इस दौरान हिंसा भड़क गई। पथराव-आगजनी के साथ 20 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। इसमें 22 साल के राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद सुबह शव घर पहुंचा तो 5-6 हजार की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने शव को लेकर करीब 5 किमी तक यात्रा निकाली। पुलिस ने समझाया तो परिवार शव को घर ले गया, लेकिन लोग वहां से नहीं हटे। भीड़ ने आगजनी शुरू कर दी।

झारखंड

झारखंड के गढ़वा में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। मूर्ति विसर्जन के दौरान पुलिस ने विवादित रास्ते को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया था, लेकिन ग्रामीण प्रतिमा को उसी रास्ते से ले जाने के लिए अड़े थे। ग्रामीण बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच पुलिस-ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस को भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

गुजरात से 5 हजार करोड़ की 518 किलो कोकीन जब्त, 5 गिरफ्तार

12 दिन में इस सिंडिकेट पर 3 छापे, 13,000 करोड़ की ड्रग्स बरामद

गांधीनगर/नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के अंकलेश्वर के अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के गोडाउन से रविवार रात 518 किलो कोकीन जब्त की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5000 करोड़ रुपए है। दिल्ली-गुजरात पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में मौके से 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि यह कोकीन उसी इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़ी है, जिसकी 2 बड़ी खेप दिल्ली से 2 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को छापेमारी के दौरान पकड़ाई थीं।

पुलिस ने बताया कि अब तक इस सिंडिकेट की कुल 1289 किलो ड्रग्स जब्त की गई है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 13 हजार करोड़ रुपए है। इस सिंडिकेट से जुड़े कुल 12 लोग अब तब गिरफ्तार हो चुकी है, जिनमें से 7 को दिल्ली की पिछली 2 रेड के दौरान हिरासत में लिया गया था। दुबई से ऑपरेट हो रहे इस सिंडिकेट के मास्टरमाइंड की पहचान विरेंदर बसोया के रूप में हुई है। इसके दुबई में कई बिजनेस हैं। पुलिस ने बसोया के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है। PTI के सूत्रों के मुताबिक पूरे देश में आज तक कभी इतनी बड़ी मात्रा में कोकीन नहीं जब्त की गई है। पिछले 12 दिनों की ये 3 रेड अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है।

पुलिस ने बताया कि इस सिंडिकेट के जुड़े ज्यादातर मेंबर एक दूसरे को नहीं जानते थे। वे सोशल मीडिया के जरिए कोऑर्डिनेट करते थे। कम्युनिकेशन के लिए हर मेंबर को एक-एक कोड नेम दिया गया था। इसके अलावा पुलिस को आशंका है कि ड्रग्स की यह खेप साउथ अमेरिकी देशों से समुद्री रास्ते से गोवा लाई गई थी। इसके बाद इसे दिल्ली लाया गया।

दिल्ली-गुजरात में कोकीन जब्ती का इसे अब तक का सबसे बड़ा केस माना जा रहा है। पुलिस इस सिंडिकेट का पता लगाने के लिए पिछले दो महीने से काम कर रही थी। तब पुलिस को ड्रग्स सप्लाई का इनपुट मिला था। ये तस्कर इस ड्रग को दिल्ली और एनसीआर में खपाने की कोशिश में थे।

10 अक्टूबर को वेस्ट दिल्ली के रमेश नगर इलाके की एक किराए की दुकान से क्राइम ब्रांच ने 208 किलो कोकीन बरामद की थी। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 2,080 करोड़ रुपए थी। यह ड्रग्स नमकीन के 20-25 पैकेट में छिपाई गई थी। इन पैकेट पर 'टेस्टी ट्रीट' और 'चटपटा मिक्चर' लिखा हुआ था। इसे यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले एक शख्स ने यहां रखा था।

3 फ्लाइट-एक ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी

एअर इंडिया की उड़ान दिल्ली डायवर्ट, इंडिगो के 2 विमान की भी जांच

मुंबई,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई से उड़ने वाली तीन फ्लाइट में सोमवार (14 अक्टूबर) को बम की धमकी दी गई। पहली फ्लाइट मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की है। सूचना मिलते ही विमान को दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। विमान फिलहाल दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा है। विमान में 239 पैसेंजर्स सवार हैं।

दूसरी फ्लाइट इंडिगो की 6E-1275 है, यह मुंबई से मस्कट जाने वाली थी। तीसरी फ्लाइट

इंडिगो की 6E 56 है। यह मुंबई से जेद्दाह जाने वाली थी। इन दोनों विमानों को आइसोलेशन बे में रखकर जांच की जा रही है। सभी पैसेंजर्स को फिलहाल विमान से उतार दिया गया है। इधर, मुंबई-हावड़ा मेल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि, जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया।

पिछले 5 दिनों में फ्लाइट में बम की धमकी का यह दूसरा मामला है। 9 अक्टूबर को भी लंदन से दिल्ली के लिए उड़ी विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट UK18 में बम की सूचना थी। फ्लाइट के दिल्ली पहुंचने से करीब साढ़े 3 घंटे पहले एक यात्री ने प्लेन के टॉयलेट में धमकी भरा टिश्यू पेपर देखा। उसने क्रू मेंबर को सूचना दी। फ्लाइट में करीब 300 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सुरक्षा जांच के चलते पैसेंजर्स करीब 5 घंटे एयरपोर्ट पर ही फंसे रहे।

बाबा सिद्दीकी मर्डर के आरोपी बोले- बेटा भी था टारगेट

कुछ दिन पहले जीशान को धमकी दी; ऑर्डर था- जो मिले, उसे गोली मार दो

मुंबई,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में सोमवार को मुंबई पुलिस ने बताया कि बेटा जीशान सिद्दीकी भी शूटर्स के निशाने पर था। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने इस बात को स्वीकार किया है। आरोपी ने बताया कि उन्हें दोनों को गोली मारने के आदेश मिले थे, कहा गया था कि जो मिले उसे मार दो। कुछ दिन पहले जीशान को धमकी भी दी गई थी।

इस मर्डर केस में अब तक 6 आरोपियों की पहचान की गई है। इनमें 3 को गिरफ्तार किया गया है। अब तक धर्मराज, शिव कुमार, गुरमेल, जीशान अख्तर, शुभम लोनकर और प्रवीण लोनकर के नाम सामने आए हैं। धर्मराज, गुरमेल और प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया गया है। धर्मराज और गुरमेल को 13 अक्टूबर को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां धर्मराज ने कोर्ट से कहा था कि वो नाबालिग है। टेस्ट में उसका ये दावा खारिज हो गया है। मजिस्ट्रेट के सामने उसका बोन टेस्ट कराया गया, जिसमें उसकी उम्र 18 साल से ज्यादा निकली। 12 अक्टूबर की रात NCP अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की बांद्रा में हत्या कर दी गई। यह मर्डर सिद्दीकी के विधायक बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर किया गया। बाबा सिद्दीकी कांग्रेस में रहते हुए 3 बार बांद्रा से विधायक बने। इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार के साथ जुड़े थे। बाबा सिद्दीकी मर्डर की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है।

ऑटो से उतरे शूटर, 6 गोलियां

मारीं

पुलिस ने 13 अक्टूबर को बताया कि ऑटो से उतरे शूटर्स ने बाबा सिद्दीकी का मर्डर किया था। सिद्दीकी पर 6 राउंड फायर किए गए थे। इनमें से 3 गोलियां सिद्दीकी को लगी थी। फायर 9.9 mm की पिस्टल से किया गया। लॉरेंस गैंग अक्सर इन्हीं पिस्टल का इस्तेमाल करता है। 3 शूटर्स ने सिद्दीकी पर फायरिंग की थी।

10-15 का ग्रुप मर्डर में शामिल

सूत्रों ने बताया कि सिद्दीकी मर्डर में 3-4 लोग नहीं, 10-15 लोगों का पूरा ग्रुप शामिल था। सिद्दीकी जब बेटे के दफ्तर से बाहर आ रहे थे, तब इस ग्रुप ने सिद्दीकी से पूछा था कि क्या हमारे साथ दशहरा नहीं मनाएंगे। सिद्दीकी उनके साथ सेलीब्रेशन में शामिल हुए, जब वे अपनी कार की अगली सीट पर बैठने लगे तो पटाखों की आवाज के बीच उन पर फायरिंग की गई।

बेटे जीशान की भी हत्या हो सकती थी

बाबा सिद्दीकी और उनका बेटा जीशान एकसाथ बांद्रा स्थित दफ्तर से बाहर निकले थे। लेकिन हत्या से ठीक पहले जीशान के पास एक फोन आया और वो वापस अपने दफ्तर आ गए। इसी दौरान सिद्दीकी पर फायरिंग की गई। सूत्रों ने बताया कि जीशान का एक री-डेवलपमेंट को लेकर विवाद चल रहा था। अब पुलिस ने पुष्टि कर दी है कि बाबा सिद्दीकी के साथ जीशान सिद्दीकी के मर्डर के ऑर्डर भी शूटर्स को दिए गए थे।

कोरोना वैक्सीन के साइड-इफेक्ट के आरोप वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला- वैक्सीन नहीं लेते तो क्या होता याचिका सिर्फ सनसनी के लिए

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कोरोना वैक्सीन के कारण ब्लड क्लोटिंग जैसे साइड-इफेक्ट का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि जनहित याचिका सिर्फ सनसनी पैदा करने के लिए दायर की गई थी। बेंच ने कहा, 'क्लास एक्शन सूट दायर करें! इसका क्या फायदा है? कृपया यह भी समझें कि अगर आपने वैक्सीन नहीं ली तो क्या साइड-इफेक्ट होंगे। हम इस मुद्दे को उठाना नहीं चाहते, यह सिर्फ सनसनी पैदा करने के लिए है।' यह याचिका प्रिया मिश्रा और अन्य याचिकाकर्ताओं ने दायर की थी।

ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अप्रैल में कोर्ट में माना था कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन से खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा बहुत रेयर (दुर्लभ) मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है।

ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा किए गए दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

एक रिसर्च के हवाले से एक रिपोर्ट लिखी। रिसर्च के मुताबिक, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में हुई स्टडी में हिस्सा लेने वाले लगभग एक तिहाई लोगों में कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स देखे गए हैं। इन लोगों में सांस संबंधी इन्फेक्शन, ब्लड क्लॉटिंग और स्किन से जुड़ी बीमारियां देखी गईं। शोधकर्ताओं ने पाया कि टीनएजर्स, खास तौर पर किशोरियों और किसी भी एलर्जी का सामना कर रहे लोगों को कोवैक्सिन से खतरा है। स्टडी में 4.6% किशोरियों में मासिक धर्म संबंधी असामान्यताएं (अनियमित पीरियड्स) देखी गईं। प्रतिभागियों में आंखों से जुड़ी असामान्यताएं (2.7%) और हाइपोथायरायडिज्म (0.6%) भी देखा गया। वहीं, 0.3% प्रतिभागियों में स्ट्रोक और 0.1% प्रतिभागियों में गुलियन बेरी सिंड्रोम की पहचान भी हुई।

दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध

आतिशी सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

पुलिस ने 1323 केजी अवैध पटाखे किए जब्त

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आज 14 अक्तूबर से एक जनवरी 2025 तक पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया है। पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। प्रतिबंध को लेकर दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए हैं। साथ ही सभी दिल्ली वालों से सहयोग का अनुरोध भी किया है।

बीती नौ सितंबर को दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसके निर्देश दिए थे। सरकार ने पिछले साल की तरह इस बार भी दिल्ली में पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।। एक जनवरी 2025 तक पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी पर भी प्रतिबंध रहेगा।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने को लेकर दिल्ली पुलिस, डीपीसीसी और राजस्व विभाग के साथ मिलकर कार्य योजना बनाई जाएगी। सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 21 फोकस बिंदुओं पर आधारित विंटर एक्शन प्लान बना रही है।

दिल्ली में अवैध पटाखे जब्त

दिल्ली में पटाखों पर बैन के दौरान पुलिस ने रविवार को राजधानी के कई इलाकों से 1,300 किलोग्राम से अधिक के अवैध पटाखों को जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जिसमें व्यापारी और उसका ड्राइवर पकड़ा गया है।

दिल्ली पुलिस ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम एनआर-I ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों में अवैध पटाखों का व्यापार करने वालों का पर्दाफाश किया है। अपराध में शामिल दो आरोपी व्यापारी और ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया। दो गोदामों से 1323 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए गए हैं।

केजरीवाल बोले- जम्मू-कश्मीर की हालत दिल्ली जैसी

यहां भी सीएम से ज्यादा एलजी को पावर; उमर को सरकार चलाने में दिक्कत आए तो मदद करूंगा

श्रीनगर,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जम्मू-कश्मीर के डोडा में पार्टी के उम्मीदवार की विधानसभा चुनाव में जीत पर धन्यवाद रैली की। उन्होंने कहा- मैं दिल्ली से आप लोगों का शुक्रिया अदा करने आया हूं। आप लोगों ने ऐतिहासिक काम किया है। आपने नई किस्म की राजनीति का बीज बोया है। जम्मू-कश्मीर को भी दिल्ली की तरह आधा राज्य बना दिया गया है। सारी पावर एलजी को दे दी गई है, मैं उमर अब्दुल्ला को कहना चाहूंगा कि काम करने में कोई अड़चन आए तो मुझसे पूछ लेना, मुझे दिल्ली चलानी आती है।

केजरीवाल ने कहा- मोदी जी कहते हैं केजरीवाल फ्री की रेवड़ी दे रहा है, लेकिन केजरीवाल पुण्य कमा रहा है। मरने के बाद यही काम आएगा। आप अपने एक दोस्त की सेवा करते हो, मैं 3 करोड़ लोगों की सेवा करता हूं।

उन्होंने मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करवा दिया, ताकि स्कूल खराब हो जाएं। सतेंद्र जैन को

गिरफ्तार करा दिया, ताकि अस्पताल खराब हो जाएं। केजरीवाल को गिरफ्तार करवा दिया, जिसने ये सारे काम किए। हमने आप लोगों का प्यार और आशीर्वाद कमाया है, इसलिए मोदी जी की नहीं चली, हम छूट गए।

पहले केजरीवाल की यह रैली पहले 10 अक्टूबर को होनी थी। हालांकि आचार संहिता के कारण रैली स्थगित करनी पड़ी थी। 8 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। इसमें मेहराज मलिक की जीत के बाद केजरीवाल ने उन्हें वीडियो कॉल पर बधाई दी थी। मलिक ने केजरीवाल को डोडा आने का न्योता दिया था।

न आने के लिए वीडियो जारी कर माफी मांगी

एएपी ने 10 अक्टूबर को एक्स पर केजरीवाल का एक वीडियो जारी किया, जिसमें पूर्व सीएम ने कहा- मैं आप सबके बीच आज आने वाला था। इसके लिए कल ही (9 अक्टूबर) पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ एयरपोर्ट के लिए निकल भी गया था।

वहां पता चला कि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के चलते हम जम्मू-कश्मीर नहीं जा सकते। अब मैं रविवार को पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ आप लोगों के बीच आऊंगा और व्यक्तिगत तौर पर आपसे मिलूंगा। आज न आने के लिए मैं माफी चाहता हूं, ये मेरे बस के बाहर था।

मेहराज मलिक ने 2024 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गजय सिंह राणा को 4,000 से ज्यादा वोटों से हराया है। मलिक की जीत के बाद जम्मू-कश्मीर 5वां ऐसा राज्य बन गया, जहां एएपी ने खाता खोला है। इससे पहले पार्टी ने दिल्ली, पंजाब, गुजरात, और गोवा में भी सफलता हासिल की थी। दिल्ली और पंजाब में पार्टी सरकार चला रही है, जबकि गुजरात में 5 और गोवा में 2 विधायक हैं।

जम्मू-कश्मीर से 6 साल बाद राष्ट्रपति शासन हटा

भाजपा-पीडीपी गठबंधन टूटने के बाद लगाया गया था; उमर अब्दुल्ला बडगाम सीट छोड़ेंगे

श्रीनगर/नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के गठन से पहले राष्ट्रपति शासन हटाने का आदेश रविवार देर रात जारी किया गया। गृह मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने नए मुख्यमंत्री की शपथ के तुरंत पहले राष्ट्रपति शासन खत्म करने का आदेश जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर में पिछले विधानसभा चुनाव 10 साल पहले 2014 में हुए थे। चुनाव के बाद भाजपा-पडीपी ने गठबंधन सरकार बनाई थी। 2018 में भाजपा के समर्थन वापस लेने के बाद सरकार गिर गई थी और महबूबा मुफ्ती ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से जम्मू-कश्मीर में केंद्र का शासन था। 2024 विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) ने 42, उसकी सहयोगी पार्टी कांग्रेस ने 6 और सीपीआई (एम) ने एक सीट जीती थी। रिजल्ट के बाद NC प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि उमर सीएम बनेंगे।

उमर को 10 अक्टूबर को हुई बैठक में विधायक दल का नेता चुना गया था। उमर ने 11 अक्टूबर को राजभवन जाकर एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया था। उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बडगाम दो सीटों से चुनाव जीते हैं। वह गांदरबल सीट बरकरार रख सकते हैं। कुपवाड़ा से चुनाव हारने वाले नासिर असलम वानी बडगाम सीट से फिर से चुनाव लड़ेंगे।

जून 2018 में राज्यपाल शासनः महबूबा मुफ्ती की सरकार गिरने के बाद राज्य संविधान की धारा 92 के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में छह महीने के लिए राज्यपाल शासन लगाया गया था, क्योंकि तब वहां आर्टिकल 370 नहीं हटा था। राज्यपाल शासन की 6 महीने की अवधि खत्म होने के बाद केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगाया था, जिसे बाद में और आगे बढ़ाया गया। 370 हटने के बाद फिर राष्ट्रपति शासनः जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन 31 अक्टूबर, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35A को निरस्त करने और क्षेत्र को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने के बाद लगाया गया था। गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 73 के तहत राष्ट्रपति शासन का आदेश जारी किया था। नई सरकार से पहले राष्ट्रपति शासन हटना जरूरीः नई सरकार के कार्यभार संभालने के लिए विधानसभा के कामकाज से जुड़े प्रावधानों को बहाल करना जरूरी है। राष्ट्रपति शासन के रहते हुए यह नहीं हो सकता।

मिल्कफेड ने तैयार किया बकरी के दूध का घी, 1800 रुपये किलो मिलेगा

मंडी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर बकरी के दूध का घी दिवाली से मिल्कफेड के सभी केंद्रों पर 1800 रुपये किलो की दर से मिलेगा।

प्रदेश सरकार के पायलट प्रोजेक्ट के तहत ऊना जिला के झलेड़ा मिल्क प्लांट में बकरी के दूध से घी का उत्पादन शुरू हो गया है।

ग्रामीणों से 70 रुपये किलो की दर से बकरी का दूध खरीदा जा रहा है। हालांकि, अभी मिल्कफेड को जरूरत के अनुसार दूध उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। रोजाना ऊना जिले के ग्रामीण इलाकों से 30 से 40 किलो दूध की ही खरीद हो पा रही है।

अब तक 200 किलो घी बनकर तैयार हो चुका है। इसे अलग-अलग पैकिंग में विक्रय केंद्रों में

भेजा जा रहा है। 200 ग्राम का डिब्बा 360 रुपये में मिल रहा है। फिलहाल अभी तक इसकी ब्रिकी नहीं हुई है। लेकिन विक्रय केंद्रों पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

प्रथम चरण में अच्छा रिस्पांस आने के बाद मिल्कफेड पायलट प्रोजेक्ट के तहत पूरे प्रदेश में बकरी के दूध का घी तैयार करेगा।

माना जाता है कि विटामिन ई, विटामिन डी, विटामिन बी12 और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर बकरी के घी में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इसके साथ घी में जिंक, कॉपर, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। यह कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रख सकता है।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत ऊना जिला के झलेड़ा में मिल्क प्लांट में बकरी के दूध से घी का उत्पादन कार्य शुरू हो गया है। दिवाली से पहले सभी विक्रय केंद्रों पर घी उपलब्ध रहेगा। अच्छे परिणाम आने के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 3

सुविचार

अपमान का बदला लड़ाई से कभी नहीं लेना चाहिए बल्कि ऐसी सफलता अर्जन करो ताकि आपको अपमान करने वाला खुद सरमिंदा हो जाए!

सीएम रेवंत ने फॉक्सकॉन के साथ निवेश संभावनाओं पर चर्चा की

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू के साथ सोमवार को रंगारेड्डी जिले के कोंगर कलां में फॉक्सकॉन सुविधा का दौरा किया। यात्रा के दौरान, रेवंत रेड्डी ने कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की, कंपनी की प्रगति और अन्य प्रमुख पहलुओं के बारे में पूछताछ की। फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य बिना किसी देरी या चिंता के सभी आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा। उन्होंने कंपनी को अतिरिक्त क्षेत्रों में और निवेश पर विचार करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। रेवंत रेड्डी ने विशेष रूप से फॉक्सकॉन से तेलंगाना राज्य के भीतर इलेक्ट्रिक और लिथियम बैटरी क्षेत्रों में निवेश के अवसरों का पता लगाने का आग्रह किया।

पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी गतिविधियां शुरू की

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग आयोग ने आज खैरताबाद स्थित अपने कार्यालय में बैठक की और आयोग के कार्यक्षेत्र को निर्दिष्ट करते हुए 9 अक्टूबर को तेलंगाना सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। योजना विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, जो विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में बैठक में शामिल हुए, ने आयोग को राज्य में जाति सर्वेक्षण कराने के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। दोनों के समन्वय से पिछड़ा वर्ग आयोग की देखरेख में सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया। सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार पिछड़ा वर्ग आयोग को स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को दिए जाने वाले आरक्षण का प्रतिशत तय करना है। इस अध्ययन के तहत आयोग ने पूरे राज्य का दौरा करने और पुराने दस जिला मुख्यालयों में जनसुनवाई करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम को 24 अक्टूबर से शुरू करने का सैद्धांतिक रूप से निर्णय लिया गया है। आयोग जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगा। आयोग ने इस संबंध में सभी वर्गों के विचार जानने का भी निर्णय लिया और इसके तहत पिछड़े वर्गों के बुद्धिजीवियों के साथ विचार-विमर्श की एक बैठक शीघ्र ही बुलाने का निर्णय लिया।

उच्च न्यायालय ने मूसी सौंदर्यीकरण के तहत ध्वस्तीकरण पर स्थगन प्रदान किया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार की मूसी सौंदर्यीकरण परियोजना ने महत्वपूर्ण विवाद को जन्म दिया है, निवासियों को बड़े पैमाने पर घरों के ध्वस्त होने की आशंका है। रिपोर्ट बताती है कि कई घरों को पहले ही ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया जा चुका है, अधिकारियों ने कुछ निवासियों से अपनी संपत्ति खाली करने को कहा है। इस योजना ने उन घर मालिकों के बीच चिंता पैदा कर दी है जिन्होंने अपनी संपत्तियों में भारी निवेश किया है। उनमें से कई ने सरकार को चेतावनी जारी की है, जिसमें उनके घरों को निशाना बनाने से बचने का आग्रह किया गया है। इन आपत्तियों के बावजूद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने परियोजना को आगे बढ़ाना जारी रखा है। नतीजतन, प्रभावित निवासियों ने राहत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।चैतन्यपुरी, फणीगिरी कॉलोनी, सत्यनगर और कोठापेट सहित मूसी नदी तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों ने अपने घरों को ध्वस्त होने से रोकने के लिए उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। इन इलाकों में कई संपत्तियों पर अब कोर्ट के स्थगन नोटिस देखे जा सकते हैं। बताया गया है कि लगभग 100 मकान मालिकों ने ध्वस्तीकरण प्रक्रिया को रोकने के लिए कानूनी संरक्षण प्राप्त कर लिया है।

एनआरआई ने गरीब छात्रों की चिकित्सा शिक्षा का किया समर्थन

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव से प्रेरित होकर, तेलंगाना के एनआरआई दुदाला वेंकट ने वानापर्थी जिले की एक गरीब छात्रा बी गौरी को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता दी। रामा राव और वेंकट के पिता रविंदर ने सोमवार को हैदराबाद में गौरी के माता-पिता की मौजूदगी में उसे 1.65 लाख रुपये का चेक सौंपा।

वीपनगंडला मंडल के कलवराला गांव की गौरी ने मेडिकल सीट हासिल की, लेकिन अपने परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के कारण उसे अपने पहले साल की फीस भरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस मुद्दे को सोशल मीडिया के माध्यम से रामा राव के ध्यान में लाया गया, और उन्होंने तुरंत आश्वासन दिया कि वह अपनी व्यक्तिगत क्षमता में गौरी की शिक्षा का समर्थन करेंगे। पूर्व मंत्री के इस कदम से प्रेरित होकर, एनआरआई वेंकट ने उसके पहले साल की फीस भरने का वादा किया और अपने जन्मदिन के अवसर पर धन की व्यवस्था की।

रामा राव ने वेंकट के परिवार को उनकी उदारता के लिए बधाई दी और गौरी के पिता, जो एक खेतिहर मजदूर हैं, को अपनी बेटी का समर्थन करने के लिए सराहना की। गौरी ने रामा राव और वेंकट के परिवार दोनों को उसकी मेडिकल शिक्षा का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

फिल्म पुरस्कारों के चयन की प्रक्रियाओं को लेकर हुई बैठक

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म पुरस्कारों के चयन की प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने के लिए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देशन में आज (सोमवार) सचिवालय में एक समिति की बैठक आयोजित की गई। पुरस्कार समिति के अध्यक्ष बी. नरसिंग राव, उपाध्यक्ष दिल राजू, सलाहकार बोर्ड के सदस्य तम्मारेड्डी भारद्वाज, गुम्मदी वेन्नेला, तनिकेला भरानी, डी. सुरेश बाबू, वंदेमातरम श्रीनिवास, अल्लानी श्रीधर, सना यादी रेड्डी, सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त हरीश शंकर, राज्य फिल्म विकास निगम के एमडी हनुमंत राव, कार्यकारी निदेशक किशोर बाबू ने भाग लिया।

ग्रामीणों ने राहुल गांधी, रेवंत रेड्डी को भेजे पोस्टकार्ड

आदिलाबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव के समय दिए गए 6 गारंटियों के कार्यान्वयन में देरी को लेकर ग्रामीणों ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपना असंतोष व्यक्त करने का एक अनूठा तरीका अपनाया। उन्होंने सोमवार को एचोड़ा मंडल के मुखरा (के) गांव में एआईसीसी नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पोस्टकार्ड भेजे।

पोस्टकार्ड में ग्रामीणों ने लिखा है कि कांग्रेस ने अपने चुनावी वादे - महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक पेंशन, कल्याण लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों को एक तोला सोना, महिला स्नातकों को स्कूटर, किसानों को प्रति एकड़ 15,000 रुपये का इनपुट निवेश, 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ करना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये करना - अब तक पूरे नहीं किए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पार्टी ने सत्ता संभालने के बाद 100 दिनों के भीतर छह गारंटी पूरी करने का वादा किया था। हालांकि, उसने अभी तक अपना वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने घोषणा की कि अगर पार्टी जल्द ही अपने वादों को पूरा करने में विफल रही तो वे नई दिल्ली में जनपथ पर धरना देंगे। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन के बारे में पोस्ट करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि लोग कांग्रेस द्वारा किए गए विश्वासघात को देख पा रहे हैं। उन्होंने पोस्ट किया कि आदिलाबाद जिले के मुखरा गांव के ग्रामीणों ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर तेलंगाना में 6 गारंटियों को तुरंत लागू करने के लिए कहा है... सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर 6 गारंटियों को लागू करने का आश्वासन दिया गया था। 300 दिन से ज़्यादा हो गए हैं और प्रगति का कोई संकेत नहीं है! लोग आपके विश्वासघात को साफ़ तौर पर देख पा रहे हैं, श्री गांधी...।

एमएसडीई ने मेटा के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने दो प्रमुख पहलों के शुभारंभ के लिए आज मेटा के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की - कौशल भारत मिशन के लिए एक एआई सहायक और हैदराबाद, बेंगलुरु, जोधपुर, चेन्नई और कानपुर में स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) में पांच उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करना। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, "मंत्रालय में हमारा मिशन भारत के युवाओं को आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और मिक्स्ड रियलिटी जैसी तकनीकों को स्किल इंडिया इकोसिस्टम में एकीकृत करके, हम देश के युवाओं के लिए व्यक्तिगत शिक्षण मार्गों को सक्षम करने वाली अत्याधुनिक तकनीकों तक पहुँच को लोकतांत्रिक बना रहे हैं। आज मेटा के साथ हमारी साझेदारी इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" मेटा इंडिया के उपाध्यक्ष और सार्वजनिक नीति प्रमुख शिवनाथ ठुकराल ने कहा, मेटा में, हम भारत के आर्थिक विकास के लिए सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिए एआई, वीआर और एमआर जैसी अग्रणी तकनीकों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमडीएसई) के साथ ये साझेदारी प्रौद्योगिकी और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ओपन-सोर्स लामा जैसी उन्नत तकनीकों के एकीकरण के माध्यम से हमारा लक्ष्य न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों और उद्यमियों को भी सशक्त बनाना है, उन्हें आज की डिजिटल-प्रथम दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करना है। स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल देश के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र की आधारशिला बन गया है, जिसमें लाखों छात्र अपनी रोजगार क्षमता में सुधार के उद्देश्य से पाठ्यक्रमों तक पहुँच बना रहे हैं। एआई चैटबॉट के लॉन्च के साथ, एमएसडीई और मेटा छात्रों के पाठ्यक्रम सामग्री के साथ बातचीत करने और भविष्य के लिए तैयारी करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इसके अलावा, सीओई की स्थापना के लिए तकनीकी साझेदार स्किलवेरी, शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को नवीनतम तकनीक से लैस करने के लिए अत्याधुनिक वीआर और एमआर संसाधन, पाठ्यक्रम और प्रशिक्षित पेशेवर प्रदान करेगा, जिससे इमर्सिव और इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव को सक्षम किया जा सके।

स्नातक एमएलसी चुनावों से पहले हो जाएं सक्रिय

सीएम ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से किया आग्रह

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं से मेदक, आदिलाबाद और करीमनगर जिलों में आगामी स्नातक एमएलसी सीट के चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान किया है।

चुनाव तैयारियों पर चर्चा के लिए आयोजित जूम मीटिंग के दौरान सीएम ने इन महत्वपूर्ण जिलों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की सह-अध्यक्षता में हुई बैठक में एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी महासचिव दीपा दास मुंशी, प्रभारी सचिव विश्वनाथ और विश्वनाथम, चारों जिलों के मंत्री, सांसद, विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हुए।

सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस सरकार द्वारा बेरोजगारी, खासकर युवाओं के बीच बेरोजगारी को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पिछले 10 महीनों में सरकार ने सरकारी नौकरियां देने के लिए लगन से काम किया है, जिसमें डीएससी प्रक्रिया के जरिए 11,000 शिक्षकों की नियुक्ति भी शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस सरकार ने विभिन्न विभागों में तबादलों और पदोन्नति को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे प्रमुख चुनावी वादे पूरे हुए हैं।

मुख्यमंत्री के अनुसार, यह चुनाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि महेश कुमार गौड़ की टीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के बाद यह पहला स्नातक एमएलसी चुनाव है। सीएम ने युवा कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करें कि सभी पात्र स्नातकों के नाम मतदाता सूची में शामिल हों। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 15 अक्टूबर तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी अभियान का मार्गदर्शन करने के लिए सभी चार जिलों के नेताओं से मिलकर एक समिति बनाएगी।

एआईसीसी महासचिव दीपा दास मुंशी ने मुख्यमंत्री की भावनाओं को दोहराते हुए नेताओं से उम्मीदवार की सफलता पर ध्यान केंद्रित करने और मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवा और बेरोजगार सरकार के प्रदर्शन से काफी हद तक संतुष्ट हैं, जिससे समर्थन जुटाने में मदद मिलेगी। बैठक के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने संभावित उम्मीदवारों पर अपने विचार साझा किए, जबकि मौजूदा परिषद सदस्य जीवन रेड्डी को चुनाव प्रक्रिया की देखरेख का काम सौंपा गया। जीवन रेड्डी ने पिछले चुनाव में उन्हें मिली जनता की सहानुभूति की लहर पर प्रकाश डाला और सुझाव दिया कि पार्टी के उम्मीदवार के चयन के लिए व्यापक परामर्श प्रक्रिया आयोजित की जानी चाहिए।

कृषि, पशु चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए काउंसलिंग शुरू

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) ने सोमवार को कृषि, पशु चिकित्सा और बागवानी में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग शुरू की। काउंसलिंग सत्र राजेंद्रनगर में विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया था और इसका उद्घाटन रजिस्ट्रार डॉ. पी. रघुरामी रेड्डी ने किया था। तेलंगाना ईएएमसीईटी-2024 काउंसलिंग के दौरान, 369वीं रैंक हासिल करने वाले एम. स्पूर्थी राजेंद्रनगर में पशु चिकित्सा कॉलेज में प्रवेश पाने वाले पहले व्यक्ति थे। वाई. शेषपद्मिनी और एस. धरणी कुमार, जिन्होंने क्रमशः 431 और 550 रैंक प्राप्त की, ने भी उसी कॉलेज में बीवीएससी (बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस) कार्यक्रम में सीटें हासिल कीं। इसके अलावा, मोहम्मद सोहेल, जिन्होंने 732वीं रैंक प्राप्त की, ने वारंगल कृषि महाविद्यालय में बीएससी कृषि कार्यक्रम में सीट चुनी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कृषि, पशु चिकित्सा और बागवानी में डिग्री हासिल करने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न करियर और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में बताने का अवसर लिया।

प्रो साईबाबा को हरीश राव ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने शिक्षाविद् और मानवाधिकार कार्यकर्ता प्रोफेसर जीएन साईबाबा को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका शनिवार को मौला अली स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उन्होंने साईबाबा और उनके परिवार के साथ उनकी लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान हुई परेशानियों को याद किया। हरीश राव ने दुख व्यक्त किया कि साईबाबा जैसे विकलांग व्यक्ति को अवैध आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया और यूएपीए मामले में कई साल जेल में बिताने पड़े, इससे पहले कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया।

उन्होंने कहा कि साईबाबा की मृत्यु वास्तव में दुखद है। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं, जिन्होंने एक दशक तक अवर्णनीय पीड़ा सहन की, जब वे अन्यायपूर्ण आरोपों में जेल में बंद थे।

पूर्व मंत्री ने याद दिलाया कि न्याय का सिद्धांत यह है कि भले ही सौ आरोपी सज़ा से बच जाएं, लेकिन एक भी निर्दोष व्यक्ति को सज़ा नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि साईबाबा ने जो पीड़ा झेली, उसका जवाब कौन देगा? उन्होंने कहा कि निर्दोष साबित होने के तुरंत बाद साईबाबा का निधन दिल दहला देने वाला था। उन्होंने कहा कि गांधी अस्पताल को अपनी आंखें और शरीर दान करके साईंबाबा ने सभी के लिए एक उदाहरण पेश किया है।

सिकंदराबाद मंदिर यात्रा से पहले राजा सिंह को नजरबंद किया गया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक टी राजा सिंह को सोमवार को उस समय नजरबंद कर दिया गया, जब वह सिकंदराबाद स्थित मुथ्यालम्मा मंदिर जाने की योजना बना रहे थे। पुलिस कर्मियों की एक टीम गोशामहल विधायक के घर पहुंची और उन्हें बताया कि उन्हें सिकंदराबाद जाने से रोकने के लिए नजरबंद किया जा रहा है। बाद में अपने घर पर दिए गए बयान में राजा सिंह ने मांग की कि पुलिस इस घटना की गहन जांच करे और सभी जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करे। उन्होंने उस व्यक्ति की मंशा पर सवाल उठाया जिसने आकर देवी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया।

टी राजा सिंह ने पूछा कि हर घटना के बाद पुलिस कहती है कि वह व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान था। मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति को केवल मंदिर ही क्यों दिखता है, दरगाह क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि राज्य में हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए अक्सर प्रयास किए जाते हैं और पुलिस को साजिश का पता लगाना चाहिए।

सुबह 3 बजे मंदिर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे एक व्यक्ति ने मूर्ति को अपवित्र कर दिया। शोर सुनकर स्थानीय लोग सतर्क हो गए और उन्होंने घुसपैठिए को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। सुबह से ही दक्षिणपंथी नेता और स्थानीय लोग कड़ी कार्रवाई और गहन जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आगे कोई परेशानी न हो, इसके लिए भारी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पिछले सप्ताह नामपल्ली में दुर्गा प्रतिमा को अपवित्र किया गया था। अपराधी कृष्णैया गौड़ को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और पाया गया कि वह मानसिक रूप से अस्थिर है।

हैदराबाद एयरपोर्ट के पास कार में लगी आग

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) से उड़ान भर रहे यात्री उस समय बाल-बाल बच गए, जब उनकी स्विफ्ट कार में अचानक आग लग गई। यह घटना उस समय घटी जब वाहन चल रहा था, जिससे उसमें सवार लोगों में दहशत फैल गई। हैदराबाद हवाई अड्डे से लौट रहे यात्रियों ने सड़क पर इंजन से आग निकलती देखी।

त्वरित कार्रवाई करते हुए, वे आग फैलने से पहले ही वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे कोई भी हताहत होने से बच गया। दमकलकर्मियों को तुरंत सूचना दी गई और वे मौके पर पहुंचे तथा आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन यात्रियों और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया।

नीतीश कुमार के बाद जेडीयू का कौन बनेगा 'कर्णधार'

पार्टी के अस्तित्व को लेकर तेजस्वी और पीके क्यों उठा रहे सवाल?

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के समय से ही जेडीयू के पराभव की भविष्यवाणियां लोग करते रहे हैं। हालांकि चुनाव परिणाम से जेडीयू ने यह साबित कर दिया कि दीए का तेल अभी खत्म नहीं हुआ है। आरजेडी से अधिक सीटें लाकर जेडीयू ने यह भी साबित किया कि विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव का सीएम बनने का सपना अधूरा रह जाएगा। जेडीयू ने बीजेपी को भी साफ संदेश दे दिया कि उसे कम आंकना बीजेपी की भूल है। पर, जेडीयू का यह जलवा कब तक रहेगा, यह दिख तो रहा है, पर किसी की समझ में नहीं आ रहा।

नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव में दिखाया अपना जलवा

आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव लगातार यह बात कहते रहे हैं कि नीतीश कुमार अब थक गए हैं। उनसे बिहार नहीं संभल रहा। नीतीश की उम्र को लेकर भी लोग प्रतिकूल टिप्पणी करने से बाज नहीं आते। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर तो जेडीयू के खत्म होने की उलटी गिनती गिन रहे हैं। वे कहते हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव में जेडीयू 20 सीटों से भी कम पर सिमट सकता है। जेडीयू के कमजोरी के आकलन का आधार इसके सर्वेसर्वा नीतीश कुमार की उम्र और अस्वस्थता है। पर, ऐसा सोचने वाले भूल जाते हैं कि नीतीश ने चार महीने पहले ही लोकसभा चुनाव में अपना जलवा दिखा दिया है। लोकसभा चुनाव में तमाम कोशिशों और मजबूत गठबंधन के बावजूद आरजेडी को चार सीटों पर जीत मिलीं। 23 सीटों पर लड़ने वाले आरजेडी की उम्मीदवार लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव हार गईं। लालू-राबड़ी ने सिर्फ रोहिणी के लिए ही चुनाव प्रचार किया था। 'इंडिया ब्लॉक' ने रोहिणी को जीत दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। दूसरी ओर 16 सीटों पर लड़ कर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने 12 सीटें जीत लीं। नीतीश कुमार के चेहरे का ही यह कमाल रहा।

नीतीश कुमार के विरोधी भले उनकी ताकत का अंदाजा नहीं लगा पा रहे, लेकिन फिलहाल बड़ी पार्टी होने के बावजूद बीजेपी उन्हें कमजोर समझने की भूल नहीं कर रही। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में भले उन्हें एक सीट कम देकर बड़ा भाई बनने की कोशिश की, लेकिन नीतीश ने उसे भी एहसास करा दिया कि जेडीयू बड़ा नहीं, लेकिन बीजेपी की बराबरी में तो खड़ा हो ही सकता है। उसके बाद से बीजेपी अगली बार भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़ने की रट लगाए हुए है। नीतीश को दावा करने की जरूरत भी नहीं महसूस हो रही। जेडीयू के दिन लदने की बात कहने वालों की दो ही दलीलें हैं। अव्वल नीतीश कुमार उम्र के उस पड़ाव में पहुंच गए हैं, जहां से आगे की राजनीति लोगों के लिए आसान नहीं होती। उम्र जनित अस्वस्थता भी है। दूसरा बड़ा कारण जेडीयू में सेकेंड लाइन का न होना है। नीतीश ने सेकेंड लाइन की कभी जरूरत ही महसूस नहीं की। कुछ चेहरे जेडीयू में सेकेंड लाइन के आए भी तो उन्हें नीतीश ने ठिकाने लगा दिया। ऐसे लोगों में आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर के नाम लिए जा सकते हैं। ललन सिंह पार्टी में नीतीश के बरक्स खड़ा हो सकते हैं, लेकिन अभी तक उन्हें पार्टी में ऐसा कोई रुतबा हासिल नहीं है।

100 की स्पीड में ट्रेन से गिरी बच्ची, सुरक्षित मिली

पिता ने 10 किमी दूर रुकवाई ट्रेन, दो घंटे झाड़ियों में रोती रही

मथुरा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। माता-पिता के साथ मध्यप्रदेश से मथुरा आ रही 8 साल की मासूम चलती ट्रेन से नीचे गिर गई। जब बच्ची इमरजेंसी विंडो से गिरी तब ट्रेन करीब 100 की स्पीड में चल रही थी। ट्रेन के 10 किमी आगे जाने पर पिता को पता चला बेटी गायब है। रात में ट्रेन जंगल में रोकी गई। करीब 17 किमी दूर बच्ची झाड़ी में घायल मिली। बच्ची का एक पैर टूट गया है। रविवार देर शाम अस्पताल में उपचार के बाद बच्ची को घर भेज दिया गया। हादसा ललितपुर रेलवे स्टेशन से करीब 8 किमी दूर हुआ था।

वृंदावन में रंगनाथ मंदिर के पास रहने वाले अरविंद तिवारी, पत्नी अंजलि तिवारी और 8 साल की बेटी गौरी, 5 साल के बेटे मृदुल के साथ मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ स्थित पैतृक गांव में नवरात्रि मनाने के लिए गए थे। अष्टमी की पूजा कर शुक्रवार को गीता जयंती एक्सप्रेस ट्रेन से मथुरा आ रहे थे। ट्रेन की इमरजेंसी खिड़की से गिरी मासूम गौरी ने बताया- मैं ट्रेन की खिड़की के पास बैठी थी।

चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ी, अब जेड सिक्योरिटी

एसएसबी की जगह सीआरपीएफ जवान सुरक्षा घेरे में रहेंगे, 2 दिन पहले पिता की मूर्ति तोड़ी गई

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाजीपुर सांसद और लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ा दी है। पहले उन्हें केंद्रीय मंत्रालय की ओर से मिली जड सिक्योरिटी में एसएसबी के कमांडो सुरक्षा दे रहे थे। अब इस कैटेगरी में एसएसबी कमांडो की जगह सीआरपीएफ के जवान उनकी सुरक्षा में रहेंगे।

जड सिक्योरिटी के तहत चिराग पासवान की सुरक्षा में अब कुल 33 सुरक्षा गार्ड तैनात होंगे। इनमें से 10 आर्म्ड स्टैटिक गार्ड आवास पर रहेंगे। 6 राउंड द क्लॉक पीएसओ, तीन शिफ्ट में आर्म्ड स्कॉर्ट के 12 कमांडो, वाचर्स शिफ्ट में 2 कमांडो और 3 ट्रेंड ड्राइवर राउंड द क्लॉक मौजूद रहेंगे। केंद्र ने चिराग की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला ऐस समय पर लिया है, जब एक दिन पहले उनके पिता और लोजपा के दिवंगत नेता रामविलास पासवान की मूर्ति तोड़ी गई थी।

दिवंगत नेता रामविलास पासवान की मूर्ति तोड़े जाने के 2 दिन बाद चिराग की सुरक्षा बढ़ाई गई है। गया के अतरी विधानसभा क्षेत्र में शनिवार रात कुछ अज्ञात लोगों ने रामविलास की मूर्ति के दोनों हाथ तोड़ दिए। चेहरे को भी नुकसान पहुंचाया है। घटना को लेकर लोजपा (रामविलास) के नेताओं में आक्रोश है। पार्टी के लोग इसे राजनीतिक षड्यंत्र बता रहे हैं।

पार्टी के नेताओं ने नीमचक बथानी में केस दर्ज कराया है। जिला पुलिस भी इस मामले में एक्टिव हो गई है। पुलिस ने घटनास्थल की पड़ताल की है। एसएसपी ने जांच के आदेश दिए हैं। करीब 2 साल पहले स्व. रामविलास पासवान की प्रतिमा को बथानी टोला में स्थापित किया गया था। प्रतिमा का अनावरण सांसद चिराग पासवान ने किया था। सुरक्षा संबंधी खतरों को देखते हुए वीवीआईपी और अन्य क्षेत्रों के लोगों को यह सुरक्षा दी जाती है।

पुलिस के साथ-साथ कई एजेंसी सिक्योरिटी कवर देती है। इनमें स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी एसपीजी, एनएसजी, आईटीबीपी और सीआरपीएफ शामिल हैं। इनमें एसपीजी सिक्योरिटी सिर्फ देश के प्रधानमंत्री को मिलती है। एसपीजी एक अलग फोर्स की तरह है, जो सिर्फ प्रधानमंत्री को कवर करती है।

इंजीनियरिंग कॉलेज के चार स्टूडेंट समेत पांच की मौत

कानपुर में ट्रक ने कार को टक्कर मारी, दरवाजे काटकर निकाले गए शव

कानपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में भीषण सड़क हादसे में इंजीनियरिंग कॉलेज के 4 छात्रों समेत 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर सुबह करीब 8.30 बजे हुआ। कॉलेज जा रहे छात्रों की कार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी।

घटना सचेंडी थाना क्षेत्र के भौंती हाईवे की है। मृतकों में दो छात्राएं-दो छात्र और ड्राइवर शामिल है। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सभी शव कार में फंस गए। शवों को कार की छत और दरवाजे काटकर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही सचेंडी थाना पुलिस, डीसीपी वेस्ट समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। हादसे के बाद करीब 15 किमी लंबा जाम लग गया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। कॉलेज से करीब 1 किलोमीटर दूर हादसा हो गया। डीसीपी वेस्ट राजेश कुमार सिंह ने बताया कि कानपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर सचेंडी थाना क्षेत्र के भौती हाईवे पर एक कार का एक्सीडेंट हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। कार आगे चल रही ट्रक से टकरा गई। दो ट्रकों के बीच आने से कार के परखचे उड़ गए।

मृतकों में इंजीनियरिंग कॉलेज प्रणवीर सिंह इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (पीएसआईटी) बीटेक फर्स्ट ईयर कंप्यूटर साइंस की छात्रा आयुषी पटेल और थर्ड ईयर की छात्रा गरिमा त्रिपाठी, फोर्थ ईयर के छात्र प्रतीक सिंह और थर्ड ईयर के छात्र सतीश और ड्राइवर सनिगवां निवासी विजय साहू शामिल हैं। सभी मृतकों के घर वालों को सूचना दे दी गई है। प्रत्यक्षदर्शी विश्वास शुक्ला ने बताया- सरिया से लदा ट्रक जा रहा था। जहां हादसा हुआ, वहां ढलान है। कार तेजी के साथ आई। तभी सरिया लदा ट्रक धीरे हुआ। कार ने जब तक ब्रेक लगाई, पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इसके बाद कार आगे सरिया लदे ट्रक से टकरा गई। गरिमा के चाचा श्याम त्रिपाठी ने कहा- सभी स्टूडेंट एक ही मोहल्ले के थे। सभी पीएसआईटी से बीटेक कर रहे थे। हमने मोहल्ले के ही साहू की कार बुक कर रखी थी। रोजाना सभी बच्चे एक साथ घर से निकलते थे। आज भी कॉलेज जाने के लिए निकले थे। करीब पौन घंटे बाद हमें सूचना मिली कि एक्सीडेंट हो गया है।

बहराइच हिंसा के मोर्चे पर दो महिला अफसर

कौन हैं डीएम मोनिका रानी जो एसपी वृंदा शुक्ला के साथ डटीं

डीएम मोनिका रानी

एसपी वृंदा शुक्ला

बहराइच, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में रविवार को दुर्गा मूर्ति विसर्जन के समय भड़की हिंसा में एक युवक की मौत हो गई। कम से कम सात लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को संभालने के लिए जिले की एसपी वृंदा शुक्ला के साथ डीएम मोनिका रानी भी सड़क पर उतर आईं। दोनों महिला अधिकारियों ने बाकायदा बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखा था। साथ ही सिर में हेलमेट लगाया हुआ था। रविवार शाम और सोमवार सुबह दोनों समय हालात जब खराब हुए तो डीएम मोनिका रानी मौके पर मुस्तैद नजर आईं। मोनिका रानी 2011 बैच की आईएएस अफसर हैं। उन्होंने 2010 में यूपीएससी परीक्षा में 70वीं रैंक हासिल की थी। वह मूल रूप से गुरुग्राम की रहने वाली हैं। 1982 में जन्मीं मोनिका रानी की 2005 में शादी हो गई। इस बीच, वह दिल्ली के सरकारी स्कूल में टीचर बन गईं पर अपनी आगे की तैयारी जारी रखी। उन्होंने बीकॉम के बाद इकोनॉमिक्स में एमए किया। बहराइच में डीएम बनने से पहले वह यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर तैनात थीं। वह लखनऊ, गाजियाबाद, चित्रकूट और सहारनपुर जिलों में भी रह चुकी हैं। डीएम मोनिका रानी के नेतृत्व में ही बहराइच में ऑपरेशन भेड़िया चलाया गया।

हाल ही में महसी इलाके में आदमखोर भेड़िए के हमले में आठ लोग मारे गए थे। मोनिका रानी ने भूमाफिया और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कई बार सख्त एक्शन लिए हैं। कुछ दिन पहले बहराइच में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में भोजन की गुणवत्ता समेत यूनिफॉर्म जैसी चीजों में डीएम को लापरवाही मिली।

बोगी के ऊपर बोगी थी, चारों तरफ चीख-पुकार मची हुई थी

मैसूर रेल हादसे के यात्री पहुंचे दरभंगा, सुनाई आपबीती

दरभंगा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैसूर से दरभंगा आ रही बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस के मालगाड़ी से टकरा जाने के बाद आज स्पेशल ट्रेन से यात्री दरभंगा पहुचे। दरभंगा जंक्शन स्टेशन पर पहुंचते ही यात्रियों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। वहीं यात्रियों ने घटनास्थल के पास के स्थानीय लोग और रेलवे प्रशासन को धन्यवाद दिया। यात्रियों ने कहा कि रेलवे ने बहुत ध्यान रखा। तुरंत मदद पंहुचाई और यहां तक भी बहुत ध्यान रखते हुए लाया गया है। वहीं ट्रेन दुर्घटना में कई यात्री चोटिल भी दिखे, जिनके चेहरे पर घर लौटने की खुशी देखी जा सकती है। पूरा परिवार चोटिल होने के बाद भी सही सलामत घर पहुंचे गए, ये ख़ुशी यात्रियों के चेहरे पर दिख रही थी। वहीं दुर्घटना के समय को याद कर यात्रियों ने कहा कि हमलोग बाल-बाल बच गए। चारों तरफ चीख पुकार मची थी। ट्रेन के डिब्बे पटरी से नीचे पलटे देख डर समा गया था। इतने बड़ी दुर्घटना के शिकार होकर भी हमलोग भगवान की कृपा से बच कर अपने घर आ गए। हादसे के बाद दरभंगा पहुंचे यात्री सुनील कुमार ने बताया कि हादसे में काफी लोगों को चोटें आईं। सुनील ने कहा कि बाहर की स्थिति काफी डरावनी लग रही थी। एक बोगी दूसरी बोगी पर चढ़ी गई थी। देखने से स्थिति काफी भयावह लग रही थी। हालांकि देखने में हादसा जितना बड़ा लगा, उससे कम लोगों की क्षति हुई। हादसे में मेरा सारा सामान गायब हो गया है। मेरे बैग में ही पैसा और टिकट था। मेरा सारा सामान खो गया और नहीं मिला।

यूपी के 5 शहरों की हवा सबसे अधिक खराब

मेरठ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में सबसे ज्यादा प्रदूषित हवा रविवार को वेस्ट यूपी के पांच शहरों की रही। मुजफ्फरनगर की हवा लगातार दूसरे दिन सबसे ज्यादा प्रदूषित रही। शनिवार को यहां का एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 238 दर्ज किया गया था जो रविवार को बढ़कर 288 पहुंच गया है। गाजियाबाद 264 एक्यूआई के साथ दूसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा।

इस लिस्ट में 254 एक्यूआई के साथ तीसरे नंबर पर हापुड़, 243 एक्यूआई के साथ नोएडा चौथे और मेरठ 236 एक्यूआई के साथ पांचवें नंबर पर रहा। मेरठ में शनिवार को एक्यूआई 129 था लेकिन एक दिन में ही रविवार को प्रदूषण का स्तर बढ़कर 107 एक्यूआई पहुंच गया है।

हर साल वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप सिस्टम लागू किया जाता है, लेकिन इस साल वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर एनसीआर में 13 दिन पहले ही सितंबर में इसे लागू कर दिया गया। पिछले साल 1 अक्टूबर को लागू किया गया था और 2022 में 15 अक्टूबर को लागू किया गया। ग्रेप में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अलावा नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, एनएचएआई, नगर पालिका, स्वास्थ्य विभाग, आरटीओ समेत करीब 23 विभाग काम करेंगे। एयर क्वालिटी इंडेक्स अगर 201 से 300 के बीच होगा तो उसमें जीआरएपी के पहले चरण को लागू किया जाएगा। इसमें निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों के लिए निर्देश जारी होते हैं। सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाता है। कचरा जलाने पर प्रतिबंध रहेगा। डीजल जनरेटर का इस्तेमाल बिजली के लिए नहीं होगा।

यूपी उपचुनाव में भाजपा क्यों निषाद पार्टी को नहीं देना चाहती सीट?

कटेहरी और मझवां सीट मांग रहे हैं संजय निषाद

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की राजनीति अब तेज होने लगी है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहले ही 6 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर राजनीति गरमा दी है। वहीं, रविवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें पार्टी के तमाम सीनियर नेता शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में हुई बैठक में यूपी से सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल से लेकर पार्टी के तमाम सीनियर नेता मौजूद रहे। सूत्रों के हवाले से आई जानकारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी ने 10 में से 9 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या निषाद पार्टी को इस बार गठबंधन के तहत सीट नहीं मिलेगी? यूपी में गठबंधन को लेकर भारतीय जनता पार्टी में एक अलग प्रकार का माहौल दिख रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में गठबंधन के तहत चुनावी मैदान में कदम रखा था। भाजपा ने डॉक्टर संजय निषाद की निषाद पार्टी, जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोक दल, अनुप्रिया पटेल की अपना दल एस और ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनावी मैदान में ताल ठोंका। हालांकि, इन तमाम क्षेत्रीय दलों से गठबंधन के बावजूद जातीय समीकरणों को साधने में पार्टी को उस स्तर पर कामयाबी नहीं मिली। पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 में 80 में से महज 33 सीटों पर जीत मिली, जबकि लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा 62 सीटों पर जीती थी। 2014 के लोकसभा में यह संख्या 71 थी। पिछले दोनों लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा अपना दल एस के साथ ही गठबंधन में थी। ऐसे में बड़े स्तर पर जातीय समीकरणों को साधने की रणनीति का कोई खास असर नहीं दिखा। लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 के दौरान भाजपा के मजबूत साथी के रूप में उतरी अपना दल को दो सीटों पर जीत मिली थी।

बच्चों के साथ मुस्लिम महिलाओं का प्रदर्शन

बोलीं–नबी के खिलाफ बोले, वह हमें बर्दाश्त नहीं, यति नरसिंहानंद पर एक्शन लें

सहारनपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में करीब 200 मुस्लिम महिलाएं 20-25 बच्चों संग सड़क पर उतर आईं। बुर्का पहने महिलाएं हाथों में तिरंगा और 'आई लव नबी' के पोस्टर लिए दिखाई दीं। महिलाओं के साथ छोटे-छोटे बच्चे भी मौजूद रहे। इस दौरान महिलाओं ने जमकर नारेबाजी की। रविवार को महिलाओं ने यह विरोध जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर नरसिंहानंद के खिलाफ किया। कहा- हमारे नबी पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हम अपने नबी के खिलाफ कुछ भी गलत नहीं सुन सकते हैं। सीएम योगी को नरसिंहानंद के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। पिछले रविवार (6 अक्टूबर) को भी यति नरसिंहानंद के खिलाफ सहारनपुर के शेखपुरा में मुस्लिम समुदाय के करीब 2 हजार लोग सड़क पर उतरे थे। नारेबाजी करते हुए लोगों ने पुलिस चौकी पर पथराव कर दिया था। पुलिस ने इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सहारनपुर में शेखपुरा से करीब 40 किमी दूर अंबेहटा पीर में रविवार को प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन में महिलाए और बच्चे आगे थे, जबकि कुछ पुरुष थे, लेकिन वह पैदल थे।

महिलाओं ने माइक पर नारेबाजी करते हुए कहा- कोई भी हमारे नबी के खिलाफ कुछ भी बोलेगा, तो हमें बर्दाश्त नहीं। हम किसी के लिए कुछ नहीं बोलते, तो कोई हमारे नबी या धर्म पर कुछ न बोले। हम नरसिंहानंद की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। हमें सड़क पर उतरना पड़ रहा है। हमारे नबी हमारे लिए सब कुछ हैं। कोई उन पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता। नरसिंहानंद और कई धर्म गुरु हमेशा गलत टिप्पणी करते हैं। यह हमें बर्दाश्त नहीं है।

प्रेमिका का गला रेता, बेटे की हत्या कर दफनाया

मां की गोद से ढाई साल के बच्चे को छीना, पटककर मार डाला

मेरठ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ में प्रेमी ने अपनी शादीशुदा प्रेमिका के ढाई साल के बेटे की हत्या कर दी। लाश को गन्ने के खेत में दफना दिया। बीच-बचाव करने आई प्रेमिका पर चाकू से हमला कर दिया। घटना परतापुर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक- आरोपी ने रविवार की रात महिला को मिलने के लिए बुलाया था। इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। इसके बाद आरोपी ने महिला की गोद से बच्चे को छीनकर जमीन पर पटक दिया। महिला ने जैसे ही बीच-बचाव किया। आरोपी ने उसके गले में चाकू मार दिया। फिर गला दबाकर मासूम की हत्या कर दी। खून से लथपथ महिला किसी तरह जान बचाकर गांव में पहुंची। लोग उसे अस्पताल ले गए। थाना लोहियानगर के नरहैड़ा गांव की रहने वाली नजराना (28) की शादी 10 साल पहले परतापुर के काशी गांव के रहने वाले निजाम से हुई थी। नजराना के 2 बेटे हैं। पति निजाम पंजाब में कपड़े का काम करता है। वहीं, नजराना मेरठ में बच्चों के साथ अकेली रहती है। नजराना के पिता हमीद ने बताया- पिछले 4 दिनों से नजराना दोनों बच्चों के साथ हमारे यहां अपने मायके नरहैड़ा आई थी। फिर शाम को यह कहकर घर से निकली थी कि बच्चों के कपड़े लेने हैं। इसलिए काशी गांव जा रही हूं। वह ढाई साल के बेटे को ले गई थी। बड़ा बेटा पांच साल का है, वो हमारे साथ था। रात को हमारे पास पुलिस का फोन आया, फिर हमें पता चला कि बेटी मेडिकल अस्पताल में भर्ती है। हमीद ने बताया- बेटी कुछ भी नहीं बोल पा रही है। उसके गले पर चाकू से हमला किया गया है। उसने इशारे में हमें पूरी बात बताई। इसके बाद हम लोग गन्ने के खेत पर पहुंचे। पुलिस भी हमारे साथ थी। लेकिन हमें कुछ नहीं मिला। फिर पुलिस ने एक लड़के को पकड़ लिया। उसने बताया कि खेत में उसने बच्चे को दफन कर दिया है। इशारों में नजराना ने अपने भाइयों को बताया कि उसके ऊपर तीन लोगों ने हमला किया है। डॉक्टर के मुताबिक- नजराना बोल नहीं पा रही है, क्योंकि उसके गले की वोकल कॉर्ड यानी आवाज की नस कट गई है। हालांकि डॉक्टर इलाज कर रहे हैं, लेकिन नजराना अब बोलेगी या नहीं कहना मुश्किल है।

काशी में मंत्री के बेटे से हाथापाई, दरोगा सस्पेंड

वाराणसी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। काशी के 481 साल पुराने भरत मिलाप मेले में रामभक्तों पर लाठीचार्ज से पुलिस पर सवाल उठे हैं। लाखों की भीड़ जुटाने वाली ऐतिहासिक रामलीला से जुड़े आयोजन में पहली बार पुलिस के लाठीचार्ज से लोगों में गुस्सा है। नाटी इमली मैदान में पुष्पक विमान लेकर पहुंचे यादव बंधुओं को पहले पुलिस ने बैरिकेडिंग पर रोकना चाहा। उनकी एंट्री रोकने में नाकाम अफसरों और पुलिसकर्मियों ने लाठियां चलाना शुरू कर दिया। पुलिस की कार्यशैली से साफ जाहिर था कि पुलिस रामभक्तों को मैदान से बाहर रखना चाहती थी। उधर, मंत्री रविंद्र जायसवाल के बेटे आयुष को रोकने पर चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया। पूर्वांचल से लेकर यूपी और देशभर में फजीहत के बाद वायरल वीडियो को नकारते हुए डीसीपी काशी ने लाठीचार्ज नहीं होने की सफाई पेश की। लाठीचार्ज और भगदड़ में गिरने से कई लोग चोटिल हो गए। घटना के कई वीडियो और फोटो वायरल हुए तो काशीवासियों ने सोशल मीडिया पर जमकर पुलिस को कोसा। वहीं राजनीतिक दलों ने भी दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने कानून व्यवस्था और वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की मंशा पर सवाल उठाए। रविवार को चार बजे नाटी इमली मैदान में भरत मिलाप की लीला के पहले ही पूरा मैदान खचाखच भर गया। सड़क से लेकर आसपास की गलियां भी श्रद्धालुओं से पैक हो गईं। काशी नरेश भी मैदान में हाथी पर सवार थे और गारद की सलामी के बाद राम लक्ष्मण के दर्शन का इंतजार कर रहे थे। आम नागरिकों के लिए पूर्वी और पुष्पक विमान लॉक के लिए पश्चिमी गेट निर्धारित था। श्रीराम के पुष्पक विमान लेकर पहुंचे यादव बंधुओं को पुलिस ने बैरिकेडिंग पर रोक दिया। तय किया कि विमान के मैदान में प्रवेश करते ही एंट्री नहीं दी जाएगी, जबकि यह गेट हर साल सैकड़ों यादव बंधुओं के लिए ही प्रवेश द्वार रहता है।

विमान प्रवेश करते ही पुलिस ने रामभक्तों को रोका तो तनातनी हो गई। दोनों पक्षों में नोकझोंक और धक्का-मुक्की के बीच भक्त विमान से दूर नहीं रहना चाहते थे। जब यादव बंधुओं की भीड़ बढ़ी तो बैरिकेडिंग पर तैनात एसीपी समेत इंस्पेक्टर और दरोगाओं ने हाथों में लाठी थामते ही भांजना शुरू कर दिया।

आहर से मिली 2 दोस्तों की लाश

पॉकेट से मिला फाइटर, गांजा काटने वाला कटर, स्कूली झगड़े में मर्डर की आशंका

भोजपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुर में सोमवार की सुबह आहर से 2 दोस्तों की लाश मिली है। दोनों बीते दो दिनों से लापता थे। परिजनों ने साजिश के तहत उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, आहर से 100 मीटर की दूरी पर उनकी बाइक भी मिली है। साथ ही दोनों मृतक दोस्तों के पॉकेट से फाइटर और गांजा काटने वाला कटर भी मिला है। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र चवरिया गांव की है। बताया गया कि दोनों दोस्तों के बुलाने पर विजयादशमी के मेले में घूमने गए थे। मृतकों की पहचान संदेश थाना क्षेत्र के बरतियर गांव निवासी रिटायर्ड आर्मी जवान संतोष कुमार राय के 25 वर्षीय बेटे रौशन कुमार और गड़हनी थाना क्षेत्र के खरचैया गांव निवासी संतोष कुमार सिंह के 17 वर्षीय बेटे आदर्श कुमार उर्फ रजनीश के रूप में हुई है। आदर्श की मां ने कहा कि आखिरी बार बेटे से बात हुई तो एकवारी गांव में था, वो नक्सलियों का इलाका है। मैंने उससे कहा था कि वो गलत जगह चला गया है, तुरंत वापस आ जाए। उसके साथ उसका दोस्त रौशन भी था, प्रकाश से मिलने गया था।

स्कूल में उसका एक लड़के से झगड़ा हुआ था। वो भी उन लोगों का ही दोस्त है। वो लड़का उसे जान से मारने की धमकी भी देता था। 3-4 माह पहले भी कहा था कि जहां दिखोगे वहीं मार देंगे।

विदेश मंत्रालय का कनाडा पर वार

भारतीय उच्चायुक्त-राजनयिकों को लेकर ट्रूडो सरकार के दावे पर साधा निशाना

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को सिरे से खारिज करता है और इनके पीछे ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे को वजह मानता है, जो कि वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, ₹ट्रूडो सरकार ने जानने के बावजूद कनाडा में भारतीय राजनयिकों और समुदाय के नेताओं को धमकाने और डराने वाले हिंसक कट्टरपंथियों और आतंकियों को जगह दी है। इनमें राजनयिकों और भारतीय नेताओं को मौत की धमकियां तक शामिल हैं। इन सभी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उचित करार दिया जाता रहा। कुछ व्यक्ति जो कि अवैध तौर पर कनाडा में घुसे, उन्हें जल्द नागरिकता दी गई। भारत सरकार की तरफ से कनाडा से आतंकियों और संगठित आपराधिक सरगनाओं के प्रत्यर्पण के कई अनुरोधों को भी नकार दिया गया।

विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का भारत विरोध काफी पहले साबित हो चुका है। 2018 में अपने भारत दौरे में भी वे वोट बैंक की राजनीति को साधने आए थे, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया। उनके कैबिनेट में कई ऐसे लोग शामिल हैं, जो कि भारत के खिलाफ सीधे तौर पर कट्टरवाद और अलगाववाद से जुड़े हैं। दिसंबर 2020 में भारत की आंतरिक राजनीति में उनके दखल ने साफ दिखाया कि वह इन मामलों में कितना दूर तक जाने का विचार रखते हैं।

केंद्रीय अर्धसैनिक-सशस्त्र बलों सहित लाखों सरकारी कर्मियों को मिलेगा 6908 बोनस

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने केंद्र सरकार के कर्मियों को दीवाली के मौके पर 2023-24 के लिए नॉन-प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (एडहॉक बोनस) देने की घोषणा की है। इसके तहत सभी पात्र कर्मियों को 30 दिन के वेतन जितनी राशि मिलेगी। केंद्र सरकार के ग्रुप बी और ग्रुप सी के अंतर्गत आने वाले वे अराजपत्रित कर्मचारी, जो किसी प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस स्कीम के तहत नहीं आते हैं, उन्हें भी यह बोनस दिया जाएगा। एडहॉक बोनस का फायदा केंद्रीय अर्धसैनिक/सशस्त्र बलों के सभी योग्य कर्मियों को होगा। एडहॉक बोनस के तहत योग्य कर्मियों को औसतन 6908 रुपये मिलेंगे।

वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा 10 अक्तूबर को जारी आदेश के अनुसार, एडहॉक बोनस के तहत जो रकम दी जाती है, उसका निर्धारण करने के लिए एक नियम बनाया गया है। कर्मियों का औसत वेतन, गणना की उच्चतम सीमा के अनुसार, जो भी कम हो, उसके आधार पर यह बोनस जोड़ा जाता है। यदि किसी कर्मी को सात हजार रुपये मिल रहे हैं, तो उसका 30 दिनों का मासिक बोनस लगभग 6908 रुपये रहेगा। इस तरह के बोनस का फायदा, केंद्र सरकार के उन कर्मचारियों को ही मिलेगा, जो 31 मार्च 2024 को सेवा में रहे हैं। उन्होंने साल 2023-24 के दौरान कम से कम छह महीने तक लगातार ड्यूटी दी है। इन आदेशों के तहत तदर्थ बोनस का भुगतान केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों और सशस्त्र बलों के पात्र कर्मचारियों के लिए भी स्वीकार्य होगा। ये आदेश संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के उन कर्मचारियों पर भी लागू माने जाएंगे, जो परिलब्धियों के संबंध में केन्द्र सरकार की पद्धति का अनुसरण करते हैं। इसके अलावा वे कर्मचारी, किसी अन्य बोनस या अनुमग्रह स्कीम के अंतर्गत नहीं आते हैं। इन आदेशों के अंतर्गत भुगतान के लिए केवल वे कर्मचारी पात्र होंगे, जो 31.03.2024 को सेवा में थे और जिन्होंने वर्ष 2023-24 के दौरान न्यूनतम छह महीने तक लगातार सेवा की है। वर्ष में छह महीने से लेकर पूरे एक वर्ष तक लगातार सेवा की अवधि के लिए पात्र कर्मचारियों को यथा-अनुपात भुगतान किया जाएगा। पात्रता-अवधि की गणना, सेवा के महीनों (महीनों की निकटतम पूर्णांकित संख्या) के रूप में की जाएगी। गैर-उत्पादकता संबद्ध बोनस (तदर्थ बोनस) की मात्रा की गणना औसत परिलब्धियों/गणना की उच्चतम सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के आधार पर की होगी। एक दिन के लिए गैर-उत्पादकता संबद्ध बोनस (तदर्थ बोनस) की गणना करने के लिए, एक वर्ष की औसत परिलब्धियों को 30.4 (एक महीने के औसत दिनों की संख्या) से विभाजित किया जाएगा। इसके बाद दिए जाने वाले बोनस के दिनों की संख्या से इसको गुणा किया जाएगा। उदाहरण के लिए, मासिक परिलब्धियों की उच्चतम गणना सीमा को 7000/- रुपए (जहां वास्तविक औसत परिलब्धियां 7000/- रुपए से ज्यादा हैं) मानते हुए, 30 दिनों के लिए गैर-उत्पादकता संबद्ध बोनस (तदर्थ बोनस) 7000 x 30/30.4 + 6907.89/- रुपए (पूर्णांकित 6908/- रुपए) बनेगा। ऐसे दिहाड़ी मजदूर, जिन्होंने 6 कार्य-दिवसीय सप्ताह वाले दफ़्तरों में पिछले तीन अथवा इससे अधिक वर्षों में हर वर्ष कम से कम 240 दिन (पांच कार्य-दिवसीय सप्ताह वाले कार्यालयों के मामले में 3 या इससे अधिक वर्षों में हर वर्ष 206 दिन) कार्य किया है, इस गैर-उत्पादकता संबद्ध बोनस (तदर्थ बोनस) के भुगतान के पात्र होंगे। देय गैर-उत्पादकता संबद्ध बोनस (तदर्थ बोनस) की राशि (1200 रुपए x 30/30.4 अर्थात 1184.21/- रुपए (पूर्णांकित 1184/- रुपए)) होगी। ऐसे मामलों में जहां वास्तविक परिलब्धियां 1200/- रुपए प्रतिमाह से कम हैं, इस राशि की गणना वास्तविक मासिक परिलब्धियों के आधार पर होगी। इन आदेशों के अंतर्गत सभी भुगतान निकटतम रुपए में पूर्णांकित किए जाएंगे। इस मद में होने वाला व्यय दिनांक 16 दिसंबर, 2022 की व्यय विभाग की अधिसूचना के अनुसार संबंधित शीर्ष के नामे डाला जाएगा। गैर-उत्पादकता संबद्ध बोनस (तदर्थ बोनस) की मद में होने वाला व्यय चालू वर्ष के लिए संबंधित मंत्रालयों/विभागों के संस्वीकृत बजट प्रावधान के तहत पूरा किया जाना है। जहां तक भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में कार्यरत व्यक्तियों का संबंध है, ये आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 148(5) के तहत यथा अधिदेशित भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के परामर्श से जारी किए गए हैं। वित्त मंत्रालय के आदेश में कहा गया है, जो कर्मचारी अस्थायी तौर से एडहॉक बेस पर नियुक्त हुए हैं, उन्हें भी ये बोनस मिलेगा, बशर्ते उनकी सेवा के बीच कोई ब्रेक न रहा हो। ऐसे कर्मचारी जो, 31 मार्च 2024 को या उससे पहले सेवा से बाहर हो गए, उन्होंने त्यागपत्र दे दिया हो या सेवानिवृत हुए हों, उसे स्पेशल केस माना जाएगा। इसके तहत वे कर्मी, जो अमान्य तरीके से मेडिकल आधार पर 31 मार्च से पहले रिटायर हो गए या दिवंगत हो गए हैं, लेकिन उन्होंने वित्तीय वर्ष में छह माह तक नियमित ड्यूटी की है, तो उसे एडहॉक बोनस के योग्य माना जाएगा।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: राउत बोले- 'सिंघमगिरी' दिखाइए

दम है तो साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करिए; शाह को भी घेरा

मुंबई,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और अजित पवार वाली एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। अब इस मामले में जहां विपक्ष कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। वहीं राज्य सरकार आरोपियों को कड़ी सजा देने की बात कर रही है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संजय राउत ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि इस सरकार के बाद मुंबई में गैंगवार और अंडरवर्ल्ड की ताकत बढ़ सकती है। इस सरकार को अंडरवर्ल्ड का भी समर्थन हासिल है। अंडरवर्ल्ड गुजरात से चलाया जा रहा है। आज गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त किया गया है। इसका मतलब है कि देश में 50,000 करोड़ रुपये का ड्रग्स पहले ही बांटा जा चुका है। अब इसका पैसा कहां किस पार्टी को जा रहा है इसे जनता को बताने की जरूरत नहीं है।' उन्होंने आगे बोला, 'गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गैंगस्टर बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। सिद्दीकी कोई आम नेता नहीं हैं। ऐसे शख्स की पुलिस सुरक्षा में हत्या हो गई। इसकी जिम्मेदारी कौन ले रहा है, जो एटीएस गुजरात की हिरासत में गैंगस्टर है वो। यह कितनी गंभीर बात है। केंद्रीय गृह मंत्री के लिए एक चुनौती है जो गुजरात से हैं। अजित पवार को अमित शाह के इस्तीफे की मांग करनी चाहिए।'

राउत ने कहा कि उन्होंने (सीएम शिंदे) अक्षय शिंदे (बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी) को गोली मारने के बाद खुद को सिंघम घोषित कर दिया। अब इस 'सिंघमगिरी' को यहां दिखाएं। हिम्मत है तो बाबा सिद्दीकी मर्डर केस के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करिए। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद राज्य की कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवालों पर कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे अपराधों के लिए जिम्मेदार आरोपियों को जवाबदेह ठहराया जाए और उन्हें बख्शा नहीं जाए।

शिंदे ने इस बात की पुष्टि की कि मुंबई पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कहा कि महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'बाबा सिद्दीकी की हत्या की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। मुंबई पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक यूपी से और दूसरा हरियाणा से है। तीसरा आरोपी फरार है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसे बख्शा नहीं जाएगा चाहे वो कोई भी हो, चाहे वह बिश्नोई गैंग हो या कोई अंडरवर्ल्ड गैंग। सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिन लोगों को धमकी मिल रही है, उनकी सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और वह अपनी जिम्मेदारी निभाएगी।'

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी का अंतिम संस्कार रविवार को मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। बाबा सिद्दीकी के अंतिम संस्कार के दौरान बड़ा कब्रिस्तान में प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और अजीत पवार सहित एनसीपी नेता मौजूद थे।

नई सरकार में 13 परिवार : उमर तीसरी पीढ़ी के नेता

पिता की विरासत को संभाल रहे बेटे; इस परिवार से कोई चेहरा नहीं

जम्मू ,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में गठित होने वाली नई सरकार में 13 नवनिर्वाचित चेहरे ऐसे होंगे जिनका राजनीतिक परिवारों से नाता है। यह लोग उन राजनीतिक परिवारों से आते हैं जिनके सदस्य अतीत में चुनाव जीत चुके हैं या चुनाव लड़ चुके हैं। इनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस का योगदान सबसे ज्यादा है। नेकां पर चुनाव से पहले भाजपा ने परिवारवाद को लेकर खूब निशाना साधा लेकिन फिर भी लोगों ने कई इस मुद्दे को दरकिनार करते हुए राजनीतिक परिवारों के लोगों को विधानसभा भेजा है। मुफ्ती परिवार को छोड़कर अन्य परिवारों से कोई न कोई चेहरा चुना गया है। अवामी इत्तेहाद पार्टी के प्रमुख भी परिवारवाद की इस कड़ी में जुड़ गए हैं। उनका भाई खुर्शीद भी लंगेट विधानसभा सीट से चुने गए हैं। विधानसभा चुनाव में 42 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के गठन को लेकर दावा पेश करेगी।

उमर कह चुके हैं कि सब प्रक्रियाएं समय से पूरी हुईं तो बुधवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके बाद मंत्रिमंडल के गठन के साथ ही सरकार पहली कैबिनेट बैठक कर अपना काम शुरू कर देगी। विधायक दल के नेता उमर अब्दुल्ला खुद अब्दुल्ला खानदान से तीसरी पीढ़ी के विधायक हैं। उनके पिता फारूक अब्दुल्ला और दादा शेख मोहम्मद अब्दुल्ला दोनों जम्मू-कश्मीर के विधायक और मुख्यमंत्री रहे हैं। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा श्रीनगर के एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आते हैं। हालांकि उनके दादा गुलाम मोहिउद्दीन कर्रा कभी विधायक नहीं रहे, लेकिन 1954 में शेख मोहम्मद अब्दुल्ला से अलग होकर अपनी पार्टी - पॉलिटिकल कॉन्फ्रेंस बनाने तक उनका नेशनल कॉन्फ्रेंस में काफी प्रभाव रहा है। जेकेपीसीसी प्रमुख पूर्व में विधायक रह चुके हैं। वह 2014 में श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए लेकिन घाटी में 2016 की ग्रीष्मकालीन अशांति के दौरान नागरिक हत्याओं के विरोध में इस्तीफा दे दिया।

दूसरी पीढ़ी के राजनेताओं में सलमान सागर शामिल हैं, जो हजरतबल सीट से विधानसभा के लिए चुने गए हैं। सलमान सागर के पिता अली मोहम्मद सागर विधायक के रूप में लगातार सातवीं बार रिकॉर्ड जीतकर विधानसभा में सत्ता पक्ष की अगली पंक्ति में बैठेंगे। वह दो बार बटमालू सीट और पांच बार खानयार क्षेत्र से चुने गए हैं। पिता लोकसभा तो बेटा विधानसभा पहुंचा

मियां अल्ताफ अहमद कश्मीर की आदिवासी राजनीति का प्रमुख चेहरा हैं। वह वर्तमान में अनंतनाग-राजोरी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य हैं। उनका बेटा मियां मेहर अली कंगन से निर्वाचित हुए हैं। 67 वर्षीय लोकसभा सदस्य अगर इस साल की शुरुआत में लोकसभा के लिए नहीं चुने जाते तो वे लगातार छठी बार चुनाव लड़ रहे होते। अनंतनाग-राजोरी सीट से सांसद मियां अल्ताफ के एक रिश्तेदार अल्ताफ अहमद भी इस बार विधानसभा के लिए चुने गए हैं। उनके बहनोई जफर अली खटाना भी कोकेरनाग विधानसभा से विधायक रहे हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद अकबर लोन के बेटे हिलाल अकबर लोन सोनावारी सीट से चुने गए हैं। अकबर लोन 2002 से 2018 तक तीन बार सोनावारी सीट से विधायक रहे हैं। अब बेटा उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

यहां-वहां धमाके खत्म, कश्मीर शांत, ड्रग्स पर अंकुश

फिर लॉरेंस बिश्नोई क्यों नहीं?

नई दिल्ली ,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सिंडिकेट पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। एनआईए, पंजाब पुलिस, मुंबई पुलिस और राजस्थान पुलिस उसके सिंडिकेट के खिलाफ हत्या और जबरन वसूली के एक दर्जन से अधिक मामलों की जांच कर रही है। बताया जाता है कि लॉरेंस बिश्नोई कथित तौर पर कनाडा स्थित सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बरार और उसके भाई अनमोल बिश्नोई के साथ मिलकर संचालित करता है। उसका नेटवर्क हाल ही में सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी में शामिल था।

एनआईए के अनुसार, देश में गैंगस्टर-खालिस्तान समर्थक तत्वों का गठजोड़ 90 के दशक की शुरुआत में मुंबई में मौजूद परिदृश्य जैसा है। एनआईए ने अपने कई आरोपपत्रों में पाया है कि अब दो मुख्य गिरोह लॉरेंस बिश्नोई और कौशल चौधरी के बीच टकराव चल रहा है। यह अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद और अब जेल में बंद छोटा राजन के बीच प्रतिद्वंद्विता के समान है। इस सिंडिकेट के 50 से अधिक सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरोह पहले प्रसिद्ध गायक सिद्धू मूसेवाला, राजू ठेथ जैसे राजनीतिक पदाधिकारियों और प्रदीप कुमार जैसे सामाजिक धार्मिक नेता की हत्या में शामिल रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद बिश्नोई के कई सहयोगियों ने खुलासा किया है कि उन्हें बिश्नोई या उनके भाई अनमोल बिश्नोई से 'डब्बा कॉलिंग' पद्धति का उपयोग करके निर्देश मिलते हैं। इसमें, इंटरनेट के माध्यम से जबरन वसूली की जाती है, उसके बाद गिरोह के नेता को दूसरी कॉल की जाती है। सलमान खान से सिद्दीकी की निकटता के कारण बिश्नोई गिरोह की संभावित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

बिश्नोई गैंग के बेखौफ अंदाज के बाद एक सवाल लोगों के जेहन में साफ तौर पर आ रहा है। पहले त्योहारों के मौके पर अलग-अलग हिस्सों में बम विस्फोट की घटनाएं होती थीं। हालत यह थी कि मेट्रो समेत अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट में चलने में डर लगता था। फिर स्थितियां बदल गईं। अब लोग यह सोच रहे हैं कि जब इतनी गंभीर स्थिति से सरकार निपट सकते ही तो आखिर लॉरेन्स गैंग किस खेत की मूली है। अब सवाल है कि आखिर सरकार इसको लेकर कर क्या सोच रही है। यह वही, मोदी सरकार है जिसके कार्यकाल के दौरान पिछले 10 साल में कश्मीर से इतर आतंकी घटनाओं पर लगभग पूरी तरह से अंकुश लग चुका है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री संसद में यह बयान दे चुके हैं कि पिछले 10 साल में आतंकी घटनाओं में कमी आई है। इसके अलावा आतंकी घटनाओं में होने वाली मौतें भी 67 फीसदी तक कम हुई हैं। आतंकवाद को लेकर सरकार का रवैया जीरो टॉलरेंस का है। सरकार की सख्त रुख का ही असर है कि कश्मीर अब शांत हो चुका है। यहां बिना किसी हिंसक वारदात के लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव भी हुए हैं।

देश में पिछले कुछ समय से ड्रग्स और नशे के कारोबार पर जबरदस्त कार्रवाई देखने को मिल रही है। गुजरात के अंकलेश्वर में दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने रविवार को एक संयुक्त अभियान में 5,000 करोड़ रुपये मूल्य की करीब 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की। यह देश में किसी भी एजेंसी द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। इससे पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2 अक्टूबर को दक्षिणी दिल्ली के महिपालपुर में एक गोदाम से 560 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किग्रा 'हाइड्रोपोनिक थाईलैंड मारिजुआना' जब्त किया था। इसकी अनुमानित कीमत 5,620 करोड़ रुपये बताई गई। इसमें चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में ऑपरेशन जारी है।

इस सब घटनाओं पर ऐक्शन के बावजूद आखिर लॉरेन्स गैंग पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है। लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि कैसे गुजरात जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अपने नेटवर्क के जरिये ना सिर्फ फिरौती की वसूली कर रहा है बल्कि बड़े-बड़े लोगों के नाम की सुपारी भी दे रहा है। उसके गुर्गे और शूटर खुलेआम खौफ का पर्याय बने घूम रहे हैं। जहां मन करता है गोलीबारी करते हैं, जिसे मन करता है उसके सीने में गोली उतार दे रहे हैं।

एनआरआई पति के 200 टुकड़े करने की धमकी

रूसी महिला ने पीएम मोदी से मांगी सुरक्षा, पुतिन तक पहुंची बात

इंदौर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक रूसी महिला ने अपने पति की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री और रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सरक्षा की गुहार लगाई है। वीडियो जारी कर महिला ने कहा कि मैं अभी मॉस्को में दो बेटों के साथ हूं। मेरे पति गौरव को इंडिया गए तीन महीने हो गए हैं। उनको 200 टुकडे कर जान से मारने की धमकी मिल रही है। वहीं रूस के दूतावास की ओर से इंदौर के जिलाधिकारी को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया कि एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हो रही है। दूतावास से यह मेल मिलने के बाद इंदौर प्रशासन में खलबली मच गई।

दरअसल, काजिया के पति गौरव अहलावत ने संजय जसवानी के साथ मिलकर कन्फेक्शनरी की फैक्ट्री शुरु की थी। गौरव का आरोप है कि संजय जसवानी ने उनके साथ धोखा किया और उनको बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी। गौरव ने पुलिस पर आरोपी को बचाने का भी आरोप लगाया। सुनवाई नहीं होने पर काजिया ने विडियो जारी कर प्रधानमंत्री और रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सरक्षा की गुहार लगाई है।

काजिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पति की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। वीडियो में उन्होंने कहा कि उनके पति को भारत में धमकियां मिल रही हैं उनके पति के 200 टुकड़े करने की धमकी दी है। जिससे वह चिंतित है उन्होंने कहा कि उनके पति गौरव को इंडिया गए हुए तीन महीने से ज़्यादा का समय हो गया है। हमारी उनसे फ़ोन पर बात होती है। गौरव ने बताया कि उनके दो सौ टुकड़े करने की उन्हें धमकी मिली है। गौरव की जान को ख़तरा है। गौरव ने मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है।

रूस के दूतावास की ओर से इंदौर के जिलाधिकारी को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया कि एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हो रही है। दूतावास से यह मेल मिलने के बाद इंदौर प्रशासन में हड़कंप मचा है। बताया जा रहा है कि जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने X पर ट्वीट करते हुए लिखा कि ऐसी घटनाएं मध्य प्रदेश में निवेशकों का मनोबल गिरा सकती हैं।

बांग्लादेश से बड़ी संख्या में घुसपैठ

बीएसएफ ने भारतीय एजेंट को पकड़ा, रैकेट के सरगना का भी खुलासा

नई दिल्ली ,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश से भारत में बड़ी संख्या में घुसपैठ कराने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। जिसमें भारत-बांग्लादेश बॉर्डर की हिफाजत करने वाली बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल में रहने वाले भारत की तरफ के मास्टरमाइंड को पकड़ा है। इससे पूछताछ में इस रैकेट के सरगना के बारे में भी पता लगा है। जो बांग्लादेश के श्याम नगर में बैठा है। आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि वह कुछ ही समय में 100 से अधिक बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करा चुका है।

घुसपैठ के खुलासे से हड़कंप

बहरहाल, मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को अन्य एजेंसियों के सुपुर्द कर दिया गया है। जिससे की यह पता लगाया जा सके कि जो घुसपैठ कराई गई हैं क्या उसमें किसी आतंकवादी और असामाजिक तत्व भी शामिल हैं? या फिर सामान्य बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। जो बांग्लादेश छोड़कर भारत में गुजर-बसर करने के इरादे से लाए गए। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि इस बारे में खुफिया इनपुट मिला था। जिस पर काम करते हुए दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 118 बटालियन के बीओपी शमशेर नगर के जवानों ने पकड़ा। आरोपी को 13 अक्टूबर की तड़के करीब 3:30 बजे इंटरनेशनल बॉर्डर के पास घात लगाकर पकड़ा। आरोपी पश्चिम बंगाल में हेमनगर कोस्टल एरिया के कालीतला गांव का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बांग्लादेश में बैठा इस रैकेट का सरगना अपने तीन साथियों के साथ मिलकर बांग्लादेशी नागरिकों को नाव में बैठाकर नदी के माध्यम से भारत बॉर्डर तक छोड़ता था। जहां से यह भारतीय दलाल उन्हें अपने साथ लाकर पश्चिम बंगाल में छोड़ देता था। इसके लिए वह प्रति बांग्लादेशी घुसपैठ के 3500 बांग्लादेशी टका लेता था। करीब दो सालों में इस तरह से उसने 100 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ कराई है। बीएसएफ के डीआईजी एन के पांडेय ने बताया कि मामले में संबंधित एजेंसी आगे की तफ्तीश कर रही हैं।

तो क्या रिले चैटरिंग की वजह से तमिलनाडु में मालगाड़ी से टकराई थी बागमती एक्सप्रेस ट्रेन?

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में शुक्रवार रात को बड़ा हादसा हुआ। जब यात्री ट्रेन मैसूर-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस के मेन लाइन में जाने की बजाए लूप लाइन में जाकर वहां खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। इस मामले में कमिश्नर रेलवे सेफ्टी एएम चौधरी ने अपनी टीम के साथ जांच शुरू कर दी है। बालासोर-2 कहे जा रहे इस हादसे में इंटरलॉकिंग रिले चैटरिंग और ट्रैक को चेंज करने वाली कनेक्टिंग रोड के फेल होने की बात सामने आ रही है। जिस वजह से सिग्नल और लाइन मिसमैच हो गए।

बागमती एक्सप्रेस हादसे की जांच तेज

हादसे के वक्त बागमती एक्सप्रेस की स्पीड 75 किलोमीटर प्रति घंटे के करीब बताई गई है। इंडियन रेलवे लोको रनिंगमैन ऑर्गनाइजेशन के वर्किंग प्रेजिडेंट संजय पांधी ने हादसे में रिले चैटरिंग और कनेक्टिंग रोड के फेल होने की आशंका है। रिले चैटरिंग का मतलब समझाते हुए पांधी ने बताया कि जैसे की कई बार कोई लाइट बंद करने के बाद भी जलती हुई सी महसूस होती है। यही तकनीकी गड़बड़ी यहां भी हुई लगती है। जिसमें बागमती एक्सप्रेस को ग्रीन सिग्नल तो मेन लाइन का ही दिया गया था, लेकिन वह चली गई लूप लाइन में।

मगर ऐसे में सिग्नल अपने आप ही रेड हो जाना चाहिए था, जो की नहीं हुआ। यह जांच का विषय है। इसके पीछे कनेक्टिंग रोड का फेल होना भी हो सकता है। जिसमें उसकी वजह से सिग्नल तो मेन लाइन का ग्रीन हो गया, लेकिन असल में लाइन लूप से मेन लाइन में स्विच ही नहीं हुई। हालांकि, इसका अंतिम खुलासा तो सीआरएस जांच के बाद ही हो सकेगा। सूत्रों का यह भी कहना है कि जिस लाइन पर हादसा हुआ। वहां कुछ देर पहले 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए कॉशन था। बाद में उसे दो ट्रेनों के क्रॉस होने के बाद बढ़ाया जाना था।

बागमती एक्सप्रेस से पहले वहां से गुजरी पहली ट्रेन सामान्य तरीके से निकल गई थी। रेलवे सूत्रों ने लाइन चेंज करने वाले पाइंट पर ही बागमती एक्सप्रेस के इंजन का पटरी से उतरने की आशंका भी जाहिर की है। जिससे वह आगे खड़ी मालगाड़ी से टकरा गया हो। क्योंकि, कुछ डिब्बे मेन लाइन पर भी मिले हैं। रेलवे का कहना है कि 16 और 17 अक्टूबर को सीआरएस जांच में लोगों से भी जानकारी ली जाएगी। हादसे वाली जगह पर रविवार सुबह दोनों तरफ की लाइनों को दुरुस्त कर खोल दिया गया।

क्या कोई साजिश रची गई?

मामले में किसी साजिश से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। शुरुआती जांच में लाइन चेंज करने वाले पाइंट पर कुछ नट-बोल्ट खुले और गायब मिलने की बात भी कही जा रही है। जिससे लगता है कि क्या जानबूझकर ट्रेन को पलटाने की साजिश रची गई थी? मामले की जांच एनआईए भी कर रही है, लेकिन एनआईए का कहना है कि उनकी टीम रूटीन जांच में लगी है। इसके लिए उन्होंने अभी तक कोई केस दर्ज नहीं किया है। इसकी तफ्तीश जीआरपी और आरपीएफ ही कर रही हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 15 अक्टूबर- 2024

दुर्गा पंडालों पर हमले

बांग्लादेश में इस समय अल्पसंख्यक हिंदुओं पर बढ़ रहे हमले व अत्याचार की घटनाएं दुनिया में किसी से छुपी नहीं है। वहां दुर्गा पूजा के पंडाल पर आए दिन हो रहे हमले और मंदिरों में चोरी की घटनाएं आम बात हो गई है। इससे वहां का अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। भारत भी वहां की परिस्थितियों से वाकिफ है। इसलिए दम साधे वह भी बांग्लादेशी सरकार की स्थिरता और परिपक्वता को गंभीरता से परख रहा है। बहरहाल, भारत ने इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई है बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। बता दें कि अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्ते का एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। इसलिए यह कभी भी मुसीबत का सबब बन सकता है। पिछले अगस्त महीने में छात्र आंदोलन के बेकाबू होने और फिर सत्ता परिवर्तन का कारण बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की घटनाएं हुईं। तब नई सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने इन हमलों को रोके जाने का आह्वान किया था, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इन घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। उनका यही रुख अब तक कायम है, जिसकी वजह से नफरत की खाई और गहराती जा रही है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर के बाद स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी में डर समा गया है। ऐसे में ही जेशोरेश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी भी हो गई है। बता दें कि यह वही ताज है जो 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने लगे, ताकि हिंदू समुदाय भडके और प्रतिक्रिया व्यक्त करे। खबरों के अनुसार पूरे देश में इस तरह की 35 अप्रिय घटनाएं दर्ज हुई हैं। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। बताना जरूरी है कि बांग्लादेश में सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस अपने शुरुआती अस्थिरता से उबर चुके हैं। सत्ता पर उनकी पकड़ काफी हद तक बन चुकी है। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जल्द से जल्द चुनाव का वादा करते हुए सत्ता संभालने वाले यूनुस अब कहने लगे हैं कि सुधार का अजेंडा पूरा होने से पहले चुनाव नहीं होंगे। ऐसी स्थिति में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो बात बिगडते देर नहीं लगेगी। वक्त आ गया है कि बांग्लादेश की सरकार जहां-तहां हमले करने और ऊलजलूल बयान देने वाले ऐसे तत्वों को काबू करते हुए यह संदेश दे कि वहां हालात सरकार के नियंत्रण में है और अराजकता का राज नहीं है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो वह देश भी अराजक देशों में शुमार हो सकता है।

नक्सलवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी

राजेश कुमार पासी

भारत की तीन बड़ी समस्याएं हैं जिनसे देश को बड़ा खतरा माना जा रहा है । आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद से देश की एकता और अखंडता को बड़ा खतरा है । इन समस्याओं के पीछे देशी और विदेशी शक्तियां हैं जो भारत को तोड़ने की कोशिश में वर्षों से लगी हुई हैं। 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद आतंकवाद के साथ-साथ नक्सलवाद के खिलाफ भी बड़े कदम उठाये थे लेकिन इसकी ज्यादा चर्चा नहीं हुई क्योंकि नक्सलवाद से आम जनता ज्यादा पीड़ित नहीं थी । नक्सलवादी ज्यादातर नेताओं के अलावा सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ ही कार्यवाही करते हैं इसलिए नक्सलवाद से अप्रभावित क्षेत्रों की जनता को नक्सलवाद बड़ी समस्या नहीं लगती । नक्सलवादी अपने प्रभाव वाले इलाकों में ही हिंसक घटनाओं को अंजाम देते हैं जबकि आतंकवादी देश के किसी भी हिस्से में कार्यवाही कर देते हैं। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर तक सीमित कर दिया है। अब आतंकवादी इस हालत में पहुँच गए हैं कि उनके लिए जम्मू-कश्मीर से बाहर अपनी गतिविधियां चलाना संभव नहीं रहा। भारत की जनता बहुत भुल्लकड़ है. वो भूल चुकी है कि 2014 से पहले देश में आतंकवाद कितनी बड़ी समस्या थी । पूर्वोत्तर में लगभग सभी राज्य आतंकवाद से बुरी तरह पीड़ित थे । मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद ज्यादातर राज्यों से इस समस्या को खत्म कर दिया है। अब सिर्फ मणिपुर और नागालैंड में यह समस्या बची है जिसमे से मणिपुर ज्यादा चर्चा में है। नक्सलवाद के खिलाफ सरकार ने जो काम किया है, इसका अहसास देश की जनता को नहीं है। इस समस्या के कारण आदिवासियों की जिंदगी दूभर हो गयी थी क्योंकि उनके इलाकों में विकास कार्य करना संभव नहीं था। अब नक्सलवाद पर काबू पाकर सरकार ने इन इलाकों में विकास कार्य शुरू किए हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि मोदी सरकार अगले डेढ़ साल में मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से पूरी तरह खत्म कर देगी । नक्सल प्रभावित सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों, पुलिस महानिदेशकों, मुख्य सचिवों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रियों और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ अमित शाह ने एक बैठक की है। अमित शाह ने बैठक में नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा है और इसके साथ-साथ विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया है। उन्होंने नक्सलवाद को आदिवासी क्षेत्रों के विकास में सबसे बड़ी रुकावट और इसे मानवता का दुश्मन करार दिया है। उनका कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों का सम्पूर्ण विकास करने के लिए इसे पूरी तरह से खत्म करना आवश्यक है। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ायी में मिली सफलता के लिए उन्होंने राज्यों के सहयोग की प्रशंसा की है और मुख्यमंत्रियों द्वारा दिये गए सुझावों पर अमल करने का आश्वासन दिया है। अमित शाह ने कहा है कि बिहार एवं झारखंड के चकरबंधा और बूढ़ा पहाड़ जैसे कई इलाकों से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की 85 प्रतिशत कैडर क्षमता को खत्म कर दिया गया है । उन्होंने नक्सल प्रभावित इलाकों में और नए सुरक्षा कैम्प स्थापित करने की बात कही है ताकि उनके लिये सुरक्षित इलाको को कम किया जा सके । उन्होंने बैठक से स्पष्ट रूप से घोषणा कर दी है कि अब नक्सलवाद पर सरकार अंतिम प्रहार करने जा रही है।

पाकिस्तान में एससीओ समिट और इमरान समर्थकों का बवाल

अशोक भाटिया

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहले ही कह दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को 2014 का धरना दोहराने की इजाजत नहीं दी जाएगी, जिसके कारण चीनी राष्ट्रपति को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन आज और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में हो रहा है।आपको बता दे एससीओ की स्थापना 2001 में हुई थी। एससीओ में चीन, भारत, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं। साथ ही 16 अन्य देश पर्यवेक्षक या वार्ता साझेदार के रूप में इससे जुड़े हैं।भारत से विदेश मंत्री जयशंकर इस बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। ऐसे समय पाकिस्तान के हुक्मरान पाकिस्तान में पूर्ण शांति रखना चाहते है । ऐसे समय एक वर्ष से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद खान ने अपनी पार्टी से यहां डी-चौक पर एक रैली आयोजित करने का आह्वान किया था, जिसके जरिये उनकी रिहाई और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की मांग की गई है। राष्ट्रीय राजधानी का डी-चौक वही स्थान है जहां पीटीआई ने 2014 में 126 दिनों तक धरना दिया था, जिसके कारण चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपनी पाकिस्तान यात्रा स्थगित करनी पड़ी थी। इस वर्षा पाकिस्तान एससीओ बैठक की मेजबानी कर रहा है और इसके लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। चीन के प्रधानमंत्री पाकिस्तान की द्विपक्षीय यात्रा कर रहे है । शरीफ ने मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान घोषणा की थी कि यह स्वीकार्य नहीं है कि एक विशेष पार्टी ऐसे समय में पाकिस्तान के विकास में बाधा उत्पन्न करे , जब देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है।

पिछले हफ्ते ही पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन करने के बाद सरकार ने रावलपिंडी जेल में बंद इमरान खान के साथ सभी मुलाकातें रोक दी थीं। जेल प्रशासन ने इसके पीछे सुरक्षा का हवाला दिया था। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी कि सरकार एससीओ शिखर सम्मेलन के अवसर पर पीटीआई के नियोजित विरोध को रोकने के लिए "पूरी ताकत" का इस्तेमाल करेगी। वैसे पाकिस्तान में आज से शुरू हो रही शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की दो दिवसीय अब घरेलू राजनीति का अखाड़ा बन गई है। हालात इंगित कर रहे हैं कि अगर इस मुद्दे पर विपक्ष यानी इमरान की पार्टी पीटीआइ पीछे नहीं हटी तो देश में गृह युद्ध के हालात पैदा हो सकते हैं। दरअसल, पीटीआइ ने मंगलवार को इस्लामाबाद के डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन करने का फैसले का ऐलान किया है और कहा है, कि अगर सरकार जेल में बंद इमरान को उनके परिवार, पार्टी नेताओं से मिलने तथा उनकी कानूनी टीम और डॉक्टर की फैसिलिटी उपलब्ध नहीं करवाती है, तो बड़े पैमाने में आंदोलन किए जाएंगे। पाकिस्तान सरकार ने एससीओ बैठक में इस्लामाबाद पहुंचने वाले लगभग 900 एससीओ प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए 10,000 से ज्यादा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया है।

पूरे इस्लामाबाद के बॉर्डर सील कर दिए गए हैं और सैकड़ों लोगों को एहतियातन गिरफ्तार किया गया है। सरकार ने इस्लामाबाद में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना के जवानों को भी तैनात किया है। संघीय सरकार ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 14 अक्टूबर से राजधानी में तीन दिवसीय छुट्टी की भी घोषणा की है। वहीं, सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने इमरान खान के साथ सभी मुलाकातें रोक दी हैं, जो वर्तमान में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। शंघाई सहयोग संगठन के पहले बताया जाता है कि सऊदी अरब ने आखिर कंगाल पाकिस्तान में निवेश करने की पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की गुहार सुन ली है। इस कारण पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का मनोबल बड़ा हुआ है । खबरों के अनुसार सऊदी अरब अब पाकिस्तान में 2।2 अरब डॉलर का निवेश करने पर सहमत हो चुका है। सऊदी अरब का एक 135 सदस्यीय हाइप्रोफाइल प्रतिनिधिमंडल इन दिनों पाकिस्तान की यात्रा पर है। इस दौरान दोनों देशों में 26 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के मौके पर सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद बिन अब्दुल अजीज अल फलीह और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर भी मौजूद रहे। इस दौरान दोनों के बीच पाकिस्तान की जमीन पर सऊदी अरब के लिए खेती करने की डील भी हुई है। इसे सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच कॉरपोरेट खेती के क्षेत्र में सहयोग समझौते का नाम दिया गया है। इसके लिए पाकिस्तान के सबसे अहम सूबे पंजाब के खानेवाल में 10,000 एकड़ जमीन सऊदी अरब की खाद्य जरूरतें पूरी करने के लिए खेती आदि के मकसद से आवंटित की जाएगी। सऊदी अरब कॉरपोरेट खेती के लिए वित्त पोषण प्रदान करेगा और उत्पादित फसलें, फल और सब्जियां उसी देश को निर्यात की जाएंगी।समझौते के अनुसार, कृषि क्षेत्र में सऊदी अरब 70 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा। खानेवाल में सऊदी अरब की ओर से नियुक्त टीम की निगरानी में और उसी की जरूरतों के अनुसार यह खेती की जाएगी। समझौता कितने साल के लिए हुआ, आदि अन्य अहम ब्योरे अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन जो पाकिस्तान अपनी ही जनता की खाद्य और अनाज जरूरतों को ही पूरा नहीं कर पा रहा है, उसका सऊदी अरब के लिए इस तरह से 10 हजार एकड़ जमीन खेती के लिए सौंप देना समर्पण से कम नहीं माना जा रहा है। पाकिस्तान को हाल ही में आइएमएफ से भी 7 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मिला है। हालांकि कर्ज में डूबे पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने उम्मीद जताई है कि यह आखिरी मदद पैकेज होगा। साथ ही, उन्होंने आइएमएफ पैकेज पाने के लिए सऊदी के नेतृत्व का धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी मदद के बिना कार्यक्रम सफल न हो पाता। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि एक सऊदी कंपनी पाकिस्तान की तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी 'शेल पाकिस्तान' के 77 प्रतिशत शेयर खरीदने जा रही है, और इस संबंध में दोनों कंपनियां अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सकती हैं।उधर, चीन के नागरिकों पर बढ़ते हमले के मद्देनजर, पाकिस्तान ने पिछले दिनों सशस्त्र बलों के लिए अतिरिक्त 45 अरब रुपये का बजट प्रदान करने का निर्णय लिया था। इसके पहले भी पाकिस्तान कैबिनेट की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम के लिए 60 अरब रुपए दिए थे, जिससे बढ़ती आतंकवादी वारदातों पर काबू पाया जा सके और शंघाई सहयोग संगठन आराम से संपन्न हो सके।

रतन टाटा : आम आदमी के उद्योगपति का अंतिम प्रयाण !

श्रवण गर्ग

रतन टाटा ने सात अक्टूबर को एक अत्यंत आत्मीय ट्वीट अपने उन लाखों-करोड़ों शुभचिंतकों की चिंताओं को शांत करने के लिए किया था जो मुंबई के प्रसिद्ध ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उनके भर्ती हो जाने से परेशान हो गए थे। रतन टाटा को जानकारी थी कि लोग उन्हें बेपनाह चाहते हैं ! रतन टाटा ने ट्वीट में कहा था कि उनके स्वास्थ्य को लेकर चल रही अफ़वाहें बेबुनियाद हैं। वे उम्र के साथ जुड़ी मेडिकल समस्याओं की जाँचें हॉस्पिटल में करवा रहे हैं।चिंता करने के कोई कारण नहीं हैं। वे पूरी तरह ठीक हैं। दो दिन बाद नौ अक्टूबर की रात रतन टाटा अपने करोड़ों चाहने वालों को अकेला छोड़कर चुपचाप चले गए। रतन टाटा के जाने से उत्पन्न हुई रिक्तता को महसूस करने के लिए दो बातों का होना ज़रूरी लगता है। पहली तो यह कि उस काल को जीया गया हो जिसमें संपन्नता की देशव्यापी परिभाषा 'टाटा-बिड़ला' बन जाना ही मानी जाती थी, कुछ और बनना नहीं ! टाटा-बिड़ला के नाम भारतीय उद्योग में राष्ट्रवाद, गुणवत्ता और व्यावसायिक ईमानदारी के प्रतीकों के रूप में स्थापित हो गए थे। रतन टाटा उसी राष्ट्रीय पहचान के अंतिम मील के पत्थर थे। रतन टाटा एक उद्योगपति के अलावा भी ऐसे बहुत कुछ थे जो अन्य उद्योगपति नहीं हैं, हो भी नहीं पाएंगे ! रतन टाटा की कमी को महसूस करने के लिए उद्योग-व्यवसाय और राजनीति के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के पतन की कुछ और पीढ़ियों के सामर्थ्य के साथ रूबरू होना पड़ेगा। रतन टाटा की कमी को महसूस करने के लिए दूसरी ज़रूरी बात यह है कि उनके भीतर की सादगी,विनम्रता और अपनी उपलब्धियों के प्रति निर्विकार भाव रखने को नज़दीक से पढ़ पाने के कितने अवसर हम सहजता से प्राप्त कर पाए हैं ? साल 1985-86 से 2009 के बीच की अवधि में ऐसे चार मौक़े आए जब रतन टाटा को विभिन्न स्वरूपों में देखने-समझने का अवसर मिला, संपन्नता के बीच समाई उनकी सादगी से साक्षात्कार हुआ। इंदौर के निकट देवास में 'टाटा एक्सपोर्ट्स' ('टाटा इंटरनेशनल') की स्थापना 1975 में हुई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर की यह लेदर और फूटवियर एक्सपोर्ट इकाई भी रतन टाटा के व्यक्तित्व की तरह ही तभी से बिना कोई शोर किए उत्पादन में जुटी हुई है।पिछले पचास सालों के दौरान

रतन टाटा ने कुल जमा दो बार ही इसे भेंट दी होगी ! रतन टाटा से पहली बार मुलाक़ात टाटा एक्सपोर्ट्स की उनकी दूसरी विजिट के दौरान ही हुई थी। तब मैं 'फ्री प्रेस जर्नल',इंदौर में कार्यरत था। रतन टाटा से मैंने बातचीत के लिए अनुरोध किया और उन्होंने सहजता से स्वीकार कर लिया। रतन टाटा से दूसरी मुलाक़ात भोपाल में हुई थी। यह मुलाक़ात बाद में कई कारणों से यादगार बन गई ! मैं तब दैनिक भास्कर में कार्यरत था।रतन टाटा भास्कर समूह के शैक्षणिक उपक्रम 'संस्कार वैली स्कूल' के उद्घाटन समारोह में भाग लेने भोपाल पहुँचे थे। श्रीमती सोनिया गांधी उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि थीं। राहुल गांधी भी उनके साथ आए थे। रतन टाटा को तब भोपाल के प्रमुख होटल जहांनुमा पैलेस होटल में ठहराया गया था। होटल में नाश्ते पर उनके आतिथ्य की ज़िम्मेदारी मुझे दी गई थी। नाश्ते की टेबुल पर अत्यंत सहजता से बैठे रतन टाटा के साथ लंबी और अनौपचारिक बातचीत का सुख उसी मुलाक़ात में प्राप्त हुआ था। उस मुलाक़ात की एक बात जो आज भी याद है वह यह कि मैं उनकी बग़ैर अनुमति के बातचीत को रिकॉर्ड कर रहा था। बीच बातचीत उन्होंने अचानक पूछ लिया था 'आप रिकॉर्ड तो नहीं कर रहे हैं ना ?' और मैं अपराध भाव से भर गया था। मैंने तत्काल रिकॉर्डिंग बंद कर दी थी और जो रिकॉर्ड हुआ था उसे बग़ैर सुने सारा डिलीट कर दिया था।बातचीत बाद में पूर्ववत जारी रही थी। रतन टाटा की भोपाल यात्रा का ज़िक्र एक और महत्वपूर्ण बात के लिये ज़रूरी है ! वह यह कि तब 68-वर्षीय रतन टाटा मुंबई में हो रही भारी बारिश के बावजूद अपना फाल्कन जेट स्वयं उड़ाकर भोपाल पहुँचे थे और उनके चेहरे पर कोई थकान नहीं थी। रतन टाटा से तीसरी मुलाक़ात साल मार्च 2009 में मुंबई स्थित उनके ही होटल ताज में आयोजित एक विशेष पत्रकार वार्ता में हुई थी।अवसर था उनके सपनों की स्मार कार 'Nano' को औपचारिक रूप से लॉंच किए जाने का। 'Nano' पश्चिम बंगाल और गुजरात के बीच उत्पन्न हुई कई बाधाओं को पार करते हुए आम आदमी के दरवाज़ों तक पहुँचने वाली थी। टाटा मोटर्स ने 2006 में पश्चिम बंगाल के सिंगूर में 'Nano' का प्लांट लगाने की घोषणा की थी पर ममता-समर्थित किसान आंदोलनके चलते प्लांट को गुजरात शिफ्ट करना पड़ा था। पत्रकार वार्ता में रतन टाटा ने सिंगूर विवाद को लेकर कोई कटुता नहीं व्यक्त की थी। रतन टाटा भी कहीं नज़दीक ही उपस्थित हैं ऐसा महसूस करने का आख़िरी अवसर नवम्बर 2009 में वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में मिला था।राष्ट्रपति बनने के बाद बराक ओबामा ने उनका पहला राजकीय अतिथि बनने का सम्मान डॉ मनमोहन सिंह को प्रदान किया था। डॉ मनमोहन सिंह की प्रेस पार्टी के एक सदस्य के रूप में उस अद्भुत दृश्य का साक्षी बनना इसलिए अविस्मरणीय बन गया कि दोनों देशों के शासनाध्यक्षों की प्रेस वार्ता और बराक द्वारा डॉ सिंह के गुणों के बखान के समय भारत और अमेरिका की जो तमाम औद्योगिक हस्तियों व्हाइट हाउस के विशाल हॉल में खड़ी हुईं थीं उनमें रतन टाटा भी थे। रतन टाटा की अनुपस्थिति भारतीय उद्योग जगत की निष्ठुर हो चुकी आत्मा एकदम से महसूस नहीं कर पाएगी ! उसका एक बड़ा कारण यह है कि डॉ मनमोहन सिंह के क़द की हस्तियों अब सत्ता के शिखरों पर विद्यमान नहीं हैं।

जो लोग सत्ता में हैं उन्होंने अपने नये 'उद्योग-मित्र' और 'भारत रत्न ' चुन लिये हैं। पर भारत में जब-जब भी औद्योगिक उत्कृष्टता और व्यावसायिक नैतिकता का ज़िक्र होगा आम आदमी के उद्योगपति रतन टाटा का चेहरा ही आँखों के सामने तैरेगा !

पुनश्च : दस अक्टूबर की सुबह जैसे ही मुंबई के टर्मिनल-1 से बाहर आकर प्री-पेड ब्लू टैक्सी के पास पहुँचा, ड्राइवर ने पहला सवाल यह पूछा कि सब नरीमन पॉइंट या मरीन ड्राइव की तरफ़ तो नहीं जाना है।जब सवाल किया कि क्यों ? तो जवाब मिला साब उधर बहुत भीड़ है। रास्ते ब्लॉक मिलेंगे।टाटा साब की डेथ हो गई है। जब पूछा टाटा साहब को तुम जानते हो ? तो जवाब मिला उनको कौन नहीं जानता, साब। टैक्सी वाला इलाहाबाद के नज़दीक के किसी गाँव का था।

http://shravangarg1717.blogspot.com

चुटकुले के महानायक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक बार की बात है, एक छोटे से गांव में, गोपाल नाम का एक व्यक्ति था। गोपाल का सपना था कि वह एक दिन बड़ा व्यवसायी बनेगा। उसने सोचा कि उसके पास सबसे अच्छी समस्या का समाधान देने की कला है। इसलिए उसने एक प्रशिक्षण शिविर खोलने का फैसला किया, जहां लोगों को समस्याओं से निपटने के तरीके सिखा सके।गोपाल ने एक बड़ा सा बोर्ड लगाया, ज्ञान का प्रशिक्षण शिविर - समस्या का समाधान करो, समस्याओं से दूर रहो! उसने सोचा कि इस नाम से ही लोगों को समस्याओं का समाधान मिल जाएगा।प्रशिक्षण शिविर के दिन आए, और लोगों ने भारी भीड़ लगाई। गोपाल ने सोचा, "क्या बात है! लगता है सबको मेरे ज्ञान की तलाश है!"गोपाल ने सबको एक-एक करके बुलाया। पहले व्यक्ति ने कहा, "मेरे घर में पानी की बहुत समस्या है, क्या करूं?" गोपाल ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जब पानी आता है, तो मछलियां कहां जाती हैं? आपको मछलियों से दोस्ती करनी होगी!"दूसरा व्यक्ति बोला, "मेरे बच्चे पढ़ाई नहीं करते, क्या करूं?" गोपाल ने ज्ञान से भरी आंखों से कहा, "आप उन्हें कह दीजिए कि छुट्टी मिलने वाली है! फिर देखिए, पढ़ाई कैसे करते हैं!"लोगों का समस्याओं का समाधान सुनते-सुनते, गोपाल खुद ही समस्या में पड़ गया। एक व्यक्ति बोला, "गोपाल भाई, आप तो समस्याओं का समाधान दे रहे हैं, पर आपकी अपनी समस्या क्या है?"गोपाल ने खुद को संभालते हुए कहा, "मेरी सबसे बड़ी समस्या यह है कि मुझे किसी को समाधान नहीं देना है, पर सब मुझे समस्या सुनाने आए हैं!"जब लोगों ने देखा कि गोपाल की समस्या समाधान से बड़ी है, तो सबने मिलकर एक रास्ता निकाला। उन्होंने गोपाल से कहा, "आप अपनी समस्या को समाधान में बदल दीजिए! आप भी हमसे समाधान ले सकते हैं!"तब गोपाल को समझ आया कि व्यक्ति अपनी समस्याओं से कभी नहीं भाग सकता। इसलिए उसने एक नई सोच दी, "अगर सब लोग मिलकर समस्याओं का समाधान करेंगे, तो सबसे पहले मुझे अपनी समस्या का समाधान करना होगा!"और इसी तरह, गोपाल ने अपने शिविर को "समस्याओं का महानायक" का नाम दिया। लोग समस्या सुनने नहीं, बल्कि समाधान देने आए। गोपाल का सपना सच हुआ, और अब वह सिर्फ समस्याओं का नहीं, समाधान का भी व्यक्ति बन गया। लेकिन एक चीज़ भूल गया, वह था कि समस्या कभी खत्म नहीं होती, पर समाधान देने वालों की लाइन कभी खत्म नहीं होती।

चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में क्रांतिकारी साबित होगा नए प्रोटीन का निर्माण

प्रियंका सौरभ

प्रोटीन लगभग सभी जैविक कार्यों के लिए आवश्यक हैं। ये विभिन्न जीवों के एंजाइम, हार्मोन और संरचनात्मक घटकों के रूप में कार्य करते हैं। प्रोटीन इंजीनियरिंग में प्रगति के साथ अब ऐसे प्रोटीन बनाए जाने लगे हैं जिनका कार्य आवश्यकतानुसार पहले से ही निर्धारित होता है। इस तरह के नवाचार विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करके चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विज्ञान जैसे क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता रखते हैं। विशिष्ट चिकित्सीय कार्यों वाले प्रोटीन बनाने से लक्षित दवाओं का विकास संभव होता है, जो रोगों का अधिक सटीक उपचार करती हैं। ये प्रोटीन स्वस्थ कोशिकाओं को प्रभावित करने की क्षमता वैक्सीन विकास प्रक्रिया को गति दे सकती है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य खतरों से निपटना आसान हो सकता है। महामारी के दौरान, वायरस से निपटने के लिए तीव्र और प्रभावी समाधान विकसित करने में प्रोटीन-आधारित टीके अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुए थे।

इंजीनियर्ड प्रोटीन एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया को लक्षित कर सकते हैं, जिससे रोगाणुरोधी प्रतिरोध की बढ़ती समस्या के लिए अभिनव समाधान उपलब्ध हो सकते हैं। तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए बहुत कम वजन के ढाँचे आदि के निर्माण में न्यू प्रोटीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रोटीन-इंजीनियर्ड फैब्रिक का उपयोग सेल्फ क्लीनिंग कपड़े बनाने के लिए किया जा सकता है, जिससे सफाई प्रक्रिया में जल और रसायनों की आवश्यकता कम हो सकती है।

प्रदूषकों और विषैले पदार्थों को विखंडित करने हेतु डिजाइन किए गए प्रोटीन पर्यावरण की सफाई के लिए आशाजनक समाधान प्रदान करते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रदूषण कम होता है। प्रदूषण संकट को कम करने में सहायता कर सकते हैं। न्यू प्रोटीन ऐसे बायोसेंसर के रूप में कार्य कर सकते हैं, जो उच्च परिशुद्धता के साथ प्रदूषकों और विषाक्त पदार्थों का पता लगाते हैं, जिससे पर्यावरण निगरानी और संरक्षण में सहायता मिलती है। औद्योगिक प्रक्रियाओं में हानिकारक रसायनों की जगह उत्प्रेरक गुणों वाले प्रोटीन का उपयोग किया जा सकता है, जिससे उत्पादन प्रक्रिया पर्यावरण के अधिक अनुकूल हो जाएगी। प्रोटीन आधारित उत्प्रेरक रासायनिक उद्योग में विषाक्त पदार्थों के उपयोग को कम कर सकते हैं, संधारणीयता को बढ़ावा दे सकते हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकते हैं। विशिष्ट कार्यों वाले प्रोटीन बनाने की क्षमता दवा खोज को बदल सकती है, जिससे उन बीमारियों के लिए उपचार विकसित करना संभव हो सकता है जो पहले इलाज योग्य नहीं थीं। प्रोटीन इंजीनियरिंग में शामिल आणविक तंत्र को लक्षित करके अल्जाइमर जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के लिए नए उपचार विकसित किए जा सकते हैं। व्यक्तिगत चिकित्साः न्यू प्रोटीन को व्यक्तिगत रोगियों की जैविक प्रोफाइल के अनुरूप डिजाइन किया जा सकता है, जिससे व्यक्तिगत चिकित्सा के क्षेत्र में प्रगति होगी। इंजीनियर्ड प्रोटीन का उपयोग करके कैंसर के उपचार के लिए आनुवंशिक डेटा के आधार पर विशिष्ट कैंसर प्रकारों को लक्षित करते हुए चिकित्सीय परिणामों में सुधार किया जा सकता है। इंजीनियर्ड प्रोटीन निदान की सटीकता और दक्षता में सुधार कर सकते हैं, जिससे रोगों का पहले पता लगाया जा सकता है। प्रोटीन-आधारित निदान का उपयोग मधुमेह या हृदय संबंधी विकारों के लिए बायोमार्कर का पता लगाने के लिए किया जा सकता है।

प्रोटीन डिजाइन करने की कोशिश की गई है जो महत्वपूर्ण साइटों से बंधेंगी और कार्य को संशोधित करेंगी। कुछ उल्लेखनीय सफलताओं के बावजूद, नैदानिक परीक्षणों में प्रवेश करने वाली केवल 8% दवाएँ ही नई दवाओं के रूप में पंजीकृत होती हैं।बेशक, इस दक्षता में कोई भी वृद्धि स्वागत योग्य है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी नई पंजीकृत दवाएँ आबादी के स्वास्थ्य काल या जीवनकाल को भौतिक रूप से बढ़ाती हैं। इसके अलावा, प्रोटीन स्तर पर आशाजनक परिणाम कई कारणों से नैदानिक परीक्षणों के लिए व्यावहारिक नहीं हो सकते हैं; उदाहरण के लिए, उपचारात्मक पदार्थों को संश्लेषित, परिवहन और संग्रहीत करने की आवश्यकता होती है, और कुछ प्रोटीन इसके लिए अनुकूल नहीं हो सकते हैं। कंप्यूटर द्वारा पहचाने गए कुछ आशाजनक उपचारात्मक पदार्थ इस तरह के व्यावहारिक कारणों से विफल हो जाएंगे, लेकिन हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि इस क्षेत्र में भी सफलताएँ मिली हैं। किसी भी भौतिक सफलता के बाद आम जनता के लिए उपचार की पहुँच पर भी विचार किया जाना चाहिए। इम्यूनोथेरेपी और व्यक्तिगत चिकित्सा महंगी हैं, और नई एआई तकनीकों द्वारा पहचानी गई कुछ चिकित्सीय रणनीतियाँ उसी श्रेणी में आ सकती हैं।

बड़ा ही चमत्कारी है देहरादून का यह मंदिर, यहां 220 सालों से जल रही अखंड ज्योति

देवभूमि उत्तराखंड को देवताओं की भूमि कहा जाता है। क्योंकि यहां क़ई बड़े और प्राचीन मंदिर हैं। देहरादून में भी क़ई मंदिर हैं, लेकिन आज हम आपको देहरादून के एक चमत्कारी मंदिर के बारे में बताने वाले हैं, जिसमें 220 सालों से अखंड ज्योति जल रही है। हम बात कर रहे हैं डाट काली माता मंदिर की, जो राजधानी देहरादून के मुख्य शहर से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश के बॉर्डर पर स्थापित है। इस मंदिर की बहुत मान्यता है। इसलिए प्रतिदिन यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। सिर्फ उत्तराखंड ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश से भी लोग यहां आते हैं। नवरात्रों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। मां डाट काली मंदिर का निर्माण ब्रिटिश काल में किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार इस मंदिर में 220 साल पहले की अखंड ज्योति और हवन कुंड जल रही है। साल 1804 में मंदिर के निर्माण के दौरान यहां अखंड ज्योति और हवन कुंड जलाई गई थी और तब से आज तक यह जल रही है।

नए वाहन को लेकर पूजा के लिए जाते हैं लोग

मां डाट काली मंदिर के महंत रमन प्रसाद गोस्वामी ने बताया इस मंदिर से क़ई मान्यताएं जुड़ीं हैं लेकिन देहरादून के लोग नया वाहन खरीदने के बाद डाट काली मंदिर में पूजा के लिए जरूर आते हैं। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति कोई नया काम शुरू करता है तो इस मंदिर में पूजा अर्चना करवाने जरूर आता है।

न धूप में, न गांव से बाहर आती हैं कुल्लू की ये देवी, दशहरा में भी नहीं होतीं शामिल, वजह अनोखी

देवी-देवताओं का महाकुंभ कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश के कुल्लू दशहरा उत्सव में घाटी के सभी देवी-देवता सम्मिलित होते हैं। लेकिन, कुल्लू की एक ऐसी देवी भी हैं, जो पहाड़ी के ऊपर अपने गांव से ही इस देव मिलन में सम्मिलित होती हैं। इन देवी का रथ कुल्लू के ढालपुर मैदान में नहीं आता है और इसके पीछे की मान्यता बेहद अनोखी है।

कौन है देवी भुवनेश्वरी

देवी भुवनेश्वरी कुल्लू के कोठी सारी की अधिष्ठा देवी हैं। इन्हें यहां मां भेखली के नाम से भी जाना जाता है। देवी भुवनेश्वरी कुल्लू में होने वाले दशहरा उत्सव के दौरान रथ मैदान नहीं आती हैं, बल्कि अपने ही गांव की सीमा पर बने अपने चरणों तक आकर पहाड़ी के ऊपर से ही रथ यात्रा देखती हैं।

रथयात्रा में शामिल नहीं होतीं

मां भुवनेश्वरी कभी भी ढालपुर आकर रथयात्रा में शामिल नहीं होती हैं। भगवान रघुनाथ के कारदार और राजपरिवार के बड़े पुत्र दानवेन्द्र सिंह ने बताया कि एक बार उनके पूर्वजों ने देवी भेखली को ज़बरदस्ती दशहरा के लिए ढालपुर लाने की कोशिश की थी। तब राजा के लोग उन्हें सिर्फ़ इन चरणों के निशान तक ही ला पाए थे। ऐसा माना जाता है कि तब माता के कोप से लोहे के ओले बरसने लगे थे। देवी भेखली कभी अपनी फाटी से यानी अपने क्षेत्र के गांव से बाहर नहीं जाती हैं। उस घटना के बाद कभी माता का रथ ढालपुर लाने की कोशिश नहीं की गई। इसलिए हर दशहरा पर माता चरण चिह्न तक आती हैं।

भौम प्रदोष में भगवान शंकर की होती है पूजा

हनुमान जी की पूजा से संकट होते हैं दूर

हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत करने का विधान है। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की पूजा करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। बता दें कि प्रदोष व्रत सप्ताह के जिस दिन पड़ता है उसका नामकरण भी उसी के हिसाब से किया जाता है। इस बार का प्रदोष व्रत मंगलवार को पड़ रहा है इसलिए इसे भौम प्रदोष कहा जाएगा। दरअसल, मंगल का नाम भौम भी इसलिए इस दिन पड़ने वाले प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष कहते हैं। भौम प्रदोष के दिन भोलेनाथ के साथ हनुमान जी की पूजा करने से जीवन पर मंडरा रहा हर संकट दूर हो जाता है।

भौम प्रदोष व्रत विधि

इस दिन व्रती को नित्यकर्मों से निवृत होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए और पूरे दिन उपवास के बाद शाम के समय फिर से स्नान करके सफेद वस्त्र धारण करने चाहिए और ईशान कोण में प्रदोष व्रत की पूजा के लिए स्थान का चुनाव करना चाहिए। पूजा स्थल को गंगाजल या साफ जल से शुद्ध करने के बाद, गाय के गोबर से लीपकर मंडप तैयार करना चाहिए। इस मंडप में पांच रंगों से कमल के फूल की आकृति बनाइए। चाहें तो बाजार में कागज पर अलग-अलग रंगों से बनी कमल के फूल की आकृति भी ले सकते हैं। साथ में भगवान शिव की एक मूर्ति या तस्वीर भी रखिए। इस तरह मंडप तैयार करने के बाद पूजा की सारी सामग्री अपने पास रखकर कुश के आसन पर बैठकर, उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुख करके शिव जी की पूजा करें । पूजा के एक-एक उपचार के बाद- 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप करें । जैसे पुष्प अर्पित करें और 'ॐ नमः शिवाय' कहें, फल अर्पित करें और 'ॐ नमः शिवाय' जपें। शिवजी की पूजा के बाद हनुमान जी की पूजा भी करनी चाहिए और उन्हें सिन्दूर चढ़ाना चाहिए। क्योंकि यह भौम प्रदोष व्रत है और भौम प्रदोष में हनुमान जी की भी पूजा की जाती है।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

भौम प्रदोष व्रत का दिन कर्ज से मुक्ति पाने के लिए बहुत ही श्रेष्ठ माना गया है। इस दिन मंगल से संबंधित चीज़ें गुड़, मसूर की दाल, लाल वस्त्र, तांबा आदि का दान करने से सौ गौ दान के समान फल मिलता है। वहीं त्रयोदशी तिथि की रात के पहले प्रहर में जो व्यक्ति किसी भेंट के साथ शिव प्रतिमा के दर्शन करता है- उसपर भगवान शिव की कृपा सदैव बनी रहती है।

भौम प्रदोष व्रत 2024 शुभ मुहूर्त

भौम शुक्ल प्रदोष व्रत मंगलवार– 15 अक्टूबर 2024

त्रयोदशी तिथि आरंभ– 15 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 42 मिनट से

त्रयोदशी तिथि समाप्त – 16 अक्टूबर को रात 12 बजकर 19 मिनट पर

प्रदोष पूजा मुहूर्त– शाम 5 बजकर 51 मिनट से रात 8 बजकर 21 मिनट तक

त्रयोदशी तिथि प्रारंभ – दोपहर 3 बजकर 42 मिनट से

श्री कृष्ण से जानिए

हर घर में क्यों पैदा नहीं होतीं बेटियां? कैसे होता है 'लक्ष्मी' का जन्म?

हिन्दू धर्म में बेटियों को लक्ष्मी का रूप माना गया है। आज भी हिन्दू लोग नवरात्रि में कन्या का पूजन करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि कुछ लोग आज भी बेटियों को बोझ समझते हैं। हिन्दू धर्म में पौराणिक काल से ही बेटियों को समान अधिकार दिया गया है। परन्तु ज्ञान के आभाव में कुछ लोग बेटियों को भार के रूप में देखते हैं। जबकि वह ये नहीं जानते हैं कि भगवान ने आपको इस लायक समझा, तभी आपको पुत्री धन की प्राप्ति हुई। क्योंकि हर किसी को भगवान बेटी के माता-पिता होने का सौभाग्य नहीं प्रदान करते। चलिए जानते हैं भगवान कैसे घरों को बेटियों के जन्म के लिए चुनते हैं?

गरुड़ पुराण की कथा

गरुड़ पुराण के में एक कथा का वर्णन मिलता है। इस कथा में श्री कृष्ण बताते हैं कि बेटियां किन घरों में पैदा होती हैं। कथा के अनुसार एक दिन अर्जुन और श्री कृष्ण बैठे हुए थे। दोनों जन्म-मरण के बारे में बातें कर रहे थे। उसी दौरान अर्जुन ने श्री कृष्ण से सवाल किया कि माधव किन कर्मों के कारण, किसी भी माता-पिता को कन्या रत्न की प्राप्ति होती है? यानि कैसे घरों को भगवान बेटियों के जन्म के लिए चुनते हैं? तब श्री कृष्ण मुस्कुराते हुए कहते हैं, पार्थ अचानक आज ये प्रश्न तुम्हारे मन में कैसे आया? अर्जुन कहते हैं नारायण!, मैं सोच रहा था कि आखिर बेटियां लक्ष्मी होती हैं और माता लक्ष्मी तो हर किसी के घर आती नहीं। इसलिए मैंने आपसे यह प्रश्न किया।

किन घरों में होता है बेटियों का जन्म?

फिर श्री कृष्ण बोले, अर्जुन! अगर किसी के घर पुत्र का जन्म होता है तो वह उसका भाग्य है, लेकिन अगर किसी के घर पुत्री का जन्म होता है तो वह उसके लिए सौभाग्य की बात है। बेटे अगर भाग्य से मिलते हैं तो बेटियां सौभाग्य वालों को ही मिलती हैं। जो स्त्री-पुरुष अपने पूर्वजन्म में अच्छे कर्म करते है उन्हें ही बेटी के माता-पिता होने का सौभाग्य मिलता है। आगे श्री कृष्ण कहते हैं, बेटियों के जन्म के लिए ऐसे घरों को ही ईश्वर चुनते हैं, जो बेटियों का भार सहन कर सकें।

परमात्मा जानते हैं कि धन होते हुए भी कुछ लोग ऐसे होते हैं जो बेटियों का भार सह नहीं सकते। जबकि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो गरीब होते हुए भी बेटियों को बड़े ही प्रेम से पाल सकते हैं। सृष्टि के रचियता पहले से ही जानते रहते हैं कि कौन बेटियों के लिए अच्छे माता-पिता हो सकते हैं।

बेटियों के बिना अधूरी है सृष्टि!

श्री कृष्ण अर्जुन से आगे कहते हैं, पार्थ वह बेटियां ही है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। जिस दिन इस सृष्टि में बेटियों का जन्म लेना बंद हो जाएगा, उस दिन ये सृष्टि रुक जाएगी। फिर कुछ ही दिनों में इस सृष्टि का विनाश हो जाएगा। वह बेटियां ही हैं जो पुत्री के रूप में माता-पिता को सबसे ज्यादा प्यार देती हैं। फिर जब वह शादी के बाद ससुराल जाती है तो, वहां बहु और पत्नी के रूप में अपना प्रेम बांटती हैं। उसके बाद जब वह मां बनती हैं तो, अपने बच्चे पर सर्वश्व लुटा देती हैं। बेटा तो एक कुल चलाता है, लेकिन बेटियां दो कुलों का नाम रोशन करती हैं।

स्त्री योनि में जन्म क्यों मिलता है?

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि मृत्यु के बाद आत्मा को उसके कर्मों के हिसाब से दूसरा जन्म मिलता है। जो लोग मृत्यु के समय भी महिलाओं के बारे में ही सोचते रहते हैं, उनका अगला जन्म स्त्री योनि में होता है। इतना ही नहीं यदि कोई पुरुष, मनुष्य जीवन में स्त्रियों को सताता है या परेशान करता है तो वो भी अगले जन्म में स्त्री बनता है।

कितना शक्तिशाली है प्रभु श्री राम का नाम?

हनुमानजी की गलती में ही छिपा है इसका रहस्य!

रामायण में एक कथा पढ़ने को मिलती है, जब महर्षि विश्वामित्र के कहने पर श्री राम अपने भक्त हनुमान को मृत्युदंड देने का प्रण कर लेते हैं। लेकिन श्री राम के बाण भी हनुमान जी का कुछ नहीं बिगाड़ पाते, आखिर क्यों? चलिए जानते हैं।

पौराणिक कथा

एक दिन सभी महान संत और ब्राह्मणों ने एक सभा का आयोजन किया। वहां विश्वामित्र, महर्षि वशिष्ठ और नारद जी भी मौजूद थे। सभी ने कहा कि राम नाम, क्या भगवान श्री राम से भी बड़ा है? श्री राम के परम भक्त हनुमानजी जी भी उस सभा में मौजूद थे। हनुमानजी सभी की बातें सुनने के बाद भी चुप थे। सभी संत और मुनि जब इस बात पर चर्चा कर रहे थे तभी नारद जी ने कहा, राम का नाम प्रभु श्री राम से भी बड़ा है। देवर्षि नारद की बातों पर किसी को विश्वास नहीं हुआ। उसके बाद सभी ने नारद जी से इस बात को साबित करने को कहा। नारद जी भी इस बात के लिए सहर्ष तैयार हो गए।

विश्वामित्र का अपमान

जब सभा समाप्त हुई तो नारद जी हनुमान जी के पास गए और बोले जब सभी जाने लगें तो आप महर्षि विश्वामित्र को छोड़कर सभी को प्रणाम करना। नारद जी की बातें सुनकर हनुमान जी ने इसका कारण पूछा, तब नारद जी ने कहा, विश्वामित्र कोई महर्षि नहीं हैं, कुछ साल पहले तक वो एक राजा हुआ करते थे। उसके बाद हनुमानजी ने सभी संतों और महर्षियों को प्रणाम किया। परन्तु जब महर्षि विश्वामित्र उनके सामने आए तो उन्होंने महर्षि विश्वामित्र को अनदेखा कर दिया। हनुमान जी के इस व्यवहार को विश्वामित्र जी ने अपना अपमान समझ लिया। उसके बाद वे क्रोधित हो उठे। उसी समय वह श्री राम के पास गए और बोले हनुमान ने मेरा अपमान किया है। इस अपमान के लिए आपको उसे मृत्युदंड देना होगा।

हनुमान जी की तपस्या

श्री राम ने भी विश्वामित्र को वचन दे दिया कि वे हनुमान जी को अवश्य ही मृत्युदंड देंगे। श्री राम ने कहा गुरु जी मैं आपकी आज्ञा का उल्लंघन नहीं कर सकता। उधर हनुमान जी को जब इस बात का पता चला तो वे हैरान हो गए। हनुमान जी मन ही मन सोचने लगे कि, मुझ से ऐसा क्या भूल हो गई जो प्रभु श्री राम मुझे मृत्युदंड देना चाहते हैं? हनुमान जी ये सोच ही रहे थे कि महर्षि नारद उनके पास आए और बोले हनुमान तुम राम नाम की जप में लीन हो जाओ। उसके बाद हनुमान जी एक वृक्ष के नीचे राम नाम का जप करने लगे।

श्री राम और हनुमान

कुछ देर बाद भगवान श्री राम जब वहां पहुंचे तो हनुमान को देखकर वो आश्चर्यचकित हो गए। लेकिन अपने गुरु की आज्ञा का ध्यान आते ही वे हनुमान जी पर बाण से प्रहार कर दिया। परन्तु राम नाम में लीन हनुमान जी को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचा। प्रभु श्री राम ने जब ये देखा कि हनुमान जी पर उनके बाणों का कोई प्रभाव नहीं पर रहा है तो वो हैरान हो गए। उसके बाद प्रभु श्री राम समझ गए कि हनुमान जी का कोई भी वध नहीं कर सकता। वे वापस चले गए। जाने से पहले श्री राम ने हनुमान जी पर कई अस्त्र से प्रहार किया। लेकिन राम जी के के प्रहार का हनुमान जी पर को कोई असर नहीं हुआ। फिर राम जी और हनुमान जी के युद्ध को देखकर नारदजी महर्षि विश्वामित्र के पास गए। उन्होंने विश्वामित्र से राम जी को अपने वचन से मुक्त करने का आग्रह किया। विश्वामित्र ने राम जी को अपने वचन से मुक्त कर दिया।

'दो पत्ती' में दो बहनों की 'महाभारत' में उलझीं काजोल

काजोल और कृति सेनन फिल्म 'दो पत्ती' में साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में कृति का डबल रोल है। आज इस फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है, जिसमें एक्शन भी है, सस्पेंस भी और रोमांस भी। इस फिल्म को 'हसीन दिलरुबा' जैसी थ्रिलर फिल्म बनाने वाली कनिका ढिल्लों ने बनाया है। वे इस फिल्म की राइटर हैं।

फिल्म दो पत्ती कृति सेनन के लिए काफी खास है। एक तो इस फिल्म में उनका डबल रोल है, दूसरा इसी के जरिए वे इंडस्ट्री में बतौर निर्माता डेब्यू करने जा रही हैं। 'दो पत्ती' कृति के होम प्रोडक्शन 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' की पहली फिल्म है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शशांक चतुर्वेदी ने किया है। फिल्म में काजोल ने पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका निभाई है। हाथ में बंदूक थामे खाकी वर्दी में अभिनेत्री काफी जंच रही हैं। कृति सेनन ने फिल्म में डबल रोल अदा किया है। वे दो जुड़वा बहनों की भूमिका में हैं। वहीं, अभिनेता शहीर शेख का भी अहम किरदार है और वे कृति के साथ रोमांस करते नजर आए हैं। फिल्म की कहानी सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। पुलिस इंस्पेक्टर विद्या ज्योति (काजोल) खुद को सौम्या (कृति सेनन) और उसके पति ध्रुव सूद (शहीर शेख) से जुड़ी परेशान करने वाली घटनाओं को सुलझाने का प्रयास करती हैं। ट्रेलर में काजोल गजब की पंजाबी बोलती नजर आई हैं।

विद्या बालन से लेकर करीना कपूर तक, भूत का किरदार निभा चुकी हैं ये बॉलीवुड अभिनेत्रियां

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई अलग-अलग विषयों पर बनी फिल्में प्रशंसकों को देखने के लिए मिलती हैं। इसके साथ ही हॉरर फिल्मों का भी काफी बोलबाला होता है। प्रशंसक अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों को भूत या चुड़ैल के रूप में देखकर भी काफी उत्साहित होते हैं। इस दिवाली बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 'भूल भुलैया 3' रिलीज होने वाली हैं। फिल्म में विद्या बालन और माधुरी दीक्षित को भूतनी के रूप में दिखाया गया है। इन अभिनेत्रियों के अलावा भी बॉलीवुड की कई ग्लैमरस अभिनेत्रियां ऐसे ही डरावने किरदार निभा चुकी हैं।

बिपाशा बसु

अभिनेत्री बिपाशा बसु बड़े पर्दे पर जितने बोल्ड अवतार में नजर आईं उतने ही डरावने किरदार भी निभा चुकी हैं। बिपाशा को साल 2015 में आई फिल्म 'अलोन' में चुड़ैल के लुक में देखा गया था। बिपाशा ने अपने भूतीया अंदाज से दर्शकों को हरा दिया था।

ईशा कोप्पिकर

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर को उनकी मासूमियत के लिए लोग काफी पसंद करते हैं। ईशा फिल्मों में भूतनी का किरदार भी निभा चुकी हैं। उन्हें साल 2004 में आई फिल्म कृष्णा कॉटेज में डरावने किरदार में देखा गया था। इस किरदार के कारण ईशा सुर्खियों में रही थीं।

करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर को 'तलाश' फिल्म में एक भूतनी का किरदार निभाते देखा गया था। करीना कपूर खान के साथ इस फिल्म में रानी मुखर्जी और आमिर खान नजर आए थे। इस फिल्म में करीना ने अपने भूतियां अंदाज से काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

अनुष्का शर्मा

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को परी फिल्म में भूतनी के किरदार में देखा गया था। साल 2018 में आई फिल्म में अनुष्का अपने चुड़ैल के किरदार के कारण चर्चा में रही थीं। अपनी इस फिल्म के कारण अनुष्का काफी समय तक चर्चा में रही थीं।

'यकीन करना बहुत मुश्किल है कि बाबा नहीं रहे दोषियों को सजा हो', बोले मधुर भंडारकर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस के मुताबिक, अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला किया। आनन-फानन में बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचाने में कामयाब नहीं हो सके। बाबा सिद्दिकी का अंतिम संस्कार कल रविवार को मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। बाबा सिद्दीकी का बॉलीवुड से भी खास कनेक्शन था। उनकी इफ्तार पार्टी में सलमान खान से लेकर शाहरुख खान, संजय दत्त तमाम सितारे आते थे। बाबा की हत्या पर मुधर भंडारकर ने अपराधियों को कठोर सजा की मांग की है।

'लोगों से बहुत प्यार से मिलते थे'

फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर ने न्यूज एजेंसी एएनआई से

बातचीत में कहा, 'बाबा सिद्दीकी बहुत हंसमुख थे। मैं हमेशा उनकी इफ्तार पार्टी में आया करता था। उनके साथ जो कुछ भी हुआ वह बहुत अफसोसजनक है। बाबा को मैं बहुत वर्षों से जानता था। वे लोगों से हमेशा मिलते-जुलते थे। यह बहुत दुखद है और हैरान कर देने वाला है। यह यकीन करना मुश्किल है कि बाबा अब हमारे बीच नहीं हैं'।

सलमान खान के घर के बाहर बढ़ी सुरक्षा

मधुर भंडारकर ने आगे कहा, 'अपराधियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। बाबा के परिवार को और उनके चाहने वालों को यह दुख सहने की शक्ति मिले।' बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जानकारी के मुताबिक सलमान के परिवार ने करीबियों और दोस्तों से गुजारिश की है कि अभिनेता से अभी कोई मुलाकात करने न आए'।

'सलमान खान से मुलाकात करने न आएं'

सलमान खान और बाबा सिद्दीकी काफी करीबी दोस्त थे। सलमान हमेशा बाबा की इफ्तार पार्टी में शामिल होते थे। इतना ही नहीं, शाहरुख और सलमान खान के बीच आई दूरियों को भी बाबा सिद्दीकी ने ही दूर कराया था और फिर से दोनों सितारों की दोस्ती कराई थी। बाबा की अंतिम यात्रा में सलमान खान पूरे समय साथ रहे। जिगरी दोस्त के दुनिया से चले जाने पर सलमान खान पूरी तरह टूट गए हैं। बता दें कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के पूरे मामले की जिम्मेदारी लॉरेन्स बिश्नोई गैंग ने ली है।

जब अमिताभ ने जया बच्चन की फिल्मों में वापसी को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री और अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने 1980 के दशक की शुरुआत में अपने अभिनय करियर को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। हालांकि, उन्होंने बाद में कई फिल्में कीं, जब उनके बच्चे बड़े हो गए और अपनी जिम्मेदारियों को संभालने लगे। शादी के बाद जया ने अपने बच्चों श्वेता बच्चन और अभिषेक बच्चन की परवरिश पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

क्या फिल्मों में आने से पहले लेनी पड़ी थी जया को अमिताभ की मंजूरी

1997 में श्वेता बच्चन ने निखिल नंदा से शादी करने के बाद, जया बच्चन अभिनय में लौट आईं। अमिताभ बच्चन ने उस समय बताया था कि उनकी वापसी इसलिए हुई क्योंकि घर अब सब कुछ सही से सेटेल हो गया था, जिससे जया को एक बार फिर अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिला। जब जया से पूछा गया कि क्या फिल्मों में वापसी से पहले उन्हें अमिताभ

बच्चन की मंजूरी लेने की जरूरत पड़ी थी, तो इस पर जया ने जवाब में कहा था, भगवान के लिए वह मेरे पति हैं, मेरे अभिभावक नहीं।

जया की फिल्मों में वापसी

जया बच्चन की फिल्मों में वापसी के बारे में पूछे जाने पर अमिताभ बच्चन ने कहा, घर ठीक से चल रहा है। बेटी की शादी हो चुकी है। बेटा छह फुट तीन इंच का है और खुद की देखभाल करने में सक्षम है। पति घर से ज्यादा लोकेशन पर रहते हैं। वह क्या करती हैं? उन्हें खुद को व्यस्त रखना होता है और इसलिए उन्होंने अभिनय में वापस आने का फैसला किया। अमिताभ बच्चन ने अपनी नातिन नव्या नवेली नंदा के बारे में भी बात की और कहा कि यह उनके जीवन का सबसे रोमांचक पल था। उन्होंने कहा, आप तरोताजा महसूस करते हैं क्योंकि एक बार फिर से एक बच्चा आ गया है। आप सुबह 2 या 3 बजे उठना शुरू कर देते हैं ताकि यह देख सकें कि बच्चे के साथ सब कुछ ठीक है या नहीं।

फिल्मों से दूर लेकिन बाकी चीजों में व्यस्त रहीं जया

जया बच्चन ने कहा, 'मैं हमेशा पर्दे के पीछे रहती थी। वापसी का सवाल ही नहीं उठता क्योंकि मैं फिल्म उद्योग में कई बाकी गतिविधियों में शामिल रही हूं। उस समय वह अमिताभ बच्चन कॉरपोरेशन लिमिटेड की उपाध्यक्ष और द चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी की अध्यक्ष थीं। हालांकि, जया का फिल्मों से दूर रहना काफी समय तक चर्चा में रहा। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन ने कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद 1973 में शादी की थी।

'सिंघम अगेन' से 'भूलभुलैया 3' के क्लैश पर पहली बार बोले कार्तिक आर्यन: 'मेरा फोकस रूह बाबा-मंजूलिका पर है'

इस बार दिवाली का त्यौहार सिनेप्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है, क्योंकि इस बार दिवाली के मौके पर अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूलभुलैया 3 रिलीज हो रही है। ये दोनों ही ऐसी फिल्में हैं जिनका फैंस को इंतजार है। हर किसी की निगाह भूलभुलैया 3 vs सिंघम अगेन पर है।

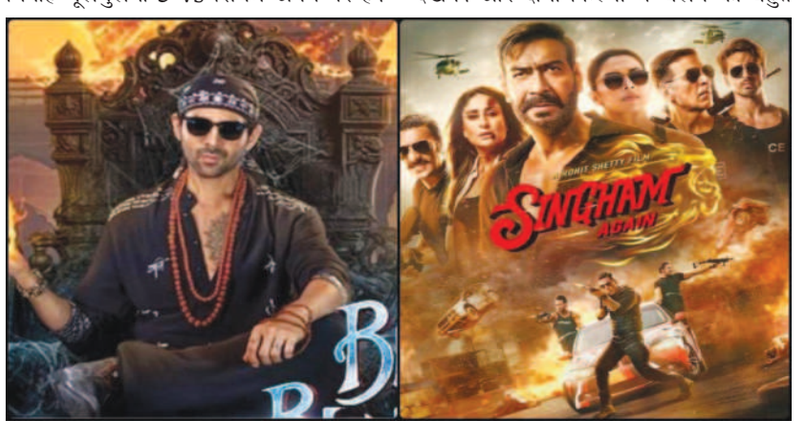

बॉक्स ऑफिस की इस लड़ाई में कौन बाजी मारेगा ये तो आने वाला समय बताएगा। मगर एक्टर कार्तिक आर्यन ने इस क्लैश पर क्या बोला है चलिए वो आपको बताते हैं।

कार्तिक ने कहा, "दिवाली इतनी बड़ी छुट्टी है। मुझे लगता है कि दो फ़िल्में आराम से चल सकती हैं। उनकी सिंघम अगेन एक्शन जॉनर है, हमारा हॉरर कॉमेडी जॉनर है।" कार्तिक ने आगे कहा, "अगर मैं फ़िल्म देखने का शौकीन हूँ, तो यह हम सभी के लिए एक त्यौहार है। एक ही अवसर पर दो फ़िल्में आ रही हैं, जो इन दिनों हिंदी फ़िल्म इंडस्ट्री में बहुत कम देखने को मिल रहा है है। फ़िल्में रिलीज़ नहीं हो रही हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "अभी यहां दिवाली के समय पर दो ऐसी फिल्में आ रही हैं जिसका मुझे लगता है कि दर्शक दोनों फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मुझे उनकी भी फिल्म पसंद है, मैं उनकी भी फिल्म देखने जाऊंगा। मुझे उम्मीद है कि आप हमारी भी फिल्म देखेंगे। और दोनों फिल्मों में चलने का बहुत स्कोप है।" कार्तिक ने जोर देकर कहा कि यह "VS" गेम नहीं है। इसके बजाय, उनका ध्यान भूल भुलैया 3 में रूह बाबा VS मंजुलिका के बीच क्लैश पर है। उन्होंने सिंघम अगेन को "बड़ी फ्रेंचाइजी" कहा और खुद को अजय देवगन और रोहित शेट्टी का फैन कहा।भूल भुलैया और सिंघम दोनों ही पॉपुलर फ्रैंचाइज़ हैं। सिंघम अगेन रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है, सूर्यवंशी इस यूनिवर्स की रिलीज़ की गई आखिरी फिल्म थी, जिसने 300 करोड़ रुपये से कम की कमाई की थी। सिंघम अगेन सिंघम रिटर्न्स (2014) का सीक्वल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 216 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

भारत की सबसे अमीर टीवी एक्ट्रेस, कई लग्जरी गाड़ियों की हैं मालकिन, करोड़ों में है नेट वर्थ

भारत में टीवी एक्टर्स का क्रेज भी काफी ज्यादा है। जितनी दीवानगी फैंस में टीवी एक्ट्रेस को लेकर है उतनी शायद फिल्म एक्ट्रेसेज को लेकर भी नहीं हैं। हम बात कर रहे हैं हिना खान की। साल 2009 से टीवी की दुनिया में कदम रखने वाली हिना खान ने सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से डेब्यू किया था। अक्षरा के किरदार से हिना खान घर-घर में छा गई थीं। हिना खान इसके बाद खतरों के खिलाड़ी, बिग बॉस जैसे रियलिटी शोज में भी नजर आईं। वहीं कोमोलिका का निगेटिव रोल भी निभाया है। आज हिना खान कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से लड़ रही हैं। लोग उन्हें शेर खान कहते हैं।

इंस्पायरिंग है हिना खान की जिंदगी

हिना खान ने न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन किया है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिना रेड कारपेट पर चलीं और वहां उनकी फिल्म की स्क्रीनिंग भी हुई। हिना खान आज टीवी इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं। हिना खान की नेट वर्थ 52 करोड़ से भी ज्यादा है।

'स्त्री' के किरदार और डायलॉग बिना इजाजत अपनी फिल्म 'विक्की विद्या..' में यूज किए जाने पर डायरेक्टर राज शांडिल्य ने मांगी माफी

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। हालांकि, इसी बीच फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य को मैडॉक फिल्म्स से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल राज ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'स्त्री' के किरदार और डायलॉग बिना इजाजत अपनी फिल्म 'विक्की विद्या..' में यूज किए थे।

राज ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए अपनी फिल्म से ऐसे सीन हटाने की बात भी कही है।

राज ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं राज शांडिल्य, फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का डायरेक्टर अपनी और हमारी फिल्म के मेकर्स की ओर से, मैडॉक फिल्म्स की फ्रेंचाइजी 'स्त्री' के कैरेक्टर और डायलॉग्स अपनी फिल्म में बिना इजाजत

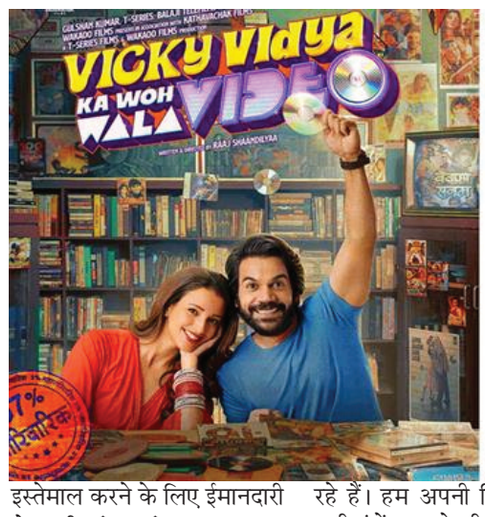

इस्तेमाल करने के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं।

इस उल्लंघन की वजह से मैडॉक फिल्म्स और उनकी फ्रेंचाइजी को जो भी नुकसान हुआ उसके लिए हमें गहरा खेद है।'

कंटेंट हटाने की कोशिश कर रहे हैं मेकर्स

राज ने आगे लिखा, 'हम इस मसले को सुधारने पर काम कर रहे हैं। हम अपनी फिल्म से वो सभी कंटेंट हटाने की कोशिश कर रहे हैं जिससे उल्लंघन हुआ है। हमारी कोशिश है कि मंगलवार, 15 अक्टूबर 2024 तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाए। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि भविष्य में दोबारा ऐसा नहीं होगा।' इसके अलावा राज ने अपनी पोस्ट में साफ किया कि उनकी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का 'स्त्री' फ्रेंचाइजी और उसके किरदारों से कोई लेना देना नहीं है।

फिल्म 'विक्की विद्या..' ने दो दिन में 12.77 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इस फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमारी पहली बार साथ नजर आ रहे हैं।

मुंबई मेट्रो में भजन-कीर्तन करने वालों पर भड़कीं पूजा भट्ट

बोलीं– पब्लिक प्लेस का गलत इस्तेमाल, इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है?

पूजा भट्ट अक्सर किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने नवरात्रि के दौरान मुंबई मेट्रो के अंदर भजन-कीर्तन करने वालों की आलोचना की है। उन्होंने अपने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए सवाल उठाया है कि आखिर पब्लिक प्लेस पर इन सब की इजाजत कैसे दी जा सकती है?

दरअसल, नवरात्रि के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसमें मुंबई मेट्रो में एक ग्रुप 'भारत का बच्चा बच्चा जय श्री राम बोलेगा' और कुछ दूसरे गुजराती गरबा गीत गाते हुए नजर आ रहे हैं। इसी को लेकर पूजा भट्ट भड़क गईं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'पब्लिक प्लेस पर इन सब की कैसे इजाजत दी जा सकती है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ये हिंदुत्व पॉप है, क्रिसमस कैरोल है, बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर

है या कुछ भी है। किसी भी हाल में सार्वजनिक स्थानों का इस तरह से गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। कैसे और क्यों अथॉरिटी ने इसकी इजाजत दी?'

दूसरे पोस्ट में पूजा भट्ट ने लिखा, 'अगर हम बुनियादी नियमों का पालन नहीं कर सकते तो कानून और व्यवस्था के सही मायने में बने रहने की कोई उम्मीद नहीं है। शहर को अपवित्र करने वाले सभी राजनीतिक दलों के अवैध होर्डिंग्स, मेट्रो को पार्टी क्षेत्र में बदल दिया जा रहा है। हमलावरों द्वारा कवर के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले सड़क के बीच में पटाखे जलाए जा रहे हैं।'

फैंस का रिएक्शन

वहीं, पूजा भट्ट को इस पर काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'आप हमारी संस्कृति को मिटा नहीं सकते मैडम। हम अपने त्योहार इसी तरह मनाते आए हैं और मनाते रहेंगे, इसे कोई नहीं रोक सकता, न आप, न सरकार। बस वास्तविक मुद्दों, गरीबी, विकास, अवैध होर्डिंग्स के बारे में बात करें, यह एक अच्छा मुद्दा था। लेकिन हिंदू धर्म को निशाना मत बनाओ।'दूसरे ने लिखा, 'ओह रियली, ईद के समय पर ये ज्ञान कहां चला जाता है पूजा मैडम. कभी ये ज्ञान बकरी मत काटो पे दे दिया करो...सड़कों पर जब 5 बार नमाज पढ़ी जाती है आजतक 1 ट्वीट भी नहीं लिखा गया उस पर..ज्यादा ज्ञान पेला जा रहा है।

'तीसरे ने लिखा, 'मुझे लगा कि आपके बिग बॉस दोस्त एल्विश यादव ने कुछ ज्ञान दिया है कि हिंदूवादी देश में सिस्टम कैसे काम करता है।'

करण जौहर ने दिव्या खोसला को कहा मूर्ख : जवाब मिला- जब बेशर्मी से चुराओगे, तो चुप रहना पड़ेगा

आलिया भट्ट स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज होने के बाद से ही करण जौहर और दिव्या खोसला कुमार के बीच बहस जारी है। दरअसल, दिव्या का आरोप है कि करण जौहर ने उनकी फिल्म सावी को कॉपी कर जिगरा बनाई है। सक्रिप्ट चुराने के आरोप लगाने के बाद दिव्या ने हाल ही में जिगरा के खाली थिएटर्स की तस्वीरें शेयर कर कहा था कि आलिया ने अपनी फिल्म की टिकटें खरीदीं और फेक कलेक्शन अनाउंस करवाया है। इसके बाद करण जौहर ने एक पोस्ट शेयर कर दिव्या का नाम लिए बिना उन्हें मूर्ख कहा है।

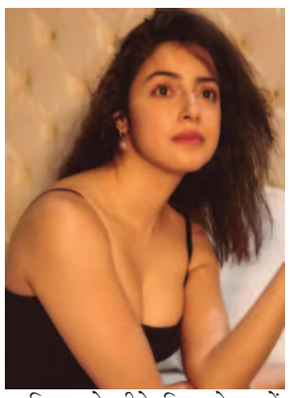

दिव्या ने बीते दिन पोस्ट में लिखा था, 'जिगरा देखने सिटी मॉल के पीवीआर गई थी, थिएटर पूरी तरह खाली था। बल्कि हर जगह सभी थिएटर्स खाली जा रहे हैं। आलिया भट्ट में सच में बहुत जिगरा है, खुद ही टिकट खरीदे और फेक कलेक्शन अनाउंस कर दिए। मैं हैरान हूं कि आखिर पेड मीडिया चुप क्यों है? जनता को उल्लू नहीं बनाना चाहिए। झूठ के ऊपर सच है। इसके जवाब में करण जौहर ने बिना नाम लिए लिखा है, बेवकूफों के लिए खामोश रहना ही सबसे बेहतरीन जवाब है।

दिव्या खोसला ने करण की पोस्ट सामने आने के बाद जवाब में लिखा है, सच्चाई हमेशा इसके खिलाफ खडे. मूर्खों को भड़का देती है। अगली पोस्ट में उन्होंने लिखा, जब आप बेशर्मी से दूसरों की चीजों पर हक जमाते हुए उसे चुराते हैं, तो आपको चुप रहकर ही बचना पड़ेगा। आपकी कोई आवाज और रीड़ की हड्डी नहीं होती।

क्या है पूरा मुद्दा?

31 मई 2024 को दिव्या खोसला कुमार की फिल्म सावी रिलीज हुई थी। फिल्म में एक बहन की कहानी थी, जो अपने भाई को बचाने की जद्दोजहद करती है। हाल ही में 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज हुई है, जिसकी स्टोरीलाइन सावी से एकदम मेल खाती है।

दिल को रखना चाहते हैं सेहतमंद तो आहार में ये एक बदलाव बहुत लाभकारी

हृदय रोगों का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता जा रहा है। कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चे भी हृदय रोग और इसके जोखिम कारकों का शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी इसका प्रमुख कारण हो सकती है। विशेषतौर पर खान-पान पर ध्यान न देना, नमक-प्रोसेस्ड चीजों का अधिक सेवन हृदय रोगों के लिए प्रमुख कारक हो सकते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि खान-पान में बदलाव, विशेषतौर पर खाने के लिए सही तेल के चयन की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। ऑलिव ऑयल (जैतून के तेल) को इसके लिए बहुत फायदेमंद पाया गया है। ऑलिव ऑयल को आहार का हिस्सा बनाकर न सिर्फ आप ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रख सकते हैं साथ ही इससे हृदय रोगों के लिए जिम्मेदार अन्य कारकों को भी कम किया जा सकता है।

क्यों फायदेमंद माना जाता है ये ऑयल

ऑलिव ऑयल (जैतून के तेल) में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो

ब्लड प्रेशर को दुरुस्त रखते हैं। यह तेल हृदय को भी स्वस्थ बनाए रखता है। जैतून के तेल में विटामिन ई, के आयरन, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं। इस तेल का इस्तेमाल करने से कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां दूर होती हैं।

इस तेल मौजूद पॉलीफेनोल्स धमनियों को रिलैक्स करने और खोलने में मदद करते हैं। इससे हृदय की सेहत दुरुस्त रहती है और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद मिलती है। यह तेल गुड कॉलेस्ट्रोल को बढ़ाने और बैड कॉलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। जैतून के तेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं।

वजन कम करने में भी सहायक

वजन कम करने के लिए आप जैतून के तेल को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। इस तेल से ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे खाने की क्रेविंग्स कम होती हैं और पेट भरे रहने का एहसास होता है। इससे धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है और मेटाबॉलिक रेट भी बेहतर होता है। जैतून के तेल में सूजनरोधी गुण होने से यह सूजन कम करता है और गठिया जैसे रोगों में राहत देता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बताते हैं, प्रतिदिन एक चम्मच जैतून का तेल सलाद में डालकर खाने या खाना पकाने में इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इस तेल का अधिक इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इस तेल में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले गुण और सैचुरेट फैट होता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और आप संक्रमण तथा बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं।

अल्जाइमर रोग का भी कम होता है जोखिम

हार्वर्ड विश्वविद्यालय सहित शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने ऑलिव ऑयल के सेवन को बहुत लाभकारी पाया है। एक शोध में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि प्रतिदिन लगभग एक चम्मच जैतून के तेल का सेवन डिमेंशिया के कारण मृत्यु के जोखिम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम कर सकती है। 28 वर्षों तक अमेरिका में 92,000 से अधिक वयस्कों के डेटा का अवलोकन करने पर पता चला कि ऑलिव ऑयल न सिर्फ अल्जाइमर से बचाने में लाभकारी है साथ ही इससे इन रोगों के कारण मौत के खतरे को भी कम कर सकते हैं।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए क्या है 20-20-20 रूल? कंप्यूटर पर काम करने वाले जरूर करें ये उपाय

आंखें ईश्वर का वरदान मानी जाती हैं। इन्हीं की मदद से हम दुनिया के नजारे ले पाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण आंखों से संबंधित समस्याओं का खतरा काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आंखों से संबंधित समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं तीन साल से कम उम्र के बच्चों में भी आंखों की रोशनी कम होने का खतरा देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को आंखों की देखभाल के लेकर निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि आप पौष्टिक चीजों का सेवन करें, शारीरिक रूप से सक्रिय रहें और आंखों को किसी भी तरह की चोट से बचाएं।

इसके अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आंखों को स्वस्थ रखने के लिए 20-20-20 रूल का पालन करते रहने की भी सलाह देते हैं।

बढ़ती जा रही हैं आंखों से संबंधित समस्याएं

नेत्र रोग विशेषज्ञ बताते हैं, बच्चों-युवाओं में बढ़ती आंखों की समस्याओं के लिए स्क्रीन टाइम बढ़ने को जिम्मेदार पाया जा रहा है। हम में से बहुत से लोग अपने दिन का अधिकांश समय लैपटॉप, कंप्यूटर, स्मार्टफोन, गेमिंग सिस्टम और टेलीविजन की स्क्रीन

को घूरते हुए बिताते हैं। इससे हमारी आंखों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। बढ़ते स्क्रीन टाइम के कारण मायोपिया, कम दिखाई देने सहित आंखों की कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए क्या है 20-20-20 रूल?

नेत्र रोग विशेषज्ञ कहते हैं, 20-20-20 एक ऐसा फार्मूला है जिसकी मदद से आंखों की थकान और स्क्रीन टाइम के कारण होने वाली समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। 20-20-20 नियम एक सरल तकनीक है जिसे आंखों को आराम देने के लिए बनाया गया है।

20: डिजिटल डिवाइस का उपयोग करते समय हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लें।

20 फीट दूर देखें: ब्रेक के दौरान कम से कम 20 फीट दूर किसी वस्तु पर ध्यान केंद्रित करें। इससे आंखों की मांसपेशियों को आराम मिलता है।

20 सेकंड के लिए: 20 फीट दूर की वस्तु पर करीब 20 सेकंड तक के लिए देखें।

क्या है इसके लाभ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 20-20-20 रूल का पालन करते रहने के कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। ये आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में सहायक है। लगातार स्क्रीन टाइम आंखों की थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई का कारण बन सकती है। 20-20-20 नियम आपकी आंखों और दिमाग को तरोताजा करने में मदद करता है, जिससे आप पूरे दिन फोकस और उत्पादकता बनाए रख सकते हैं।

मायोपिया जैसी समस्याओं का कम कर सकते हैं खतरा

शोध से पता चलता है कि 20-20-20 नियम का पालन करना निकट दृष्टिदोष (मायोपिया) और दृष्टि समस्याओं के विकास के खतरे को कम करने में मददगार हो सकता है। डिजिटल आई सिंड्रोम के कारण आंखों की रोशनी जाने का भी खतरा रहता है, 20-20-20 रूल का पालन करके आप इन विकारों से भी राहत पा सकते हैं।

स्तन कैंसर से बचाव के लिए जरूरी है सही जानकारी

स्तन कैंसर के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि युवा आबादी भी इसका तेजी से शिकार हो रही है। ये महिलाओं में होने वाला सामने आम प्रकार का कैंसर है। साल 2022 में महिलाओं में स्तन कैंसर के करीब 23 लाख नए मामले सामने आए, वहीं इसके कारण विश्वभर में 670,000 मौतें हुईं। ये दुनियाभर में दूसरा सबसे आम प्रकार का कैंसर है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, युवा हो या वयस्क किसी भी उम्र की महिला स्तन कैंसर का शिकार हो सकती है। लाइफस्टाइल, आहार में गड़बड़ी के साथ-साथ कई प्रकार के पर्यावरणीय कारकों की भी इसमें भूमिका देखी जा रही है। ब्रेस्ट कैंसर को लेकर सभी महिलाओं को कम उम्र से ही सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। जिन महिलाओं के परिवार में पहले किसी को स्तन कैंसर हो चुका है, उनमें इसका खतरा और अधिक होता है।

स्तन कैंसर के बारे में लोगों को शिक्षित और जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल अक्तूबर माह को स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। इस कैंसर से बचाव के लिए सही जानकारी होना जरूरी है। आइए स्तन कैंसर से जुड़े मिथ्स और फैक्ट्स जानते हैं।

मिथ- सिर्फ महिलाओं को ही होता है ब्रेस्ट कैंसर

ब्रेस्ट कैंसर को आमतौर पर महिलाओं में होने वाले कैंसर के रूप में जाना जाता है। पर इसे सिर्फ महिलाओं में होने वाली बीमारी मानकर चलना ठीक नहीं है। वैश्विक डेटा से पता चलता है कि पुरुषों में भी ब्रेस्ट कैंसर को खतरा हो सकता है।

नेशनल ब्रेस्ट कैंसर फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष, अनुमान है कि लगभग 2,800 पुरुषों में स्तन कैंसर का निदान हो सकता है और 530 की मृत्यु हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं अगर किसी पुरुष को भी गांठ या निप्पल से खून आने जैसी दिक्कत हो रही है तो इसकी जांच जरूर कराएं।

मिथ- स्तन में गांठ होने का मतलब आपको स्तन कैंसर है।

स्तन में गांठ होने को स्तन कैंसर के सबसे आम लक्षणों में से एक माना जाता है, हालांकि हर बार गांठ होने का मतलब कैंसर ही नहीं है। कई बार लिंपोमा (वसा का जमाव) भी गांठ बनने का कारण हो सकती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपको स्तन में कोई नई गांठ दिखती है या स्तन ऊतक में कोई बदलाव दिखता है, तो समय रहते इसका निदान जरूर करा लें। ब्रेस्ट इमेजिंग टेस्ट के माध्यम से पता किया जा सकता है कि गांठ सामान्य है या कैंसर का कारण।

मिथ- ब्रा पहनने से ब्रेस्ट कैंसर हो सकता है

इंटरनेट पर आपने भी जरूर सुना-पढ़ा होगा कि ब्रा पहनने से ब्रेस्ट कैंसर हो सकता है, हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं इस बात का कोई भी मेडिकल प्रमाण नहीं है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जाता रहा है कि ब्रा पहनने, विशेष रूप से अंडरवायर स्टाइल के ब्रा, स्तन से लिंफ फ्लूड के प्रवाह को रोक सकते है, जिससे ऊतकों में विषाक्त पदार्थ जमा हो सकते हैं। हालांकि इससे कैंसर होने के प्रमाण नहीं हैं।

मिथ- ज्यादा चीनी खाने से स्तन कैंसर होता है

अधिक चीनी वाली चीजों के सेवन को स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता रहा है, पर इससे ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ने के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं।

हमारे शरीर की सभी कोशिकाएं, चाहे कैंसरग्रस्त हों या स्वस्थ, रक्त में मौजूद चीनी (ग्लूकोज) का ईंधन के रूप में इस्तेमाल करती हैं। यह सच है कि कैंसर कोशिकाएं सामान्य कोशिकाओं की तुलना में चीनी का ज्यादा तेजी से उपयोग करती हैं। चूहों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि उनमें ज्यादा चीनी खाने से स्तन कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है, लेकिन इंसानों में इसकी प्रमाणिकता के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

लंबी आयु पाने के लिए वैज्ञानिकों ने बताए दो कारगर तरीके, आज से ही कर दें शुरू ये काम

दुनियाभर में बढ़ती तमाम प्रकार की क्रोनिक बीमारियां हमारी औसत आयु को कम करती जा रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जो बीमारियां कुछ साल पहले तक उम्र बढ़ने के साथ होती थीं वह अब कम आयु वालों को भी अपना शिकार बनाती जा रही हैं। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों की समस्याएं 30 से भी कम आयु वालों को हो रही हैं। नतीजतन अब लंबी आयु पाना पहले की तुलना में काफी कठिन काम हो गया है। ऐसे में सवाल ये है कि अगर आप लंबे समय तक जीना चाहते हैं तो क्या करना चाहिए? इस बारे में शोध कर रही विशेषज्ञों की टीम ने बड़ी जानकारी साझा की है। वैज्ञानिकों की टीम ने बताया, लंबे समय तक जीना चाहते हैं तो आहार में अभी से जरूरी बदलाव कर लें, इसके लिए सबसे जरूरी है कि कैलोरी इंटेक कम करें और इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान शुरू कर दें।

हाई कैलोरी वाली चीजों का सेवन कम करने से न केवल वजन को कंट्रोल में रखा जा सकता है, साथ ही यह आपको लंबी आयु प्राप्त करने में भी सहायक है।

कैलोरी इंटेक कम करने से मिल सकता है लाभ

यूएस के जैक्सन प्रयोगशाला और साउथ सैन फ्रांसिस्को स्थित केलिको लाइफ साइंसेज के शोधकर्ताओं ने चूहों पर ये अध्ययन किया है। इसमें पाया गया है कि कैलोरी इंटेक कम करने से जीवनकाल बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

नेचर जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया है कि कुछ आनुवंशिक फैक्टर भी लंबी आयु प्राप्त करने में विशेष भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि अगर कम उम्र से ही हाई कैलोरी वाली चीजों का सेवन कम करके इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे उपाय कर लिए जाएं तो लंबी आयु प्राप्त करना इतना भी कठिन नहीं है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इस अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने 960 आनुवंशिक रूप से अलग-अलग प्रकार के मादा चूहों को शामिल किया। इन चूहों के अलग-अलग समूह को पांच अलग-अलग तरह के आहार दिए गए। इसमें सभी ग्रुप के चूहों के लिए प्रतिदिन की बेसलाइन कैलोरी को 60% या 80% तक सीमित किया गया। इसके अलावा चूहों को सप्ताह में एक या दो दिन लगातार उपवास कराया गया। इस तरह के डाइट पालन से शरीर में विशेष प्रकार के परिवर्तन देखे गए।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

जैक्सन प्रयोगशाला में प्रोफेसर और इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक गैरी चर्चिल कहते हैं, शोध के दौरान हम सभी जानना चाहते थे कि कैलोरी इंटेक कम करने और इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे उपाय किस प्रकार से जीवनकाल को बढ़ाने में मदद कर सकते हैंय्

अध्ययन के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों ने पाया कि जो चूहे जब चाहें और जो चाहे खा रहे थे वे औसतन 25 महीने तक जीवित रहे। जबकि जिन चूहों को इंटरमिटेंट फास्टिंग कराई गई और कैलोरी इंटेक कम थी उनका जीवनकाल औसतन 28 महीने तक देखा गया।

इंसानों पर किया जाना है अध्ययन

अध्ययन के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि कैलोरी इंटेक कम करने का सीधा असर वजन कम करने पड़ पड़ता है। इसके पहले के भी कई अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आप वजन को कंट्रोल कर लेते हैं तो इससे भी लंबी आयु प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

वैज्ञानिकों ने बताया फिलहाल यह अध्ययन चूहों पर किया गया है, इंसानों पर इसके प्रभावों को जानने के लिए अभी शोध किए जाने की आवश्यकता है। हालांकि हमें उम्मीद है कि कैलोरी इंटेक के माध्यम से स्वास्थ्य में विशेष सुधार किया जा सकता है। आज जितनी बीमारियों से बचे रहेंगे जीवनकाल बढ़ने की संभावना उतनी अधिक होती है। इंसानों पर भी इस अध्ययन की जल्द योजना है।

हार्ट अटैक-स्ट्रोक का प्रमुख कारण है थ्रोम्बोसिस, लंबे समय तक बैठने वालों में खतरा अधिक

शरीर स्वस्थ रहे, इसके लिए जरूरी है कि सभी अंगों तक खून का संचार निरंतर होता रहे। हालांकि ब्लड क्लॉटिंग जैसे स्थितियां इस क्रिया में बाधा पहुंचा सकती है। थ्रोम्बोसिस ऐसी ही एक गंभीर समस्या है जिसमें आपकी रक्त वाहिकाओं या हृदय में रक्त के थक्के बनने लगते हैं। इसके कारण रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो सकता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। थ्रोम्बोसिस आपकी रक्त वाहिकाओं या आपके हृदय के चैंबर के अंदर रक्त का थक्का (थ्रोम्बस) बना सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे गंभीर स्थिति मानते हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती इस समस्या को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 13 अक्तूबर को विश्व थ्रोम्बोसिस दिवस (World Thrombosis Day) मनाया जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं, ये ऐसी स्थिति है जिसे अक्सर कम करके आंका जाता है हालांकि इसके दुष्प्रभाव काफी गंभीर हो सकते हैं।

थ्रोम्बोसिस के बारे में जानिए

थ्रोम्बोसिस की स्थिति में थक्के आपकी रक्त वाहिकाओं में रक्त के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकते हैं। कुछ स्थितियों में ये आपके शरीर में कहीं और जा सकते हैं। यदि कोई थक्का आपके फेफड़ों या मस्तिष्क जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर फंस जाता है, तो यह उस अंग में भी रक्त के प्रवाह को बाधित कर सकता है। इस तरह की स्थितियां जीवन के लिए खतरा

पैदा कर सकती हैं।

कई प्रकार की चिकित्सा स्थितियों या अन्य कारकों के कारण थ्रोम्बोसिस होने का खतरा अधिक होता है। अपने जोखिम को जानना और उससे बचाव

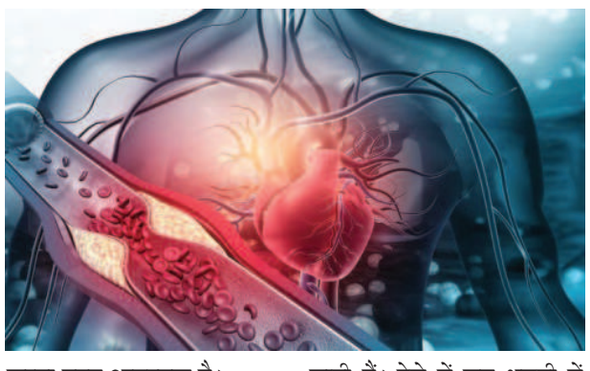

करना बहुत आवश्यक है।

थ्रोम्बोसिस के कारण हो सकता है हार्ट अटैक

थ्रोम्बोसिस एक गंभीर स्थिति है और समय बीतने के साथ यह अधिक खतरनाक हो सकती है। रक्त का थक्का किस स्थान पर है और इसके किधर जाने का जोखिम है, इस आधार पर थ्रोम्बोसिस कई अलग-अलग जटिलताओं का कारण बन सकता है। यदि थक्के फेफड़े में हैं तो इससे पल्मोनरी एम्बोलिज्म, मस्तिष्क में हैं तो स्ट्रोक, हृदय (कोरोनरी आर्टरी) में हैं तो दिल का दौरा हो सकता है।

धमनियां आपके हृदय से रक्त को शरीर के बाकी हिस्सों में ले जाती हैं। ऐसे में जब धमनी में रक्त का थक्का बन जाता है तो इसके कारण दिल के दौरे और स्ट्रोक होने का जोखिम रहता है। वहीं नसों में बनने वाले थक्के के कारण पल्मोनरी एम्बोलिज्म हो सकता है।

थ्रोम्बोसिस क्यों होता है?

थ्रोम्बोसिस आम समस्या है, दुनियाभर में हर चार में से एक मौत का ये प्रमुख कारण है। कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के शिकार जैसे एट्रियल फिब्रिलेशन,कैंसर, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, मधुमेह वाले लोगों में थ्रोम्बोसिस होने का जोखिम अधिक होता है। तम्बाकू-धूम्रपान भी आपके खतरे को बढ़ा देते हैं।

थ्रोम्बोसिस तब होता है जब कोई चीज आपकी रक्त वाहिका (एंडोथेलियम) की अंदुरूनी परत को नुकसान पहुंचाती है या रक्त प्रवाह को धीमा कर देती है। समय पर इसका पता लगना जरूरी है। खून को पतला करने वाली कुछ दवाओं से इसकी जटिलताओं को कम किया जा सकता है।

थ्रोम्बोसिस से बचाव के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, जब आपको पता हो कि आपमें थक्के बनने का जोखिम है, तो रोकथाम करना आसान होता है। अपने जोखिम के बारे में जानने का सबसे अच्छा तरीका सालाना शारीरिक जांच करवाना। ब्लड थिनर, कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने वाली दवाएं इसमें मददगार मानी जाती हैं।

आहार और व्यायाम से अपना वजन नियंत्रित करना जरूरी है, मोटापाग्रस्त लोगों में थ्रोम्बोसिस का जोखिम अधिक देखा जाता है। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें। लंबे समय तक बैठे रहने से भी थ्रोम्बोसिस का खतरा बढ़ जाता है। अगर आपकी नौकरी लंबे समय तक बैठे या खड़े रहने वाली है, तो छोटे-छोटे ब्रेक जरूर लें। इसके अलावा थ्रोम्बोसिस से बचाव के लिए धूम्रपान से दूरी बनाना सबसे जरूरी है।

आंख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं

प्रश्न : मेरी उम्र 20 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं, यही चिंता का कारण है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है।

- कुमारी शैलजा शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी याने डैंड्रफ रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों का पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी का प्रयोग करने से, बहुत अधिक मानसिक चिंता से, खून की कमी से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसेः क्लोरोमायसेटिन, रिफैंपिसिन आदि के प्रयोग से-बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में ₹खालित्य₹ और असमय पकने को ₹पालित्य₹ कहते हैं।

नीम की ट्री शैंपू के प्रयोग से डैंड्रफ यानी रूसी से छुटकारा मिलता है। केशकाम्य शैंपू भी इसमें उपयोगी है। फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से राहत मिलती है। इसके नियमित प्रयोग से बालों के झड़ने को रोका जा सकता है। ऊंझा महाभृंगराज केश तैल या नर्चर केश तैल को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से खालित्य रोग पर अंकुश लगता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया का सेवन तुरंत लाभ देता है। केशयोग कैप्सूल का सेवन भी बालों के झड़ने को रोकने में मदद करता है। शुद्ध नारियल का तैल, भृंगाआमलकी तैल का प्रयोग भी इसमें उपयोगी है।

प्रश्न : शरीर पर लाल रंग के चकत्ते उभर आते हैं और उनमें खाज चलने लगती है। कृपा कर कोई आयुर्वेदिक उपाय बताएं।

- वेंकटेश रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य शीतपित्त तो हो गया है। आप कृपा कर पित्तवर्धक आहार विहार से बचें । नमकीन, तले पदार्थ, मसालेदार चटपटे व्यंजन ना खाएं।

बृहद हरिद्रा खंड सुबह-शाम भोजन के पहले खा कर गुनगुना पानी पिएं। औरा एलेक्झी टिकियां दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। रात सोने से पहले लघु सुतशेखर रस का प्रयोग करें। हरी मिर्च और खटाई का त्याग करें। जल्दी ही आराम मिल जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। रात में कम दिखाई देता है। आंख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं। क्या इस का आयुर्वेद में इलाज है ?

- प्रमोद कुमार, महबूबनगर

उत्तर : रात में कम दिखाई देना या नहीं दिखाई देना ₹रतौंधी₹ कहलाता है। ऐसी स्थिति जीवनीय तत्व - ₹ए₹ की कमी से उत्पन्न होती है। आहार में जीवनीय तत्वों की कमी, लंबे समय तक अपच की स्थिति, बार-बार जुलाब लेने की आदत के चलते ऐसी हालत हो सकती है। जीवनीय तत्व ₹ए₹ की कमी है अक्सर बड़ी उम्र वालों या बच्चों में ही होती है। इसकी कमी से आंख की झिल्ली पर सफेद दाग जिन्हें ₹बिटाट स्पॉट₹ कहते हैं-पनप सकते हैं। इलाज नहीं किए जाने पर अंधेपन का खतरा बना रहता है।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। सुबह-शाम गाय के गुनगुने दूध में त्रिफला घृत मिलाकर पीने से जल्दी ही लाभ होता है। इसी दूध के साथ ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया लेवें। दूध, घी, मक्खन आदि का प्रयोग करें । हर रोज गाजर और चुकंदर के 50 मिलीलीटर रस में 10 मिलीलीटर शहद मिलाकर पीने से जीवनीय तत्वों के अभाव की पूर्ति होती है।

सभी प्रकार के पीले फल-उदाहरण के लिए -आम, पपीता, संतरा, मौसमी आदि भरपूर मात्रा में प्रयोग पोषक तत्वों के संग विटामिन ₹ए ₹भी पहुंचाते हैं। यह औषधि क्रम 6 से 8 महीने तक धैर्य पूर्वक चालू रखें। इससे अवश्य लाभ होगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

आरबीआई गवर्नर ने बैंकों को सतर्क रहने को कहा

ग्लोबल चैलेंज और सोशल मीडिया पर भी बोले शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास आज देश की राजधानी नई दिल्ली में थे और यहां उन्होंने हाई लेवल कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया जिसका विषय केंद्रीय बैंकिंग चौराहे पर पर था।

अपने संबोधन में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जहां बैंकों के कामकाज को लेकर बात की, वहीं उन्होंने देश के बैंकों को कुछ बातों के लिए अलर्ट भी किया जिससे वो मौजूदा ग्लोबल चैलेंज में सुचारू रूप से काम कर सकें।

आरबीआई गवर्नर ने नई दिल्ली में किया संबोधित

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने रिजर्व बैंक के आरबीआई@90 पहल के तहत नई दिल्ली में की-नोट एड्रेस में कहा कि आज की ग्लोबल अर्थव्यवस्था पहले से कहीं अधिक इंटीग्रेटेड (एकीकृत) है और दुनिया भर के बैंकों की मौद्रिक नीति में बदलाव से कैपटिल फ्लो और एक्सचेंज रेट में अस्थिरता आ रही है।

ध्यान रहे कि आरबीआई की स्थापना को 90 साल पूरे हो रहे हैं जिसके उपलक्ष्य में देश में जगह-जगह कार्यक्रम हो रहे हैं।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों को किस बात के लिए किया अलर्ट

आरबीआई गवर्नर ने दिल्ली में कहा कि बैंकों को सोशल मीडिया क्षेत्र में सतर्क रहना होगा, इसके साथ ही किसी भी बुरी स्थिति से निपटने के लिए अपने लिक्विडिटी बफर यानी बैंकों में लिक्विड मनी फ्लो यानी पूंजी प्रवाह को मजबूत बनाए रखना होगा।

रेमिटेंस को बढ़ाना और कैपिटल फ्लो के समय को कम करने की बड़ी गुंजाइश है-

शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं तीन एरिया पर ध्यान केंद्रित करने का प्रस्ताव करता हूं, यहां भविष्य में केंद्रीय बैंकिंग को फिर से रीडिफाइन किए जाने की संभावना है।

ये तीन क्षेत्र हैं - मौद्रिक नीति, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी (वित्तीय स्थिरता) और नई टेक्नोलॉजी।।ये आज के सम्मेलन में खास सेशन के टॉपिक में से भी हैं।

क्या हैं आरबीआई गवर्नर के सामने चुनौतियां

शक्तिकांत दास ने अपने संबोधन में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती को ध्यान में रखने का हिंट दिया है।

इसके अलावा बैंक ऑफ जापान और चीन के केंद्रीय बैंक के ताजा फैसलों को ध्यान में रखते हुए ऐसा कहना जरूरी हो चला है क्योंकि ग्लोबल इकोनॉमी के साझा खतरों और साझा हितों को ध्यान में रखते हुए भारत के केंद्रीय बैंक को कदम उठाने पड़ते हैं। ध्यान रहे कि आरबीआई की मौद्रिक नीति के फैसलों का एलान आरबीआई गवर्नर ने 9 अक्टूबर को किया जिसमें नीतिगत दरों जैसे रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया है।

76,132 के ऑल टाइम हाई पर सोना:चांदी 537 बढ़कर 90,500 प्रति किलो, साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है गोल्ड

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना आज यानी 14 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 509 रुपए बढ़कर 76,132 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसके दाम 75,623 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज बढ़त है। ये 537 रुपए बढ़कर 90,500 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 89,963 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,770 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपए है।

हैदराबाद : 22 कैरेट सोने की कीमत 7,115 प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमत 7,762 प्रति ग्राम है।एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है।

ईरान-इजरायल जंग के दौरान गिरे कच्चे तेल के दाम

भारत कैसे निपटेगा उठापटक के दौर से

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान-इजरायल जंग के दौरान अंतराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) के दाम में गिरावट देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड में 1.20 फीसदी की गिरावट के बाद 74.65 डॉलर प्रति बैरल के रेट देखे जा रहे हैं। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क यानी ब्रेंट क्रूड 1.21 फीसदी सस्ता हुआ है और ये 78.08 डॉलर प्रति बैरल के रेट पर आ गया है।

बीते दिन रविवार को उत्तरी इजराइल पर हमले से बदले हालात

इजरायली अधिकारियों के मुताबिक रविवार को बिन्यामीना के पास आईडीएफ बेस पर हिजबुल्लाह ने ड्रोन हमला किया। उत्तरी इजरायली शहर बिन्यामीना में इजरायली सेफ्टी फोर्स के चार सैनिक मारे गए और दर्जनों के घायल होने की खबरें हैं।

कच्चे तेल के रेट में उठापटक के दौर से कैसे निपट रहा भारत

ईरान-इजरायल संघर्ष के ज्यादा गहराने से पहले जब कच्चे तेल के दाम काफी स्थिरता दिखा रहे थे तो भारत में भी पेट्रोल-डीजल के रेट सस्ते होने की आशा-उम्मीदें सामने आने लगी थीं। हालांकि जैसे ही मिडिल ईस्ट में जंग के शोले भड़के, कच्चे तेल के दाम में आग लगने जैसी खबरें आने लगीं। साफ तौर पर भारत के लिए ये स्थिति थोड़ी असमंजस वाली थी, लिहाजा सरकारी सूत्रों के हवाले से ये बात आने लगी कि अभी सरकार देश में

पेट्रोल-डीजल के भाव घटाने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि अगर क्रूड ऑयल के दाम में ऐसी ही बढ़त रहेगी तो आगे चलकर देश के नागरिकों को उसकी आंच से बचाना पड़ेगा।

भारत कैसे निपटेगा इस उठापटक के दौर से

भारत अपनी तेल जरूरतों का 40 फीसदी इस समय रूस से आयात कर रहा है और ईरान से तेल इंपोर्ट काफी कम प्रतिशत है। इस कारण के चलते भारत में एकदम से तो घबराहट वाली स्थिति नहीं बनने की उम्मीद हैं, पर सरकार इन उपायों पर भी विचार कर रही है।। केंद्र सरकार इस समय कच्चे तेल में तेजी की संभावना से इंकार नहीं कर रही है और इसलिए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को निर्देश हैं कि वो कच्चे तेल में जारी उठापटक पर नजर रखें। कच्चा तेल महंगा होने के बाद रुपये में गिरावट आने की आशंका है। इसके अलावा आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के रेट पर फिलहाल राहत नहीं मिली है, हालांकि अगर सरकार चुनावी माइलेज लेने की कोशिश करेगी तो आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के पहले शायद ट्रांसपोर्ट फ्यूल सस्ता भी हो सकता है।

16000 करोड़ रुपये का कारोबार... सैटेलाइट इंटरनेट को लेकर यूं ही आमने-सामने नहीं हैं अंबानी और मस्क

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्या देश और एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी को दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क से डर लग रहा है? यह डर अमीरी का नहीं, बल्कि स्पेक्ट्रम नीलामी को लेकर है। दरअसल, मुकेश अंबानी ने सैटेलाइट इंटरनेट के लिए स्पेक्ट्रम नीलामी को लेकर केंद्रीय टेलीकॉम मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक लेटर लिखा है। इस लेटर में उन्होंने मंत्री से कहा है कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी की जानी चाहिए। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले देशों में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। ऐसे में इंटरनेट सेवा देने वाली कई कंपनियां भारत की ओर देख रही हैं। डेलोइट के अनुसार साल 2030 तक इसमें 36 फीसदी की तेजी आ सकती है। इस तेजी के साथ यह मार्केट 1.9 अरब डॉलर (करीब 16 हजार करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है। इतने बड़े कारोबार पर पकड़ बनाने के लिए मुकेश अंबानी और एलन मस्क आमने-सामने हैं।

सरकार ने खोल रखे हैं दरवाजे

देश में सैटेलाइट इंटरनेट को बढ़ावा देने के लिए सरकार भी कई प्रयास कर रही है। चूंकि सैटेलाइट इंटरनेट स्पेस में मौजूद सैटेलाइट के जरिए पहुंचाया जाता है, इसलिए सरकार ने स्पेस सेक्टर में एफडीआई के रास्ते खोल दिए हैं। इससे प्राइवेट कंपनियों को फंड की कमी नहीं रहेगी।

क्या है एलन मस्क का प्लान?

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भारत में अपनी हाई इंटरनेट सेवाएं शुरू करने का प्लान बना रही है। यह कंपनी सैटेलाइट के माध्यम से दुनिया के कई देशों में इंटरनेट की सेवाएं देती है। भारत में भी यह सैटेलाइट के माध्यम से ही इंटरनेट की सेवाएं देगी। दुनिया की कई एयरलाइंस भी हवाई यात्रा के दौरान स्टारलिंक का इंटरनेट इस्तेमाल करती है। इससे प्लेन में सफर करने वाले यात्री भी उड़ान के दौरान इंटरनेट का इस्तेमाल कर पाते हैं।

क्या है मुकेश अंबानी का प्लान?

मुकेश अंबानी भी सैटलाइट इंटरनेट के जरिए भारत में पैर पसारने की तैयारी में हैं। इनकी कंपनी रिलायंस जियो सैटेलाइट इंटरनेट का संचालन कर रही है। रिलायंस जियो अभी यूजर्स को फाइबर ब्रॉडबैंड की सुविधा दे रही है। मुकेश अंबानी के पास जियो ब्रॉडबैंड से जुड़े पहले से काफी यूजर्स हैं। ऐसे में रिलायंस जियो चाहती है कि सैटेलाइट इंटरनेट के जरिए उसके अधिक से अधिक कस्टमर बन सकें।

क्या चाहते हैं मुकेश अंबानी?

दरअसल, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम के आवंटन को लेकर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण रिलायंस जियो और स्टारलिंक के बीच में उलझ गई है। ट्राई ने कहा था कि घरेलू सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम का आवंटन होगा न कि नीलामी।

त्योहारी सीजन में महंगाई का झटका

थोक महंगाई दर सितंबर में बढ़कर 1.84 फीसदी हुई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। थोक मुद्रास्फीति में इस बार बढ़त देखी गई है और ये पिछले महीने यानी सितंबर में बढ़कर 1.84 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले साल के समान महीने यानी अगस्त 2023 में ये 1.13 फीसदी पर रही थी। वहीं सितंबर 2024 में थोक महंगाई दर 0.26 परसेंट पर रही थी। खाद्य उत्पादों की महंगाई दर में बढ़त के चलते मुख्य तौर से ये महंगाई दर तेज हुई है। हालांकि ये बढ़त बाजार विशेषज्ञों और अन्य जानकारों के अनुमान से कम रही है। सितंबर में थोक महंगाई दर 1.90 फीसदी पर आने का अनुमान था।

खाने-पीने के सामान की महंगाई कितनी बढ़ी

खाने-पीने के सामान की महंगाई दर खास तौर से बढ़ी है और 9 फीसदी के पार निकल गई है। इस साल सितंबर में थोक खाद्य महंगाई दर बढ़कर 9.47 फीसदी पर आ गई है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि खाने-पीने (खाद्य) की कीमतें जो रिटेल और थोक महंगाई दर दोनों में बड़ा वेटेज रखती हैं, वो सितंबर के महीने में खासी बढ़ोतरी दिखा चुकी हैं। अगस्त में जो थोक खाद्य महंगाई दर 3.26 फीसदी थी वो बढ़कर सितंबर में 9.47 फीसदी हो गईं हैं।

सितंबर में घटी फ्यूल एंड पावर सेगमेंट की थोक महंगाई दर

सितंबर में फ्यूल एंड पावर की कीमतों में गिरावट आई और पिछले महीने में 0.67 फीसदी की तुलना में -4.05 फीसदी पर आ गई जो बड़ा आंकड़ा है। इसके पीछे कारण है कि अच्छे मानसून के चलते देश के ज्यादातर इलाकों में बारिश हुई और मौसम सुहावना रहा जिसके चलते बिजली और ईंधन दोनों की डिमांड कम रही। इस डिमांड के कम होने का असर थोक फ्यूल एंड पावर सेगमेंट की दरों पर देखा गया और ये नीचे आई हैं।

इन वस्तुओं के आधार पर तय होती है महंगाई दर

खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों, मैन्यूफैक्चरिंग, मोटर व्हीकल, ट्रेलर्स और हाफ-ट्रेलर्स के कंस्ट्रक्शन, मशीनरी और इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरिंग आदि की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते देखी गई है।

महंगाई का होलसेल इंडेक्स संख्या और महंगाई दर के सभी वस्तुओं और डब्ल्यूपीआई घटकों के आधार पर थोक महंगाई दर में इजाफा देखा गया है।

बैंकिंग-आईटी शेयरों में खरीदारी के चलते शानदार तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निफ्टी 25000 के ऊपर क्लोज

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शुभ रहा है। निवेशकों की चौतरफा खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी रही जिसका क्रेडिट बैंकिंग और आईटी स्टॉक्स को जाता है। सेंसेक्स आज के सत्र में 82000 और निफ्टी 25000 के आंकड़े के पार जाने में सफल रहा। आज के ट्रेड में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी रौनक देखने को मिली है। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 591 अंकों की उछाल के साथ 81,973 अंकों पर क्लोज हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 164 अंकों की तेजी के साथ 25,127 अंकों पर बंद हुआ है।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 20 स्टॉक्स तेजी के साथ और 10 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 34 तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए। तेजी वाले शेयरों में टेक महिंद्रा 2.93 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.29 फीसदी, एल एंड टी 1.89 फीसदी, आईटीसी 1.78 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.63 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.55 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी 1.81 फीसदी, टाटा स्टील 1.49 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.18 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.67 फीसदी, नेस्ले 0.39 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.36 फीसदी, की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।

सेक्टरोल अपडेट

आज के कारोबार में बैंकिंग आईटी स्टॉक्स में बड़ी तेजी देखने को मिली है। निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स 1.26 फीसदी या 644 अंकों के उछाल के साथ क्लोज हुआ है। जबकि निफ्टी का आईटी इंडेक्स 537 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ है। इसके अलावा फार्मा, एफएमसीजी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑटो सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। गिरने वाले शेयरों में मेटल्स, मीडिया, कमोडिटीज शामिल है। आज के ट्रेड में निफ्टी का मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी शानदार उछाल के साथ बंद हुआ है।

मार्केट कैप में उछाल

शेयर बाजार में तेजी के चलते लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप उछाल के साथ क्लोज हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.76 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो इसके पहले कारोबारी सत्र में 462.27 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था। यानि बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में 1.49 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है।

50000 करोड़ रुपये का पोंजी स्कैम: 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी, रकम वापसी का अभियान शुरू

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। 50 हजार करोड़ रुपये के पर्ल ग्रुप पोंजी स्कैम मामले में अब 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटनी शुरू हो गई है। इस स्कीम में फंसे करीब 6 करोड़ निवेशकों को प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी धनराशि वापस करने के लिए अभियान शुरू किया है। ईडी ने कहा कि उसने पर्ल एग्रो ग्रुप की 700 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की डिटेल जस्टिस लोढ़ा कमिटी के साथ शेयर की है। लोढ़ा कमिटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया था। यह कमिटी जब्त की गई संपत्तियों के निपटान और पीड़ितों को धनराशि वापस करने का काम करती है।

सेबी ने लगाया था बैन

पर्ल एग्रो ग्रुप ने 18 वर्षों में 59 मिलियन (5.9 करोड़) निवेशकों से 49,100 करोड़ रुपये लिए थे। यह रकम 'अवैध' रूप से ली गई थी। सेबी ने इस ग्रुप पर इस प्रकार से पैसा इकट्ठा करने को लेकर बैन लगा दिया था। इस मामले की जांच एक दशक पहले उस समय शुरू हुई थी जब सीबीआई ने फरवरी 2014 में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी।

हवाला के जरिए दुबई भेजा गया था पैसा

ईडी की जांच में पता चला कि पर्ल ग्रुप के प्रमोटरों ने एक पोंजी स्कीम शुरू की थी। इसमें उन्होंने निवेशकों को प्लॉट आवंटित करने का वादा किया था। हालांकि, रिटर्न देने के बजाय प्रमोटरों ने कोलकाता में रजिस्टर्ड फर्जी संस्थाओं को धनराशि ट्रांसफर कर दी। फिर इन कंपनियों से नकदी के रूप में पैसा निकाला गया और हवाला चैनलों का उपयोग करके दुबई भेजा गया। इसके बाद इन पैसे को होटल और रिजॉर्ट खरीदने के लिए कई देशों में निवेश किया गया।

ऑस्ट्रेलिया में खपाई सबसे ज्यादा रकम

जांच में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में संपत्ति खरीदने में बड़ा निवेश किया गया था। 2018 में ईडी ने पीएसीएल और उसके प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू की ऑस्ट्रेलिया में 462 करोड़ रुपये की दो संपत्तियां जब्त कीं। चार साल बाद भारत में भंगू के ग्रुप की संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़ी 244 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

हॉस्पिटल में इलाज कराना हुआ महंगा, अब इन लोगों को देना पड़ेगा अधिक चार्ज

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब अस्पतालों में इलाज कराना पहले से अधिक महंगा हो रहा है, क्योंकि कई अस्पतालों ने मरीजों से 'सर्ज प्राइस' या 'पीक चार्ज' लेना शुरू कर दिया है। यह शुल्क तब लागू होता है जब अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती होते हैं या ऑपरेशन थिएटर व्यस्त होते हैं। यह ट्रेंड ठीक उसी तरह है जैसे हवाई जहाज की टिकट में होता है, जहां यात्रियों की संख्या बढ़ने पर टिकट के दाम भी बढ़ जाते हैं। जिस तरह फ्लाइट में पहले टिकट बुक कराने पर सस्ती टिकट मिलती है, लेकिन आखिरी समय में महंगी टिकट मिलती है, वैसा ही अस्पतालों में इलाज के साथ हो रहा है।'हेल्थ सेक्टर में यह नया चलन तेजी से उभर रहा है। अस्पताल अब ऑपरेशन थिएटर में अधिक व्यस्तता के चलते अतिरिक्त 'सर्ज चार्ज' ले रहे हैं। जैसे-जैसे ऑपरेशन थिएटर भरते जाते हैं, मरीजों से लिया जाने वाला चार्ज भी बढ़ता जाता है। इससे न केवल मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है, बल्कि स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए भी यह नई चुनौती पैदा कर रहा है।स्वास्थ्य बीमा से जुड़े एक अधिकारी के

मुताबिक, साल-दर-साल इलाज का खर्च लगातार बढ़ रहा है, और महंगाई की दर सामान्य से 14% ज्यादा है। इस 'सर्ज प्राइसिंग' की वजह से इलाज का खर्च लगभग 20% बढ़ गया है। यहां तक कि रूटीन प्रोसिजर्स जैसे लेप्रोस्कोपी या हिस्टेरेक्टोमी जैसी प्रक्रियाओं पर भी पीक चार्ज लागू हो रहा है, जो पहले सामान्य हुआ करती थीं। अस्पतालों ने अपने इलाज के तरीके में भी बदलाव करना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए, एंजियोप्लास्टी की प्रक्रिया को पहले एक व्यापक पैकेज के तहत पेश किया जाता था, जिसमें एंजियोग्राम और स्टेंटिंग दोनों को एक साथ बंडल किया जाता था। लेकिन अब कई अस्पतालों ने इसे अनबंडल कर दिया है, जिसके तहत एंजियोग्राम और स्टेंटिंग के लिए अलग-अलग शुल्क लिया जा रहा है। इससे मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और बीमा कंपनियों के लिए इलाज की लागत का अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	04-16 बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	तुला...	06-24 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	08-33 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	10-45 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	12-51 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	14-44 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	16-24 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	17-56 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	19-41 बजे
			मिथुन	21-41 बजे
			कर्क--	23-53 बजे
			सिंह---	02-06 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-12 सूर्यास्त. - 17-58
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी **00-19** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - आश्विन शुक्ल , मंगलवार **15 October**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद **00-42** तक उ.भाद्रपद
योग - वृद्धि **14-13** तक उप ध्रुव
करण- कौलव **14-03** तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भौम प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:57 से 16:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:12 - 07:38 अशुभ	काल	17:52 - 19:25 अशुभ
उत्पात	07:38 - 09:06 अशुभ	लाभ	19:25 - 20:57 शुभ
चंचल	09:06 - 10:34 शुभ	उत्पात	20:57 - 22:30 अशुभ
लाभ	10:34 - 12:02 शुभ	शुभ	22:30 - 00:02 शुभ
अमृत	12:02 - 13:29 शुभ	अमृत.	00:02 - 01:34 शुभ
काल	13:29 - 14:57 अशुभ	चंचल	01:34 - 03:06 शुभ
शुभ.	14:57 - 16:25 शुभ	रोग.	03:06 - 04:38 अशुभ
रोग	16:25 - 17:52 अशुभ	काल.	04:38 - 06:12 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी से।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है । आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें | ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी । आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं । सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है। ख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संक्रमण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चुनाव में हार, गर्लफ्रेंड की हत्या, लॉरेंस कैसे बना गैंगस्टर

नाबालिग लड़कों का स्लीपर सेल बनाया, 700 शूटर्स, सिद्दीकी की हत्या की ली जिम्मेदारी

अमृतसर, 14 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। एनसीपी अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। उसकी गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर लिखा है, 'सलमान खान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं।' इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप और अनमोल बिश्नोई को हैशटैग किया गया है। फिलहाल पुलिस पोस्ट की जांच कर रही है। लॉरेंस अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। इसी साल 14 अप्रैल को सलमान के घर के बाहर फायरिंग में भी उसका नाम आया था। लॉरेंस बिश्नोई कौन है, वह गैंगस्टर कैसे बना, जेल में रहते हुए भी वह कैसे बड़े अपराधों को अंजाम देता है। 12 फरवरी 1993, जगह पंजाब का फाजिल्का। एक पुलिस कॉन्स्टेबल के घर एक बच्चे का जन्म हुआ। बच्चा गोरा-चिट्टा था। मां ने उसका नाम रखा लॉरेंस। लॉरेंस एक क्रिश्चियन नाम है, जिसका मतलब साफ और चमकता हुआ सफेद होता है। हालांकि, पुलिस रिकॉर्ड में लॉरेंस का नाम सतविंदर सिंह है। लॉरेंस बचपन से ही काफी एक्टिव और स्पोर्टी था। वह कुश्ती लड़ता था, लेकिन उसके पिता का सपना था कि बेटा आईएएस ऑफिसर बने। अबोहर से 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद लॉरेंस चंडीगढ़ चला गया। यहां उसने डीएवी कॉलेज में दाखिला लिया। धीरे-धीरे उसने छात्र राजनीति में दिलचस्पी लेनी शुरू की और यहीं उसकी दोस्ती गोल्डी बराड़ से हुई। वही गोल्डी बराड़, जो विदेश में बैठकर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम करता है। 2011 में लॉरेंस ने चुनाव लड़ने के लिए एक संगठन बनाया। नाम रखा 'स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन ऑफ पंजाब यूनिवर्सिटी' यानी एसओपीयू। इसी बैनर तले उसने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गया। हार के बाद लॉरेंस अपमानित महसूस करने लगा। उसके मन में बदला लेने का भूत सवार हो गया। उसी साल उसने एक रिवॉल्वर खरीदी और उस गैंग से जा भिड़ा जिसके हाथों उसकी हार हुई थी। दोनों गैंग के बीच बहस और हाथापाई हुई। इसी बीच लॉरेंस ने फायरिंग कर दी। तब पंजाब पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया था। लॉरेंस के खिलाफ ये पहला मामला था। इसके बाद लॉरेंस ने अवैध गतिविधियों में शामिल होना शुरू कर दिया। वह गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया और रॉकी फाजिल्का की गैंग से जुड़ गया। भगवानपुरिया गुरदासपुर का रहने वाला था। उसने लॉरेंस को न केवल धंधे के गुर सिखाए बल्कि उसे अपने कामों में खुली छूट भी दी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉलेज में पढ़ाई के दौरान लॉरेंस की एक लड़की से दोस्ती थी, जो बाद में प्यार में बदल गई। चुनाव हारने के बाद होने वाली गैंगवार में उसकी गर्लफ्रेंड की हत्या हो गई। जिसके बाद उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा। आगे चलकर लॉरेंस की दोस्ती संपत नेहरा से हुई। संपत पुलिस इंस्पेक्टर का बेटा था। उसे भी स्पोर्ट्स में खासी दिलचस्पी थी। लॉरेंस, गोल्डी और संपत ने मिलकर पंजाब के साथ-साथ हरियाणा में भी अपराध को अंजाम देना शुरू किया। इस तिकड़ी ने हरियाणा में काला जठेड़ी और दिल्ली में जितेंद्र गोगी के साथ गठबंधन किया। राजस्थान में आनंदपाल और बाद में उसकी शिष्या अनुराधा साझेदार बन गए। यहीं से लॉरेंस बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम में शामिल हो गया। वो शराब माफिया, ड्रग स्मगलर्स और बिजनेसमैन से फिरौती मांगने लगा। 2012-13 में उस पर केस दर्ज हुए, तो उसने घर छोड़ दिया। फिर ग्रुप के साथ अलग-अलग शहरों में रहने लगा। 2014 में लॉरेंस बिश्नोई को राजस्थान में गिरफ्तार करके भरतपुर जेल भेजा गया था। हालांकि, वह ज्यादा दिनों तक पुलिस गिरफ्त में नहीं रह सका। जब उसे पेशी के लिए मोहाली ले जाया जा रहा था तो वो वहां से पुलिस हिरासत से फरार हो गया। वह भागकर नेपाल पहुंच गया। कई महीनों तक वह नेपाल में रहा और वहीं से अपनी गतिविधियां चलाता रहा। 2016 में लॉरेंस को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। तब से अभी तक वह जेल में बंद है। लॉरेंस के खिलाफ हत्या और जबरन वसूली सहित दो दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। ईडी और एनआईए उसके खिलाफ जांच कर रही हैं। 30 अगस्त 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने

लॉरेंस के ऊपर सीआरपीसी की धारा 268 (1) भी लगा दी थी, ताकि उसे किसी भी हाल में साबरमती जेल से एक साल तक बाहर लाया ही न जा सके। उसकी पेशी अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होती है।

29 मई 2022, मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला थार में बैठकर चाट खाने के लिए जा रहे थे। ये गाड़ी उनके एक फैन ने दी थी। कुछ दूर चलने के बाद मूसेवाला को लगा कि कोई उनका पीछा कर रहा है, लेकिन उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। चंद मिनटों में एक गाड़ी ओवरटेक करते हुए सिद्धू के गाड़ी के आगे आ गई। एक युवक ने सिद्धू पर बंदूक तान दी। फौरन सिद्धू ने भी फायर करना शुरू कर दिया। दोनों तरफ से करीब एक मिनट तक फायरिंग होती रही। इस गोलाबारी में सिद्धू की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिद्धू के शरीर पर 24 गोलियों के निशान मिले थे। लॉरेंस के साथी गोल्डी बराड़ ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। उसने तिहाड़ जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई के साथ मिलकर मूसेवाला की हत्या की पूरी प्लानिंग की और फिर अपने शूटरों के जरिए हत्या को अंजाम दिया। जनवरी 2023, राजस्थान की राजधानी जयपुर के जी क्लब में पार्टी चल रही थी। रात करीब साढ़े 11 बजे कुछ बदमाश यहां पहुंचे। पार्टी कर रहे लोगों से उनकी कहासुनी हुई तो वे बदमाश वापस लौट गए। कुछ ही मिनट के बाद दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आए और क्लब के गेट पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। करीब 10 मिनट तक वे लगातार फायरिंग करते रहे। जी क्लब के सुरक्षा गार्डों ने अंदर और बाहर का मुख्य गेट बंद कर दिया था। ऐसे में फायरिंग के दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। बाद में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रितिक बॉक्सर नाम के एक शख्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके हमले की जिम्मेदारी ली।

5 दिसंबर 2023, राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव गोगामेड़ी के घर तीन बदमाश घुसे और दनादन गोलियां चलाने लगे। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को गंभीर हालत में मानसरोवर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस हमले में एक शूटर की भी जान चली गई। लॉरेंस गैंग के रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके हमले की जिम्मेदारी ली। 14 अप्रैल 2024, सुबह का 4.51 का वक्त। दो बाइक सवार अभिनेता सलमान खाने के बांद्रा वाले गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंचे। दोनों ने 5 राउंड फायरिंग की। इस फायरिंग में एक गोली सलमान के घर की दीवार पर लगी, वहीं एक गोली सलमान के घर पर लगे नेट को चीरती हुई उनके ड्राइंग रूम की दीवार पर लगी। फायरिंग के बाद दोनों शूटर्स अपनी बाइक मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। बाद में लॉरेंस के भाई अनमोल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर हमले की जिम्मेदारी ली थी। लॉरेंस गैंग में पेशेवर निशानेबाज शामिल हैं। वे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश से काम करते हैं और उनका नेटवर्क दुनिया भर में फैला हुआ है। कहा जाता है कि उसके गिरोह में 700 से ज्यादा शूटर्स हैं, जिनमें 300 से ज्यादा पंजाब से जुड़े हैं। हालांकि, गैंग सिर्फ दो लोगों के आदेश पर चलती है। पहला लॉरेंस बिश्नोई और दूसरा गोल्डी बराड़। बड़ा क्राइम करने का फैसला लॉरेंस बिश्नोई का होता है। जेल में रहते हुए लॉरेंस हवाला के जरिए अपने शूटर्स तक पैसे पहुंचाता है। लॉरेंस के गुर्गे शराब कारोबारियों, व्यापारियों और सटोरियों के नंबर जेल में उसके पास पहुंचाते हैं। लॉरेंस धमकी देकर इन लोगों से करोड़ों की वसूली करता है।

सीजी भर्ती धांधली, 18 अभ्यर्थियों के घर सीबीआई रेड

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) घोटाले में सीबीआई ने छापेमारी शुरू कर दी है। 2021 में जिन 18 अभ्यर्थियों के चयन में धांधली का शक है, उन सभी के घर पर छापा मारकर जांच की गई। कुछ अभ्यर्थियों के घरों में 2 दिन तक तलाशी चली है। बताया जा रहा है कि 12 अक्टूबर को छापेमारी की गई थी। अभ्यर्थियों के घर मिले 300 से ज्यादा किताबों और नोटबुक को पढ़ा गया। मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप की जांच की गई। कुछ अभ्यर्थियों के घरों से हार्ड डिक्स और पैन ड्राइव जब्त की गई। अभ्यर्थियों और परिजन के बैंक खाते की जांच की जा रही है। पीएससी सचिव जीवन किशोर के बेटे सुमित ध्रुव, पिछली सरकार में राज्यपाल के सचिव रहे अमृत खलखो की बेटी नेहा और बेटा निखिल, डीआईजी ध्रुव की बेटी साक्षी, कांग्रेस नेता की बेटी अनन्या अग्रवाल, कांग्रेस नेता के दामाद शशांक गोयल, मंत्री के ओएसडी के साढ़ू की बेटी खुशबू बिजौरा से भी पूछताछ की है। सीबीआई संदिग्ध अभ्यर्थियों और पीएससी के अधिकारियों का पिछले 5 साल का कॉल डिटेल और लोकेशन निकाल रही है। सीबीआई की टीम प्रश्न पत्र छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस भी गई थी। वहां के मालिक और कर्मचारियों का बयान भी दर्ज किया गया है। सीबीआई की टीम ने पहले पीएससी के तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के घर की जांच की। उसके बाद टामन के भतीजे नीतेश, बड़े भाई के बेटे साहिल, बहू निशा कोसले, भाई की बहू दीपा अजगले, बहन की बेटी सुनीता जोशी के घरों की तलाशी ली। इसके साथ ही कांग्रेस नेता के बेटे राजेंद्र कौशिक, कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला की बेटी स्वर्णिम, मीनाक्षी गनवीर के घरों की जांच की गई। उम्मीदवारों से सीबीआई ने लंबी पूछताछ भी की है। सभी उम्मीदवारों को पूछताछ के लिए अब दफ्तर बुलाने की तैयारी है। दो माह पहले सीबीआई ने नवा रायपुर स्थित पीएससी दफ्तर में भी छापेमारी की थी। वहां से दस्तावेज, कंप्यूटर समेत परीक्षा से संबंधित कुछ रिकॉर्ड जब्त किए। दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों की ओएमआर सीट भी जांच के लिए ली गई है। सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

सीबीआई पड़ताल कर रही है कि किस अभ्यर्थी का इंटरव्यू किस बोर्ड में हुआ है। पीएससी ने इंटरव्यू के लिए तीन अलग-अलग बोर्ड बनाए थे। एक बोर्ड में तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह थे। उनके अलावा दो और बोर्ड था। सीबीआई देख रही है कि किस बोर्ड से सबसे ज्यादा लोगों का चयन हुआ है। सदस्यों का चयनित अभ्यर्थियों या परिजन से कोई संबंध तो नहीं है। उनका 5 साल का गूगल लोकेशन से लेकर वाट्सएप चैट तक निकाला जाएगा। सीजीपीएससी 2019 से 2022 तक की भर्ती में कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर विवाद है। ईओडब्ल्यू और अर्जुंदा पुलिस ने भ्रष्टाचार-अनियमितता के आरोप में केस दर्ज किया है।

मंत्री के भाई-पीएस के घर समेत 20 जगह ईडी रेड

आईएएस मनीष रंजन के करीबी, कई इंजीनियर्स के घर छापेमारी, रांची और चाईबासा में कार्रवाई

रांची, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड में ईडी की कार्रवाई तेज हो गई है। राजधानी रांची, चाईबासा सहित 20 जगह पर ईडी ने सोमवार सुबह से ही दबिश दी है। जानकारी के मुताबिक ईडी की रेड हेमंत सोरेन सरकार के पेयजल व स्वच्छता विभाग मंत्री मिथिलेश ठाकुर के पीएस हरेंद्र सिंह के ठिकानों पर हुई है। साथ ही आईएएस मनीष रंजन के करीबी, मंत्री के भाई विनय ठाकुर के अलावा कई इंजीनियर्स के घर छापेमारी जारी है। यह छापेमारी जल-जीवन मिशन में हुई अनियमितता से जुड़ा हुआ है।

रांची में मोरहाबादी के हरिहर सिंह रोड, रातू रोड में इंद्रपूरी और चाईबासा में छापेमारी हुई है। फिलहाल छापेमारी वाले सभी लोकेशन पर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गयी है। आज की कार्रवाई से 6 दिन पहले भी ईडी ने झारखंड में दबिश दी थी। बीते

मंगलवार को राजधानी रांची और कोयला नगरी धनबाद में ईडी की टीम ने छापेमारी की। ईडी ने धनबाद शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित झाड़ूडीह के देव बिहार अपार्टमेंट में धनबाद डीटीओ सीपी दिवाकर द्विवेदी के आवास पर रेड डाली थी। साथ ही रांची के बरियातू स्थित राधे कृष्णा गार्डन में भी ईडी की छापेमारी हुई थी। ये मामला ईडी के नाम पर वसूली से जुड़ा था। बता दें, इससे पहले झारखंड सरकार के एक मंत्री आलमगीर आलम कैश कांड में फंसे थे। फिलहाल झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम कैश कांड मामले को लेकर जेल में बंद हैं। 6 मई को ईडी ने उनके पीएस संजीव लाल और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर रेड मारी थी। इसमें 32 करोड़ 20 लाख रुपये कैश की बरामदगी हुई थी। पूछताछ के दौरान इस मामले में मंत्री को पीएस संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को 6 मई की देर रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था। 15 मई की शाम मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके पहले उनसे 14 और 15 मई को कुल मिलाकर करीब 14 घंटे पूछताछ की गई थी। बाद में उन्हें ईडी ने कोर्ट में पेश किया। जहां ईडी ने कोर्ट को बताया कि ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर कमीशन घोटाले में इंजीनियर, अधिकारी व मंत्री का एक संगठित गिरोह सक्रिय था। ईडी ने नमूने के तौर पर जनवरी महीने में पारित 92 करोड़ के 25 टेंडर के ब्यौरे से संबंधित एक पेपर भी कोर्ट में जमा किया था, जिसमें यह स्पष्ट लिखा हुआ है कि मंत्री आलमगीर आलम ने सभी 25 टेंडर में कमीशन के रूप में 1.23 करोड़ रुपए लिए थे।

देवर ने भाभी पर हथौड़े से किया हमला

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर के गोबरा नवापारा में देवर ने अपनी भाभी पर हथौड़े से हमला कर दिया है। हमले में महिला के पति और बच्चों को भी चोंटे आई है। शराब पीकर गाली गलौज करने से मना करने पर हमला किया है। मामला नवापारा थाना क्षेत्र का है। आरोपी की भाभी नंदिनी सेन ने रविवार को नवापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि वह शीतलापारा में रहती हैं। 12 अक्टूबर की रात 11 बजे वह घर पर थी। इस दौरान उसका देवर तिलक शराब पीकर घर आया। गाली गलौज करने लगा।

इस दौरान नंदिनी सेन ने जब उसने गाली देने से मना किया तो तिलक सेन, देवर सूरज सेन, प्रिंस सेन और शशि सेन पुरानी बातों को लेकर जान से मारने की धमकी देने लगे। इस बीच आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। महिला का पति लेखराम सेन और बच्चे बीच बचाव करने आए तो आरोपियों ने मिलकर रॉड से हमला कर दिया।

गैंगस्टर अमन साव को किया गया रायपुर कोर्ट में पेश

लॉरेंस-बिश्नोई के करीबी को झारखंड से 40 पुलिसकर्मी लेकर पहुंचे, कारोबारी पर करवाई थी फायरिंग

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई के करीबी गैंगस्टर अमन साव को रायपुर कोर्ट लेकर पुलिस पहुंची है। उसे जस्टिस भूपेश कुमार बसंत की कोर्ट में पेश किया गया है। रायपुर पुलिस ने उसे एक दिन पहले ही प्रोडक्शन वारंट पर झारखंड से गिरफ्तार किया था। इसके बाद 40 पुलिसकर्मियों की टीम सोमवार तड़के उसे रायपुर लाई। अमन साव तेलीबांधा क्षेत्र में कारोबारी प्रह्लाद राय अग्रवाल पर गोली चलवाने का मुख्य आरोपी है। प्रह्लाद राय का पीआरए कंस्ट्रक्शन के नाम से ऑफिस है। यहां 13 जुलाई को अमन साव के गुर्गों ने गोली चलाई थी। इस गोलीकांड में अमन साव के अलावा लॉरेंस बिश्नोई का नाम भी सामने आया था। अमन साव को रायपुर प्रोटेक्शन वारंट में लाने पर रायपुर पुलिस को पांचवीं बार में सफलता मिली। इससे पहले चार बार रायपुर पुलिस के अधिकारी प्रोटेक्शन वारंट पर रायपुर लाने की मांग कर चुके थे, लेकिन हर बार

उनकी मांग को नकार दिया जाता था। शनिवार को दोनों प्रदेश के पुलिस अधिकारियों के बीच चर्चा हुई और उसके बाद प्रोटेक्शन वारंट पर रायपुर लाने की मंजूरी मिली और रविवार की शाम को अमन साव को रायपुर के लिए रवाना किया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार अमन साव को रायपुर लाने के लिए 10 सदस्यों की टीम पहुंची थी। इस टीम को लीड एसीसीयू प्रभारी कर रहे हैं। टीम के अलावा अमन साव को रायपुर तक पहुंचाने के लिए झारखंड पुलिस की तरफ से 30 सदस्यों की टीम मिली है। ये टीम हाईटेक हथियारों से लैस है। अमन साव को रायपुर लाने के बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा और वहां से उसकी रिमांड रायपुर पुलिस मांगेगी। रिमांड में लेने के बाद आरोपी से पूछताछ की जाएगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, गैंगस्टर अमन साव पहली बार 2019 में गिरफ्तार हुआ था। लेकिन 29 सितंबर 2019 को ही वह फरार हो गया। पुलिस ने उसे 3 साल बाद जुलाई 2022 में दोबारा गिरफ्तार किया। साव अभी झारखंड के गिरिडीह जेल में बंद है।

अगले 2 दिन में विदा हो जाएगा मानसून

रायपुर सहित कई इलाकों से लौटा, शुष्क हवाओं के आने से अब रातें होंगी ठंडी

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी छत्तीसगढ़ के बाद रायपुर समेत दुर्ग, राजनांदगांव और महासमुंद से भी रविवार को लौट गया। प्रदेश के इन हिस्सों में अब नमी युक्त हवाओं का प्रभाव खत्म होने लगा है। शुष्क (ड्राई) हवाओं के आने से अब रात के तापमान में गिरावट आएगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो-तीन दिनों में प्रदेश के बाकी हिस्सों से भी मानसून लौट सकता है। पिछले दो दिनों से मानसून की वापसी रेखा उत्तरी छत्तीसगढ़ के कोरिया, बलरामपुर, पेंड्रा रोड और अंबिकापुर तक थी। रविवार को उत्तर-पूर्वी हवाओं ने आगे बढ़ते हुए मध्य छत्तीसगढ़ के बड़े हिस्से को कवर कर लिया। रविवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी और एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सुकमा में 30 मिमी बारिश हुई। प्रदेश में सबसे ज्यादा दिन का तापमान 35.4°C दंतेवाड़ा में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.7°C नारायणपुर में दर्ज किया गया। बिलासपुर में अब मानसून की विदाई हो चुकी है। इस दौरान जून से लेकर अब तक 45.74 इंच यानी कि 1 हजार 162 मिलीमीटर बरसात हुई। अच्छी फसल होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी से ठंड की दस्तक देने की संभावना है। अगले सप्ताह तक गुलाबी ठंड शुरू हो सकती है। रायपुर समेत प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में इस समय दिन का तापमान काफी बढ़ा हुआ है। रायपुर में दिन का पारा सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक रहा। इस वजह से हल्की गर्मी महसूस हो रही है। हालांकि वातावरण में नमी की वजह से कहीं-कहीं पर बारिश भी हो रही है। इसलिए गर्मी और नमी के कारण उमस बनी हुई है। रायपुर में आज अधिकतम तापमान 35°C और न्यूनतम तापमान 25°C के आसपास रहने की संभावना है।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में कैदियों के बीच गैंगवार

वर्चस्व की लड़ाई में भिड़ंत, हत्या आरोपी और ड्रग्स डीलर में पहले से दुश्मनी

बिलासपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर सेंट्रल जेल में दशहरा पर्व कर शाम कैदियों के बीच गैंगवार हो गई। वर्चस्व की लड़ाई के चलते एक विचाराधीन बंदी नवीन निर्मलकर पर चम्मच से बनाए हथियार से अन्य कैदियों ने हमला किया गया। उसे इलाज के बाद सुरक्षा के बहाने एक अलग सेल में डाला गया है। जानकारी के मुताबिक, सेंट्रल जेल में हमलावर बदमाशों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। नवीन नशे का सामान बेचने के आरोप में तीन दिन पहले ही जेल गया है। चौथे दिन उस पर अटैक हुआ है। आरोपी और हमलावर दोनों पर पहले से हत्या का केस दर्ज है। दोनों में दुश्मनी भी है। दरअसल, सिरगिट्टी थाने की पुलिस ने तीन दिन पहले नशीली कफ सिरप बरामद की थी। इस मामले के आरोपी नवीन निर्मलकर को गिरफ्तार जेल भेजा गया था। इसी बीच नवीन जेल में ही दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन से पहले दशहरा पर्व की शाम पूजा करने गया था। इसी दौरान हत्या के केस में बंद विचाराधीन बंदी लोकेश तिवारी ने घात लगाकर अचानक कटनी (चम्मच को घिसकर बनाया गया हथियार) से नवीन पर हमला कर दिया। कैदियों की भिड़ंत देख बाकी बंदियों में भगदड़ मच गई। यह देख जेल प्रहरी मौके पर पहुंचे और नवीन को अलग सेल में शिफ्ट किया। बताया जा रहा है कि जेल में हत्या के केस में बंदी गणेश तिवारी का केस पार्टनर लोकेश तिवारी है। गणेश तिवारी ने चुचुहियापारा में पान ठेला संचालक की हत्या का आरोपी है। इस केस में उसका सगा भतीजा लोकेश तिवारी भी आरोपी है। गणेश तिवारी आए दिन जेल में वर्चस्व बनाने की कोशिश में लगा रहता है। कुछ समय पहले उसने एक कैदी पर हमला करने का प्रयास किया था।

छड़वा डैम से युवक का शव बरामद

हजारीबाग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेलावल ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत छड़वा डैम से सोमवार की सुबह एक 22 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। मृत युवक की पहचान थाना क्षेत्र के कंचनपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम कंचनपुर निवासी धर्मेन्द्र कुमार पिता संतोष गोप के रूप में की गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक धर्मेंद्र कल रात से लापता था और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। सोमवार की सुबह में डैम की तरफ मॉर्निंग वॉक करने गए लोगों ने पल के पास एक जोड़ी चप्पल एक मोटरसाइकिल दिखा साथ ही पानी पर तैरते हुए एक शव भी दिखा। लोगों ने इसकी जानकारी पंचायत के मुखिया पिंकी राणा तथा उनके पति सह भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता अशोक राणा को दिया। जानकारी मिलते हैं लोग डैम पहुंचे और मामले से पेलावल थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय को अवगत कराया।

जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकलवाया और इसकी सूचना परिजनों को दिया। आवश्यक कागजी कार्रवाई करने के पश्चात शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में अस्पताल हजारीबाग भेज दिया। इधर कटकमसांडी के पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा भी घटना स्थल पर पहुंचकर घटना से सांसद मनीष जायसवाल को भी अवगत कराया।

दुर्गा विसर्जन का रूट बदलने पर भड़के लोग, लाठीचार्ज

डीएसपी समेत कुछ पुलिसकर्मी घायल, स्थानीय लोगों को भी चोट लगी, 250 पर एफआईआर

गढ़वा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। मूर्ति विसर्जन के दौरान पुलिस ने विवादित रास्ते को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया था, लेकिन ग्रामीण प्रतिमा को उसी रास्ते से ले जाने के लिए अड़े थे। ग्रामीण बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच पुलिस-ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस को भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। इसी बीच ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें डीएसपी रंका रोहित रंजन सिंह सिर में चोट लगने की वजह से घायल हो गए। एसपी (अभियान) राहुल देव बड़ाइक को भी चोट आई है। ग्रामीणों ने पुलिस के कई वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया है। उनका आरोप था कि पुलिस ने ग्रामीणों पर फायरिंग की। घटना के बाद स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इलाके में पुलिस बल तैनात है। भारी संख्या में ग्रामीण दुर्गा पूजा पंडाल में जमा थे।

इधर, गढ़वा के पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। वहीं मौके पर पहुंचे कमिश्नर ने विवाद को सुलझाते हुए पहले से निर्धारित रूट से ही रात 10 बजे मूर्ति विसर्जन करवाई। इस दौरान विधायक आलोक चौरसिया भी शोभा यात्रा में मौजूद रहे।

दरअसल, भंडरिया थाना क्षेत्र के मदगड़ी गांव में पिछले कुछ सालों से दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन को लेकर रास्ते का विवाद चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे जिस तालाब में प्रतिमा का विसर्जन करना चाहते हैं। उस तक जाने वाला रास्ता बृजेश्वर साहू के घर से होकर जाता है। हालांकि, इस मार्ग में तीन मकान दूसरे समुदाय के लोगों के हैं, जो प्रतिमा विसर्जन के लिए रास्ता देने से इनकार करते हैं।

जनता अब स्वयं न्याय करने निकल पड़ी है

सूरजपुर हिंसा पर भड़के भूपेश बघेल, टीएस बाबा ने कहा- अब खमोशी नहीं

रायपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में डबल मर्डर के बाद तनाव के हालात हो गए हैं। भीड़ ने आरोपी के गोदाम में आगजनी की है। वहीं, दूसरी तरफ इस मामले में सियासत भी शुरू हो गई है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। वहीं, बीजेपी ने भी पलटवार किया है। डेप्युटी सीएम अरुण साव ने कहा कि अगर इस मामले में किसी भी तरह की प्रशासनिक गलती सामने आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूरजपुर प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात कर दिया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा- ये क्या हो रहा है हमारे छत्तीसगढ़ में? लगने लगा है कि शांति का टापू कहे जाने वाले हमारे प्रदेश से कानून नाम की चीज़ समाप्त हो चुकी है। सूरजपुर में प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की हत्या कर दी गई। उसी हत्यारे ने इस घटना से पहले एक आरक्षक पर गर्म तेल उड़ेला था।

जनता के मन में कानून व्यवस्था और सरकार से पूरी तरह विश्वास इस कदर उठ चुका है कि जनता अब स्वयं न्याय करने निकल पड़ी है। भूपेश बघेल ने कहा- घरों में आगजनी की घटनाएं सुनकर व्यथित हूं। कवर्धा के लोहारीडीह में भी यही हुआ था। इससे पहले लोगों ने कलेक्ट्रेट में आग लगा दी थी। मैं सभी से शांति की अपील करता हूं और विनम्र प्रार्थना करना चाहता हूं कि वे कानून व्यवस्था अपने हाथों में न लें। शासन प्रशासन से स्थिति नियंत्रित करने की अपेक्षा है। पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव वे कहा- सभी छत्तीसगढ़ वासी बहुत ही कष्ट के साथ प्रदेश को एक 'भयावह अपराध प्रदेश' में तब्दील होते हुए देख रहे हैं।

पूर्व ब्रिटिश पीएम जॉनसन की किताब में मोदी की तारीफ

लिखा– वे बदलाव लाने वाले नेता, नेहरू कहते थे भारत हमेशा रूस का साथ देगा

लंदन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन ने अपने जीवन की घटनाओं पर एक किताब लिखी है। इस किताब का नाम 'अनलीश्ड' है। इस संस्मरण में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने लिखा कि मोदी ऐसे चेंज मेकर नेता हैं, जिसकी हमें जरूरत है। जॉनसन ने किताब में एक चैप्टर भारत के लिए लिखा है। इस चैप्टर का नाम 'ब्रिटेन एंड इंडिया' है। इसमें उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों के बारे में बताया है। उनकी यह किताब 10 अक्टूबर को पब्लिश हो चुकी है। अब यह ब्रिटेन के बुकस्टोर्स और ऑनलाइन मिल रही है। जॉनसन ने ये भी बताया है कि भारत के पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू ने ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ II से कहा था कि भारत हमेशा रूस के साथ रहेगा। जॉनसन ने लिखा है कि जब वे पहली बार मोदी से मिले तो उन्हें एक अनोखी एनर्जी महसूस हुई। उन्होंने लिखा कि वे नवंबर 2015 में जब लंदन के मेयर थे तब मोदी से पहली बार मिले थे। जॉनसन ने दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड पैक्ट की पहल के लिए खुद को क्रेडिट दिया। जॉनसन जनवरी 2022 में भारत दौरे पर आए थे। उन्होंने कहा कि यह दौरा बहुत सफल रहा और इससे उनका मनोबल बढ़ा। जॉनसन ने कहा कि वे इस दौरे पर पीएम मोदी से यूक्रेन और रूस के बीच विवाद को लेकर भी बातचीत करना चाहते थे।

जॉनसन की भारत यात्रा के एक महीने बाद ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। जॉनसन ने लिखा है कि वे भारत की गुट निरपेक्षता की नीति को समझते हैं। भारत के साथ रूस का दशकों पुराना रिश्ता है। भारत हाइड्रोकार्बन के लिए रूस पर निर्भर है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बदलाव का समय है।

रूसी मिसाइलें कम कारगर साबित हो रही हैं। ऐसे में क्या भारत अपने सैन्य हथियारों के लिए रूस पर ही निर्भर रहना चाहेगा? उन्होंने लिखा कि ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय हमेशा रूस के साथ बढ़ती निकटता को लेकर परेशान रहता है। मगर मैंने इन परेशानियों को दूर किया। मैंने भारत के साथ सैन्य सहायता को बढ़ाकर साथ काम करने के लिए समझौते किए हैं। जॉनसन ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्हें भारतीय शादियां पसंद हैं। वे कई भारतीय शादियों में शामिल हुए हैं, क्योंकि उनकी पूर्व पत्नी मरिना व्हीलर का संबंध भारत से है। व्हीलर की मां का जन्म भारत में हुआ था।

जॉनसन ने पीएम रहते हुए अपने कैबिनेट में भी ब्रिटिश इंडियन को शामिल किया था। उन्होंने ऋषि सुनक और प्रीति पटेल को अपनी कैबिनेट का हिस्सा बनाया था। बाद में ऋषि ब्रिटेन के पीएम भी बने।

जॉनसन ने उनको पीएम पद से हटाए जाने को गलती बताया। उन्होंने लिखा कि यह अपराध से भी बुरा था, देश के लिए छोड़िए, यह ऋषि और पार्टी दोनों के लिए एक गलती थी। उन्होंने हाल ही में पार्टी की हुई हार का जिक्र करते हुए लिखा कि यह सही साबित भी हो गया है।

उत्तर कोरिया की बॉर्डर पर बड़ी तैयारी

तानाशाह किम जोंग उन ने सेना को तैयार रहने का दिया आदेश, टेंशन में सियोल

प्योंगयांग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने दक्षिण कोरिया की सीमा के पास अपनी तोपखाना इकाइयों को गोलीबारी के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनके के अनुसार, 12 अक्टूबर को कोरियन पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ ने इस आदेश को जारी किया है। ये आदेश ऐसे समय में जारी किया गया है, जब उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के ऊपर प्योंगयांग के हवाई क्षेत्र में ड्रोन के जरिए प्रचार पत्रक पहुंचाने का आरोप लगाया है। कोरियाई रक्षा मंत्रालय के आदेश में रविवार को रात 8 बजे तक 'पूरी तरह से युद्धकालीन ताकत के साथ 8 तोपखाना ब्रिगेड को गोलीबारी करने के लिए तैयार रहने' को कहा गया था। इसके साथ ही अन्य इकाइयों को अपनी निगरानी बढ़ाने और पूरी तरह से सतर्क रहने का निर्देश दिया गया था।

कनाडा का मैसेज- एक केस में इंडियन एंबेसडर संदिग्ध

भारत का जवाब– ये ट्रूडो का राजनीतिक एजेंडा, वोट बैंक के लिए आरोप लगाए

ओटावा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा सरकार ने रविवार को भारत को मैसेज भेजा कि इंडियन एंबेसडर संजय कुमार वर्मा और कुछ राजनयिक एक मामले की जांच में संदिग्ध हैं। अभी यह साफ नहीं है कि वे किस मामले में संदिग्ध हैं, लेकिन इसे निज्जर की हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को सिरे से खारिज करती है और इनके पीछे ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे को वजह मानती है, जो कि वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे। हालांकि, कनाडा सरकार ने कई बार कहने के बावजूद भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है। यह नया आरोप भी ऐसे ही लगाया गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रूडो सरकार लंबे समय से ऐसा करती आ रही है। उनकी कैबिनेट में ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो भारत के खिलाफ चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से जुड़े हुए हैं। 18 जून 2023 की शाम को कनाडा के सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था। इसके बाद 3 मई को निज्जर की हत्या के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ये तीनों आरोपी भारतीय हैं। कनाडाई पुलिस ने कहा कि इन पर पुलिस कई महीनों से नजर रखे हुई थी। उन्हें यकीन है कि इन्हें भारत ने निज्जर को मारने का काम सौंपा था। तब भारत ने इस मामले पर कहा था कि यह कनाडा का आंतरिक मामला है।

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने लाओस में ईस्ट एशिया समिट के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। ट्रूडो ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान जरूरी मुद्दों पर काम करने को लेकर बातचीत हुई। लाओस में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ट्रूडो ने कहा कि मैंने इस बात पर जोर दिया कि हमें कुछ काम करना है।" ट्रूडो ने बातचीत के बारे में अधिक जानकारी देने से मना कर दिया था।

पाकिस्तान में ग्वादर एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे चीनी पीएम

2,000 करोड़ खर्च कर चीन ने बनवाया, बलूच विद्रोहियों की वजह से हुई देरी

इस्लामाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग इसी हफ्ते अपनी पाकिस्तान के दौरान ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अयातुल्ला तरार ने रविवार को ये जानकारी दी। क्यांग 15-16 अक्टूबर को शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट में शामिल होने के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंच रहे हैं।

ग्वादर एयरपोर्ट बलूचिस्तान प्रांत में बना है। यह चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा है। चीन ने इसकी फंडिंग की है। इसका उद्घाटन इसी साल 14 अगस्त को होने वाला था। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीनी अधिकारियों के साथ इसे शुरू करने वाले थे। लेकिन तब बलूच आन्दोलन की वजह से इस योजना को रद्द कर दिया गया था। चीन और पाकिस्तान के बीच 2015 में ग्वादर एयरपोर्ट को लेकर डील हुई थी। साल 2019 इस पर काम शुरू हुआ। चीन इस एयरपोर्ट को बनाने के लिए 246 मिलियन डॉलर (लगभग 2000 करोड़ भारतीय रुपए) खर्च कर चुका है। ग्वादर एयरपोर्ट करीब 4 हजार एकड़ में फैला है। इस पर केवल एक रनवे होगा। इसका इस्तेमाल घरेलू और इंटरनेशनल उड़ानों के लिए हुआ है। यहां अमेरिका के एयरबस जैसे बड़े विमानों को भी उतारा जा सकता है। चीन, पाकिस्तान के अलावा नेपाल, कंबोडिया, जिम्बाब्वे और श्रीलंका में भी एयरपोर्ट्स बना चुका है। पाकिस्तान में 15-16 अक्टूबर को शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट होने वाली है। इसकी तैयारियां को लेकर रविवार (13 अक्टूबर) को पाकिस्तानी अधिकारियों की एक बैठक हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बैठक में समिट के लिए राजधानी इस्लामाबाद को बंद करने का फैसला किया जा रहा है। दरअसल, पीटीआई कार्यकर्ताओं के हिंसक प्रदर्शनों और राजनीतिक अशांति को लेकर पाकिस्तान की सरकार परेशान है। शहबाज शरीफ नहीं चाहते समिट के दौरान प्रदर्शनों से सुरक्षा हालात बिगड़ें और देश की छवि खराब हो। इस समिट में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी हिस्सा लेंगे। उनके अलावा समिट में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग, रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन समेत अन्य देशों के प्रमुख शामिल होंगे। पाकिस्तान में समिट शुरू होने से पहले 2 आतंकी हमले हो चुके हैं। इससे सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पहला हमला 6 अक्टूबर को कराची एयरपोर्ट के पास हुआ। इस हमले में 2 चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। इस पर चीन ने अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग की। दूसरा हमला 11 अक्टूबर को बलूचिस्तान प्रांत में एक प्राइवेट कोयला खदान पर हुआ।

हिजबुल्लाह का इजराइली मिलिट्री बेस पर ड्रोन अटैक

4 सैनिकों की मौत, इजराइल में अमेरिका ठाड़ डिफेंस सिस्टम तैनात करेगा

तेल अवीव, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह ने रविवार रात इजराइल के हाइफा इलाके में गोलानी मिलिट्री बेस पर हमला किया। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के मुताबिक इस हमले में 4 सैनिकों की मौत हो गई और कम से कम 58 सैनिक घायल हुए हैं। इनमें 7 गंभीर रूप से घायल हैं। यह हमला राजधानी तेल अवीव से 40 मील दूर बिनयामिना टाउन में हुआ है। इजराइली मिलिट्री के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि कोई भी ड्रोन बिना किसी वॉर्निंग के इजराइली हवाई सीमा के अंदर कैसे आ सकता है, इसकी जांच हो रही है। हमें बेहतर सुरक्षा करनी चाहिए थी। संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि आईडीएफ के ट्रेनिंग बेस पर ड्रोन्स की बरसात कर दी। उन्होंने उन जगहों पर विस्फोट किया जहां पर इजराइली सैनिक मौजूद थे। वे लेबनान पर हमले की तैयारी के लिए योजना बना रहे थे। उधर, इजराइल ने सोमवार सुबह सेंट्रल गाजा के स्कूल में एयर स्ट्राइक की है। इस हमले में 22 लोगों की मौत हुई है। वहीं, करीब 80 घायल हुए हैं। गाजा में पिछले 1 साल से जारी इजराइली हमलों में 42 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि इजराइल को गाजा में खाने के ट्रक भेजने के लिए तुरंत काम करना चाहिए। लोगों तक खाना, पानी और दवा का पहुंचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया जाना चाहिए। गाजा में पिछले 2 सप्ताह से खाने का संकट पैदा हो गया है। यूएन की वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में मिलने वाली खाद्य मदद को इजराइल ने रोक रखा है।

बांग्लादेश में मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंदू समुदाय और पुलिस के बीच झड़प के बाद भगदड़, तीन घायल

ढाका, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में रविवार को देवी दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंदू समुदाय और पुलिस के बीच झड़प होने से मचे भगदड़ में तीन लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। इस मामले में स्थानिय थाना प्रभारी मोहम्मद इनामुल हसन ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बाजार में प्रवेश करने का प्रयास किया। बाजार की सुरक्षा के लिए हमने उन्हें अंदर आने से रोका, जिसके कारण झड़प हुई। उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ होने के बाद मैने सेना को सूचित किया और सेना ने आकर भीड़ को तितर-बितर किया। अब स्थिति अब काफी हद तक नियंत्रण में है। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया गया कि ओल्ड ढाका के पटुआतुली इलाके में नूर सुपर मार्केट की छत से बदमाशों ने रविवार देर रात बुरिगंगा नदी में मूर्तियों को विसर्जित करने जा रहे जुलूस पर ईंटें फेंकी। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोग घायल हो गए। हमले के बाद, हिंदू समुदाय के सदस्यों ने बाजार में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए उन्हें रोकने की कोशिश की, जिस दौरान झड़प तेज हो गई। बांग्लादेश में पांच दिवसीय दुर्गा पुजा बुधवार को शुरू हुआ जो कि रविवार को देवी दुर्गा के विसर्जन के साथ खत्म हुआ। हालांकि इस त्योहार के दौरान दुर्गा पूजा मंडपों में तोड़फोड़ की कई सारी घटनाएं सामने आईं। शुक्रवार को पुराने ढाका के तांती बाजार इलाके में दुर्गा पूजा मंडप पर कथित तौर पर एक बम फेंका गया, गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। 1 अक्टूबर से शुक्रवार तक, बांग्लादेश में दुर्गा पूजा समारोह से संबंधित लगभग 35 घटनाओं के बाद 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया और लगभग एक दर्जन मामले दर्ज किए गए।

स्पेसक्राफ्ट आर्मी से न्यूक्लियर डिवाइस तक का इस्तेमाल

वॉशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने पृथ्वी को एस्टेरॉयड की वजह से आने वाली किसी संभावित आपदा से बचाने के लिए एक अहम प्लान तैयार किया है। नासा ने 'ग्रहों को नष्ट करने वाले' एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रहों) का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति जारी की है, जो 66 मिलियन वर्ष पहले डायनासोर को खत्म करने वाली विलुप्ति की घटना से प्रेरित है। नासा ने बताया है कि कैसे परमाणु से लेकर स्पेसक्राफ्ट तक का इस्तेमाल एस्टेरॉयड से बचाव में किया जाएगा। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, नासा की रणनीति में नियर अर्थ ऑब्जेक्ट (एनईओ) के खतरे और एनईओ से बचाव के लिए बहुआयामी नजरिया पेश किया गया है। निकट भविष्य में पृथ्वी को किसी क्षुद्रग्रह से खतरा नहीं है। इसके बावजूद नासा सबसे खराब स्थिति के लिए तैयारी कर रहा है, जिससे किसी भी खतरे को टाला जा सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, नासा के प्लान में एक विकल्प के तौर पर पृथ्वी की ओर बढ़ते क्षुद्रग्रह को रोकने या उसका रास्ता बदलने के लिए स्पेसक्राफ्ट की 1,000 आर्मी भेजना शामिल है। इससे भी बड़ा खतरा होने की स्थिति में नासा परमाणु समाधान पर भी विचार कर रहा है। ये ऐसा ही होगा, जैसा 1998 की फिल्म 'आर्मगेडन' में दिखाया गया था। इस विकल्प में पृथ्वी से टकराव के रास्ते पर आने वाले क्षुद्रग्रह को तोड़ने के लिए एक न्यूक्लियर डिवाइस का इस्तेमाल होगा। नासा ने 2022 में डबल एस्टेरॉयड रीडायरेक्शन टेस्ट (डार्ट) मिशन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जिसमें एक अंतरिक्ष यान को एक गैर-खतरनाक क्षुद्रग्रह से टकराकर इसके रास्ते को बदल दिया गया।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी जापान यात्रा पर

रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर रहेगा जोर

टोक्यो, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जापान और भारत के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के मकसद से पूर्वी एशियाई देश की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। सेना प्रमुख 17 अक्तूबर तक जापान की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे हिरोशिमा भी जाएंगे, जहां वे हिरोशिमा शांति पार्क में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। वह शांति पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा कि यह यात्रा ''भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग की मजबूत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' जनरल द्विवेदी सोमवार को जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज से बातचीत करेंगे और इसके बाद टोक्यो में भारतीय दूतावास में दोनों देशों के बीच संबंधों पर एक चर्चा में हिस्सा लेंगे।

इसके बाद वह मंगलवार को इचिगाया में रक्षा मंत्रालय में जापान के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से भी बातचीत करेंगे। रक्षा मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि इस यात्रा के दौरान वह जॉइंट सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल योशिदा योशिहिदे, जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोरिशिता यसुनोरी; एक्यूजिशन, टेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक एजेंसी (एएलटीए) के कमिश्नर इशिकावा ताकेशी के साथ बैठकें करेंगे।

इन बैठकों का मकसद भारत और जापान के बीच मजबूत सैन्य सहयोग को और प्रगाढ़ बनाना है। जनरल द्विवेदी इचिगाया में रक्षा मंत्रालय में एक स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे और जेजीएसडीएफ द्वारा उन्हें सलामी दी जाएगी। वह बुधवार को जेजीएसडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ फूजी स्कूल का दौरा करेंगे जहां वह फूजी स्कूल के कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल कोडामा यासुयुकी के साथ बातचीत करेंगे। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में वह 17 अक्तूबर को हिरोशिमा जाएंगे। बयान में कहा गया है कि जनरल द्विवेदी की यात्रा का उद्देश्य भारत और जापान के बीच सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने के अलावा दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

ट्रम्प की रैली के बाहर हथियारों के साथ शख्स गिरफ्तार

कार में मिलीं 2 गन, फर्जी पास लेकर घुसने की कोशिश कर रहा था

कैलिफोर्निया, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रम्प पर एक और जानलेवा हमले की कोशिश की आशंका जताई गई है। सीएनएन के मुताबिक, ट्रम्प शनिवार यानी 12 अक्टूबर को कैलिफोर्निया के कोचेला में रैली को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक हथियारबंद शख्स को सिक्योरिटी ने गिरफ्तार किया।

संदिग्ध की ब्लैक एसयूवी कार से पुलिस को एक शॉटगन, एक लोडेड हैंड गन और 1 हाई कैपेसिटी मैगजीन मिली है। रिवरसाइड काउंटी के शेरिफ चाड बियान्को ने बताया कि उसके पास फर्जी प्रेस और वीआईपी पास थे, जिससे उस पर शक हुआ।

पुलिस ने रविवार को बताया कि 49 साल के आरोपी का नाम वेम मिलर है। संदिग्ध मिलर पर दो हथियार रखने के आरोप लगाए हैं और 5 हजार डॉलर के बॉन्ड पर रिहा कर दिया गया है। 2 जनवरी 2025 को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। रिवरसाइड काउंटी शैरिफ जल्द ही मामले पर पूरी जानकारी के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

दरअसल, ट्रम्प पर पेन्सिल्वेनिया के बटलर शहर में 3 महीने पहले भी रैली को संबोधित करने के दौरान गोली चली थी। वहीं, 16 सितंबर को भी ट्रम्प पर जानलेवा हमले की कोशिश की गई थी। तब ट्रम्प फ्लोरिडा में पाम बीच काउंटी के इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में खेल रहे थे। तभी उनकी सुरक्षा में लगे सीक्रेट सर्विस एजेंट को झाड़ियों में एक शख्स हथियार के साथ छिपे दिखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी सीक्रेट सर्विस ने घटना को लेकर रविवार को स्टेटमेंट जारी किया है। सीक्रेट सर्विस ने कहा कि घटना से ट्रम्प की सुरक्षा पर कोई भी असर नहीं पड़ा है। रैली के दौरान तैनात सिक्योरिटी टीम और लोकल पार्टनर ने सही तरीके से सहयोग किया। ट्रम्प की रैली में हथियारबंद शख्स के पकड़े जाने के बाद रैली में आए मीडिया के लोगों और वीआईपी टिकट वालों की सिक्योरिटी बढ़ाई गई थी। उन्हें रैली के ग्राउंड तक पहुंचाने के लिए कई लेवल की सिक्योटी चेकपॉइंट से गुजरना पड़ा। सभी की गाड़ियों की सख्ती से जांच भी की गई। हर गाड़ी को अमेरिका के के-9 अधिकारियों ने चेक किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेम मिलर एक रजिस्टर्ड रिपब्लिकन है। वह यूसीएलए यूनिवर्सिटी से मास्टर्स की पढ़ाई कर चुका है। वह लंबे समय से राइट विंग समर्थित ग्रुप से जुड़ा हुआ है। यह अमेरिका की मौजूदा डेमोक्रेट्स की सरकार की नीतियों की आलोचना के लिए जाना जाता है। मिलर नेवादा स्टेट असेंबली के 2022 का चुनाव भी लड़ चुका है।

अमेरिका की खोज करने वाले क्रिस्टोफर कोलंबस ना इटली से थे और ना ही ईसाई

वॉशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिस्टोफर कोलंबस के बारे में वर्षों से ये माना जाता है कि वह इटली के नाविक थे। अपनी एक यात्रा के दौरा अक्टूबर, 1492 में वह समुद्र के रास्ते से ही अमेरिका पहुंचे थे और उनको अमेरिका की खोज करने का श्रेय मिला था। हालांकि अब एक नई रिसर्च कहती है कि क्रिस्टोफर कोलंबस इटली के नहीं थे, जैसा कि वर्षों से माना जाता है। वह स्पेन के थे और सेफर्डिक यहूदी थे। उन्होंने उत्पीड़न से बचने के लिए अपनी असली पहचान को को छुपाया था। कोलंबस के स्पेन से होने के बारे में ये दावा एक नए आनुवंशिक अध्ययन के आधार पर किया गया है। स्पेनिश वैज्ञानिकों के नेतृत्व में की गई रिसर्च का उद्देश्य कोलंबस की पृष्ठभूमि के बारे में लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता को दूर करना है। इतिहासकारों में वर्षों से 15वीं शताब्दी के नाविक कोलंबस के जन्मस्थान पर बहस होती रही है। कोलंबस के बारे में यही माना जाता है कि वह इटली के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित गणराज्य जेनोआ से आए थे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेविले कैथेड्रल में रखे गए कोलंबस के अवशेषों के डीएनए विश्लेषण ने इस दावे को चुनौती देने वाले ठोस सबूत पेश किए हैं। फोरेंसिक विशेषज्ञ मिगुएल लोरेंटे ने स्पेन में प्रसारित कोलंबस डीएनए: द टू ओरिजिन नाम की डॉक्यूमेंट्री में कहा, 'हमारे पास क्रिस्टोफर कोलंबस का डीएनए है, जो बहुत कम लेकिन पर्याप्त है। हमारे पास उनके बेटे हर्नांडो कोलोन का डीएनए है।

हर्नांडो के वाई (पुरुष गुणसूत्र) और माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (मां से) दोनों में यहूदी मूल के संगत लक्षण हैं।' इस रिसर्च की शुरुआत 2003 में हुई थी, जब ग्रेनेडा विश्वविद्यालय के फोरेंसिक मेडिसिन प्रोफेसर जोस एंटोनियो लोरेंटे ने इतिहासकार मार्शियल कास्त्रो के साथ मिलकर सेविले कैथेड्रल से कोलंबस के अवशेष निकाले।

ऑस्ट्रेलिया के वर्किंग हॉलिडे मेकर वीजा प्रोग्राम का भारतीयों में क्रेज

वॉशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सहायक आव्रजन मंत्री मैट थिस्टलेथवेट ने सोमवार को बताया कि ऑस्ट्रेलिया के नए वर्किंग हॉलिडे मेकर वीजा कार्यक्रम के अंतर्गत 1,000 स्थानों के लिए केवल दो सप्ताह में लगभग 40,000 आवेदन जमा हुए हैं। थिस्टलेथवेट ने उक्त कार्यक्रम की शुरुआत के लिए आयोजित समारोह में कहा कि यह वीजा 18 से 30 वर्ष की आयु के भारतीयों को 12 महीने तक ऑस्ट्रेलिया में रहने, काम करने और अध्ययन करने की अनुमति देता है।

यह दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वीजा प्रक्रिया एक अक्टूबर को शुरू हुई और महीने के आखिर में समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद, बिना किसी क्रम के (रैंडम तरीके से) आवेदकों में से सफल उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा, और चुने गए उम्मीदवार अगले वर्ष की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में अपना प्रवास शुरू कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मंत्री थिस्टलेथवेट ने कहा कि यह वीजा भारतीय युवकों को ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति में खुद को शामिल करने का और अनेक क्षेत्रों में कार्य अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है। थिस्टलेथवेट ने कहा कि वर्किंग हॉलिडे मेकर वीजा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें आप जो काम कर सकते हैं, उस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। अब तक 1,000 वीजा के लिए 40,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच बढ़ती साझेदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने अपने अनुभव और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी मित्रता का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया कि दोनों समुदायों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृतियों का अनुभव करने के लिए बेहतर और अधिक अवसर मिलें। एक अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम हर वर्ष संचालित किया जाएगा।

पाकिस्तान, तुर्की, ब्रिक्स सदस्यता के लिए 34 देशों ने किया आवेदन, पक्ष में नहीं है भारत

मास्को, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स की सदस्यता के लिए पूरी दुनिया में एक होड़ सी शुरू हो गई है। रूस के कजान में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले 34 देशों ने इस संगठन की सदस्यता के लिए आवेदन कर दिया है।

इन देशों में पाकिस्तान, तुर्की, सीरिया, फलस्तीन और म्यांमार जैसे देश शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कजान में 22 से लेकर 24 अक्टूबर तक होने वाली बैठक में 10 नए सदस्यों और 10 पार्टनर को शामिल किया जा सकता है। इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंसा प्रभावित सीरिया, म्यांमार और फलस्तीन भी इसके सदस्य बनना चाहते हैं। ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों में भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं लेकिन इसमें कई नए सदस्यों को शामिल किया गया है। वहीं भारत इस संगठन के तत्काल और ज्यादा विस्तार के पक्ष में नहीं है लेकिन चीन अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए रूस का इस्तेमाल करके इसकी सदस्यता को बढ़ाना चाहता है।

न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कजान में होने वाली बैठक में आम सहमति बनने के बाद ही नए सदस्यों का ऐलान किया जाएगा। पीएम मोदी भी इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जाने वाले हैं। यह पिछले 3 महीने में पीएम मोदी की दूसरी रूस यात्रा होगी।

राइजिंग राजस्थान को लेकर हुए 12.75 लाख करोड़ के एमओयू

निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए सीएम पहुंचे जर्मनी, इंवेस्टर मीट और टूरिज्म मीट को करेंगे संबोधित

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निवेश बढ़ाने के लक्ष्य के साथ सरकार दिसम्बर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट आयोजित करने जा रही है। इस समिट को लेकर अब तक सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच करीब 12.75 लाख करोड़ के एमओयू हो चुके हैं। वहीं, निवेशको को आमंत्रित करने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा आज जर्मनी पहुंच गए हैं। वे अगले तीन दिन जर्मनी में जर्मन सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

सीएम जर्मनी के म्यूनिख शहर में इंवेस्टर्स मीट और टूरिज्म मीट को भी संबोधित करेंगे। इसके साथ ही वे दुनिया की बड़ी बस कंपनियों में शुमार फ्लिक्स बस के प्लांट को विजिट भी करेंगे। विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- राजस्थान के हर क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं है। हमारी कोशिश है कि राजस्थान में ज्यादा से ज्यादा निवेश आए। इससे राजस्थान की इकोनॉमी बढ़े और प्रदेश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सके।

पांच देशों में आयोजित हो चुकी है इंवेस्टर्स मीट

सरकार अब तक देश में दिल्ली, मुंबई के अलावा 5 देशों में इंवेस्टर्स मीट और रोड शो आयोजित कर चुकी है। सीएम भजनलाल शर्मा पिछले महीने दक्षिण कोरिया और जापान के दौरे पर गए थे। यहां आयोजित इंवेस्टर्स मीट और रोड शो में कई ग्लोबल कंपनियों ने प्रदेश में निवेश को लेकर रुचि दिखाई थी।

इसके अलावा उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के नेतृत्व में संयुक्त अरब अमीरात, कतर और सिंगापुर में इंवेस्टर्स मीट और रोड शो आयोजित हो चुके हैं। सीएम भजनलाल शर्मा तीन दिवसीय जर्मनी दौरे के बाद चार दिन के लंदन दौरे पर रहेंगे। यहां उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भी मौजूद रहेगी।

करीब 12.75 लाख करोड़ के हो चुके है एमओयू

राइजिंग राजस्थान समिट को लेकर सरकार अब तक करीब 12.75 लाख करोड़ के एमओयू कर चुकी हैं। दिल्ली में हुई इंवेस्टर मीट में केन्द्र सरकार के उपक्रमों के साथ-साथ निजी कंपनियों के साथ सरकार ने 8 लाख करोड़ के एमओयू किए थे।

वहीं समिट को लेकर मुम्बई में आयोजित हुई पहली इंवेस्टर्स मीट में 4.5 लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। इसी तरह से जयपुर में आयोजित हुई पर्यटन विभाग की प्री-समिट में सरकार ने 14 हज़ार करोड़ के एमओयू किए थे। वहीं, अलग-अलग जिलों में आयोजित हो रही डिस्ट्रिक्ट प्री-समिट में भी करोड़ों के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

डेंगू से 14 साल के लड़के की मौत : तेज बुखार के साथ शरीर पर आई सूजन

अलवर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डेंगू से मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अलवर में सोमवार को एक 14 साल के लड़के की मौत हो गई। लड़का डेंगू पॉजिटिव था। उसे सुबह अचानक तेज बुखार चढ़ा और शरीर पर सूजन आ गई।हालत बिगड़ने पर परिजन उसे थानागाजी हॉस्पिटल ले गए। जांच के बाद डॉक्टर ने उसे अलवर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। चचेरे भाई बाबूलाल योगी ने बताया- मेरे चाचा श्रवण योगी के बेटे गिरिराज (14) को 4 दिन पहले तेज बुखार आया था। खेड़ा गांव से इलाज के लिए उसे थानागाजी अस्पताल लाए। जांच में गिरिराज डेंगू पॉजिटिव आया था। 2 दिन इलाज के बाद तबीयत में सुधार हुआ तो रविवार को उसे घर ले गए थे। सोमवार सुबह अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। अलवर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। जिला हॉस्पिटल में डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। गिरिराज माता-पिता की इकलौती संतान था। उसके पिता गांव में खेती-बाड़ी करते हैं।

प्रदेश में डेंगू से अब तक 6 लोगों की मौत हो गई है। बीते 25 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 6 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में RAS अफसर, डॉक्टर, नर्सिंग की छात्रा, बिजनेसमैन तक शामिल हैं।

उदयपुर में RAS ऑफिसर तरु सुराणा को 6 सितंबर को तेज बुखार आना शुरू हुआ था। 4 दिन तक घर पर इलाज लिया। 11 सितंबर को जब उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो शहर के प्राइवेट हॉस्पिटल में चेकअप कराया। जांच में डेंगू का पता चला। 13 सितंबर को उनको हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। तबीयत में सुधार नहीं होने पर चेन्नई के एमजीएम हॉस्पिटल के डॉक्टर्स से कॉन्टैक्ट किया। 18 सितंबर को एमजीएम हॉस्पिटल की टीम उदयपुर के हॉस्पिटल पहुंची और एयर लिफ्ट कर चेन्नई ले गई। करीब 17 दिनों तक इलाज के बाद 5 अक्टूबर को उनकी मौत हो गई।

दौसा जिले के सरकारी अस्पताल में पोस्टेड डॉक्टर ज्योति मीणा में 24 सितंबर को डेंगू के लक्षण दिखे थे। उनकी हालत अधिक बिगड़ी तो उन्हें तत्काल जयपुर के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी प्लेटलेट्स लगातार गिरती रहीं। 25 सितंबर को केवल 12 हजार प्लेटलेट्स ही शेष रह गई थीं। उसी दिन उन्होंने दम तोड़ दिया था। पाली के बिजनेसमैन और कोटा में एएनएम ट्रेनिंग कर रही छात्रा को बार-बार बुखार आ रहा था। जांच में डेंगू की पुष्टि हुई थी। धीरे-धीरे तबीयत बिगड़ी और दोनों की जान चली गई।

झुंझुनूं के बिसाऊ के वार्ड 12 निवासी खेरूनिशा (36) को 4 अक्टूबर को चूरू में प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। महिला को तेज बुखार, सिर दर्द, बदन दर्द और डिहाइड्रेशन की शिकायत थी। इसके अलावा उसके इंटरनल ब्लीडिंग शुरू हो चुकी थी। प्राइवेट हॉस्पिटल के अनुसार महिला डेंगू पॉजिटिव थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अब अलवर में एक 14 साल के लड़के गिरिराज की मौत हो गई।

राजस्थान में सरकारी अस्पतालों के वार्ड फुल

प्रदेशभर में सरकारी हॉस्पिटल के वार्ड फुल हैं। OPD में लोगों की भीड़ है। OPD में आने वाले 15% मरीजों को 2 से 3 दिन तक भर्ती रखना पड़ रहा है। डॉक्टर्स का कहना है कि दीपावली तक का समय बहुत खतरनाक है। डेंगू-मलेरिया के केस सबसे ज्यादा इसी समय आते हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी 13 अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में डेंगू के 7226,

सांसद ने विद्यार्थियों की छात्रवृति का मुद्दा उठाया:एससीएसटी की कल्याण संबंधी समिति अध्यक्ष कुलस्ते से की मुलाकात

टोंक, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीशचंद्र मीना ने 4 साल से छात्रवृति से वंचित अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों देने की मांग को लेकर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष डॉ. फग्गन सिंह जी कुलस्ते से मिलकर की है। सांसद ने उन्हे मांग पत्र भी सौंपा है। इस पर कार्रवाई करते हुए संसदीय कमेटी (लोकसभा सचिवालय नई दिल्ली) ने राजस्थान के प्रमुख सचिव और केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय को 22 अक्टूबर तक

अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित भी किया है।

सांसद के पीए मोहम्मद असलम ने बताया कि 4 सालों से प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृति रुकी हुई है। इसके चलते विधार्थियों को पढ़ाई में काफी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड रहा है। इसको लेकर गत दिनों छात्रों ने सांसद से मिलकर छात्रवृति दिलाने की मांग की थी। उसके बाद सांसद मीना ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति की संसदीय समिति के समक्ष इस मुद्दे को उठाया था और व्यक्तिगत भी संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया था।

इस पर SC-ST की कल्याण संबंधी समिति के सचिव डॉ. आर शेखर ने केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय के सचिव विभु नायर और राजस्थान के प्रमुख सचिव सुधांश पंत को 22 अक्टूबर तक अपना सकारात्मक जवाब संसदीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है।

जयपुर में 25 सवारियों से भरी बस में आग, यात्री बोले- लाखों की ज्वेलरी सहित कीमती सामान जले

जयपुर , 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में प्राइवेट बस में आग लग गई। बस में सवार 25 यात्रियों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। चलती बस के नीचे बाइक आ गई, जिसकी वजह से निकली चिंगारी से बस में आग लग गई। बस यात्रियों ने कहा कि लाखों की ज्वेलरी सहित उनके कीमती सामान जल गए।

बाइक बस के नीचे आई, चिंगारी निकली

सांगानेर थाने के एएसआई लालचंद मीणा ने बताया- अभय ट्रैवल्स की बस जयपुर से उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जा रही थी। कोहिनूर सिनेमा मालपुरा गेट (सांगानेर) से रात करीब 10 बजे बस रवाना हुई थी। 15 मिनट बाद बस सांगानेर चौरड़िया पेट्रोल पम्प पहुंची थी। इसी दौरान एक बाइक बस के नीचे आ गई। उससे चिंगारियां निकलीं। इससे आग लग गई। ड्राइवर बस से कूद गया। सवारियों में चीख-पुकार मच गई। सवारियां भी किसी तरह बस से उतरीं। उनका सामान बस में ही रह गया था।

एक घंटे में आग पर काबू पाया

मालपुरा गेट थाना पुलिस ने दो दमकलों की मदद से प्राइवेट बस में लगी आग पर करीब एक घंटे में काबू पाया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। SHO (मालपुरा गेट) हिम्मत सिंह ने बताया- बस की चपेट में आकर बाइक पूरी तरह से जल गई। बाइक के मालिक के बारे में जानकारी जुटाने के प्रयास कर रहे हैं।

देखते ही देखते लपटों में घिरी बस

देर रात सड़क के बीचों बीच खड़ी बस में आग देख उधर से गुजरने वाले लोग सहम गए। कुछ लोग दूर से वीडियो बनाने लगे। कुछ ही देर में बस को आग की लपटों ने घेर लिया।

बाहर से आग बुझने के बाद दमकल कर्मियों ने बस में चढ़कर अंदर से जलती सीटों और सामान की आग बुझाई। आग पर काबू पाया गया तो यात्रियों ने अपना

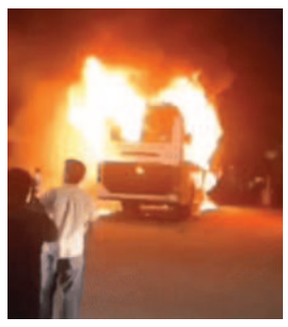

सामान संभाला। बस में लोहे को छोड़कर बाकी सारा सामान राख हो गया था। आग बुझाने के बाद पुलिसकर्मियों ने बस का जायजा लिया।

पेट्रोल पंप से अग्निशमन सिलेंडर लेकर आए

मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी राकेश ने बताया- मैंने देखा तो केबिन में आग लग चुकी थी। पेट्रोल पंप से मैं अग्निशमन सिलेंडर लेकर आया। बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। उन्होंने बताया- एक्सीडेंट कैसे हुआ ये मैंने नहीं देखा। जैसे ही हादसे और आग की सूचना मिली तो कंट्रोल रूम को सूचित किया था। इसके बाद दमकल का वाहन आया और आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

दंपती ने कहा- शादी में जा रहे थे, ज्वेलरी जली

एक दंपती ने अपना जला हुआ सामान दिखाते हुए कहा- सोना-चांदी सब जल गया। इस बैग में यह गोल्ड की ज्वेलरी थी। हम बस में सवार थे। बैग ऊपर रखा था। एक्सीडेंट हुआ तो हम निकलकर भागे। बैग संभालने का मौका नहीं मिला। महिला ने कहा- हम भाई की शादी में यूपी के फर्रुखाबाद जा रहे थे।

यात्री बोले- ड्राइवर भागा, जान बचाकर उतरे

एक यात्री सईद हसन ने बताया- मैंने फर्रुखाबाद जाने के लिए टिकट लिया था। सांगानेर से बस गुजर रही थी। अचानक केबिन की तरफ रोशनी हुई तो ड्राइवर उतर कर भाग गया। उसने आवाज तक नहीं लगाई। हम परिवार के साथ थे। सबकी जान बचाने के लिए बस से उतर गए। सईद ने अपना जला हुआ मोबाइल दिखाया। उन्होंने कहा- सभी सवारियां अलग-अलग जगह जा रही थीं। अधिकतर सवारियां फर्रुखाबाद की थीं। सांगानेर से 15-20 सवारियां बस में बैठी थीं।

नाबालिग ने लगाया छेड़छाड़ करने का आरोप : 2 महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

चूरू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के महिला पुलिस थाने में एक नाबालिग ने दो महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करवाया है। महिला थाना पुलिस ने नाबालिग की रिपोर्ट पर एक पत्रकार, एक अधिकारी, एक एनजीओ संचालक, दो महिलाओं और एक युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया है।

मामले की जांच कर रहे सदर थानाधिकारी बलवंत सिंह ने बताया कि नाबालिग ने रिपोर्ट में बताया कि दो साल पहले वह चूरू सदर थाना क्षेत्र में रहती थी। जहां एक एनजीओ संचालक, एक अधिकारी व एक पत्रकार ने उससे छेड़छाड़ व अश्लील हरकत करते थे। इस घटना के बारे में वहां रहने वाली एक महिला को बताया तो उसने चुप रहने की बात कही। वह उसको बहुत डराती रहती थी। वहीं, मकान की छत पर स्थित कमरे में शराब परोसने भेजती थी। जहां एक अधिकारी, एक पत्रकार और एनजीओ संचालक उसके साथ अश्लील हरकत करते थे।

इस बारे में वहां रहने वाली दोनों महिलाओं को बताया। तब एक महिला ने डरा धमकाकर चुप रहने की बात कही। इसके अलावा घटनास्थल पर स्थित कमरे में अन्य लड़कियां भी बुलाई जाती थी। वहां रहने वाली एक महिला अन्य लड़कियों को भी बहुत डराती थी। जांच अधिकारी बलवंत सिंह ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता के साथ की जा रही है। जांच में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

सट्टा लगाते 2 युवक गिरफ्तार : 4.84 लाख रुपए का मिला हिसाब, पुलिस ने 2 अलग-अलग जगह की कार्रवाई

हनुमानगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ की जंक्शन थाना पुलिस ने जुआ-सट्टा और ऑनलाइन गैम्बलिंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गांधीनगर इलाके में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 3720 रुपए नकद और 4.84 लाख रुपए का हिसाब बरामद हुआ। इस मामले में दोनों युवकों के खिलाफ बीएनएस की धारा, आईटी एक्ट और आरपीजीओ के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं।

जंक्शन पुलिस थाना प्रभारी सतपाल बिश्नोई ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अरशद अली की ओर से जिले में अवैध मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा, क्रिकेट बुकी और अवैध धंधों की रोकथाम के लिए जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सभी अधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में इस अभियान की सख्ती से पालना करवाए जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

साथ ही आमजन से गुप्त रूप से सूचना देने के लिए अपील की गई है। इसी क्रम में रविवार रात को एसआई संतोष के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली। सूचना पर अलग-अलग टीम को जंक्शन थाना क्षेत्र में रवाना किया गया। पहली टीम ने जंक्शन कस्बे के गांधीनगर इलाके में

करणी सिंह (30) पुत्र विनोद कुमार मेहरा निवासी वार्ड 16, गांधीनगर को 3420 रुपए की सट्टा रकम सहित गिरफ्तार किया। इसके अलावा लैपटॉप में सट्टे का 8510 रुपए का हिसाब-किताब मिला। इस मामले में जांच एसआई चुंका को सौंपी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि दूसरी टीम ने मुखबिर की सूचना पर गांधीनगर इलाके में कार्रवाई करते हुए तुलसीदास (31) पुत्र उधवदास सिंधी निवासी वार्ड 16, गांधीनगर को 300 रुपए नकद सट्टा रकम सहित गिरफ्तार किया।

इसके अलावा लैपटॉप में सट्टा का 4 लाख 76 हजार 86 रुपए का हिसाब-किताब मिला। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एसआई संतोष, एएसआई देवेन्द्र कुमार, हेड कॉन्स्टेबल शंकरदयाल, महेन्द्र सिंह, कॉन्स्टेबल संदीप कुमार, राजवंत सिंह, परमेश्वर और रामकरण शामिल रहे। इस कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल श्रवण कुमार की विशेष भूमिका रही।

सांवरा सेठ को 3.7 किलो चांदी से बनी पोशाक भेंट:कवच, कुंडल और मुकुट पर सोने की पॉलिश

चित्तौड़गढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेवाड़ के आराध्य देव श्री सांवलिया सेठ को सोमवार को एक भक्त ने 3 किलो 700 ग्राम चांदी से बनी पोशाक भेंट में चढ़ाई है। इस पोशाक पर सोने की पॉलिश और मीनाकारी वर्क भी किया गया है। मध्य प्रदेश में नीमच के रहने वाले इस भक्त ने बिजनेस अच्छा चलने पर अपनी इनकम से सांवरा सेठ को यह भेंट चढ़ाई है। हालांकि भक्त ने अपना नाम गुप्त रखा है।

इधर, दो दिन पहले चित्तौड़गढ़ के रहने वाले एक भक्त ने पत्नी के जन्मदिन पर सांवलिया सेठ को चांदी से बना हेलिकॉप्टर भेंट किया था। इस हेलिकॉप्टर की बनावट लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

नगीनों के साथ मीनाकारी वर्क भी खास

दरअसल, चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया स्थित श्री सांवलिया सेठ मंदिर में राजस्थान से ही नहीं बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी लाखों की तादाद में लोग आते हैं। मन्नत पूरी होने पर भक्त सांवलिया सेठ को कुछ न कुछ भेंट चढ़ाते हैं। चांदी की पोशाक भेंट करने वाले भक्त ने बताया- मेरा अनाज का बिजनेस है। सांवरा सेठ की कृपा से बिजनेस काफी अच्छा चल रहा है। अच्छा प्रॉफिट होने के कारण मैंने सांवरा सेठ के लिए पोशाक बनवाने का फैसला किया था।

पुरुष मित्रों के साथ मिलकर पति को पिलाया जहर:इलाज के दौरान मौत, अवैध संबंधों के चलते दिया वारदात को अंजाम

हनुमानगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अवैध संबंधों के चलते पत्नी ने अपने दो पुरुष मित्रों के साथ मिलकर पति के साथ मारपीट की। फिर पति को जबरन कीटनाशक दवा पिला दी। अस्पताल में इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। इस संबंध में भादरा पुलिस थाने में मृतक की पत्नी सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

पुलिस के अनुसार बलवंत पुत्र हरिसिंह धाणक निवासी रामबास ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसके छोटे भाई सुभाष की शादी शर्मिला के साथ हुई थी। इनके दो बच्चे हैं। सुभाष की पत्नी शर्मिला के राजकुमार पुत्र मानसिंह धाणक निवासी भाड़ी से पिछले एक वर्ष से अवैध संबंध थे। उसने, उसके चाचा प्रताप, पिता हरिसिंह, वेदप्रकाश व सज्जन आदि ने शर्मिला व राजकुमार को कई बार समझाया, लेकिन वे नहीं माने और उनके अनैतिक संबंध वैसे ही जारी रहे। इसी दौरान शर्मिला के सुरेश कुमार पुत्र चिमनाराम जाट निवासी रामबास से भी अवैध संबंध बन गए। शर्मिला के पास सुरेश कुमार व राजकुमार का काफी आना-जाना बढ़ गया।

दो अक्टूबर की रात 10.30 बजे राजकुमार व सुरेश उसके भाई सुभाष की ढाणी आए। दोनों ने सुभाष के साथ मारपीट की, जिससे वह बेसुध हो गया। शर्मिला ने उसके भाई वेदप्रकाश को रात 11 बजे फोन कर बताया कि तुम्हारे भाई सुभाष को पता नहीं क्या हो गया और वह बेसुध पड़ा है। इस पर व उसका भाई वेदप्रकाश बाइक लेकर सुभाष के खेत में बनी ढाणी में गए और सुभाष को संभाला तो वह जोर-जोर से कराह रहा था। तब सुभाष ने उन्हें बताया कि राजकुमार व सुरेश कुमार ने उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती कीटनाशक दवा पिला दी। तुम लोग मुझे बचा लो, ये लोग मुझे जान से मार कर छोड़ेंगे। तब वह व उसका भाई वेदप्रकाश गाड़ी के जरिए सुभाष को हॉस्पिटल में लेकर गए। उसके भाई सुभाष ने रास्ते में बताया कि राजकुमार व सुरेश ने शर्मिला के साथ अवैध संबंधों के चलते उसके साथ मारपीट की और फिर शर्मिला के साथ मिलकर जबरदस्ती कीटनाशक दवा पिला दी।रास्ते में सुभाष की तबीयत और ज्यादा बिगड़ने लगी। वे सुभाष को लेकर अस्पताल पहुंचे और भर्ती करवाया, लेकिन इलाज के दौरान अपराह्न करीब 3 बजे उसके भाई सुभाष की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बीएनएस की धाराओं व एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

जहरीली गैस से परेशान ग्रामीणों का फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन:भूख हड़ताल पर बैठे

भीलवाड़ा, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक फैक्ट्री से निकल रही जहरीली गैस से पीड़ित ग्रामीण आज फैक्ट्री के गेट के बाहर भूख हड़ताल पर बैठे और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन लोगों का आरोप है कि इस फैक्ट्री में गाड़ी के टायरों को जलाकर तेल बनाया जाता है जिसे निकलने वाली जहरीली गैस से ग्रामीण बीमार हो रहे हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्हें मजबूर होकर आज भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा है।

मामला मंगरोप थाना क्षेत्र का है। यहां चित्तौड़गढ़ रोड पर गुवारडी नाले के समीप क्वालिटी शूटिंग फैक्ट्री से निकलने वाली गैस से परेशान ग्रामीण आज इकट्ठा होकर फैक्ट्री के बाहर धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। ग्रामीणों का आरोप है की फैक्ट्री में टायरों को जलाकर तेल निकाला जाता है, जिससे धुएं के साथ खतरनाक गैस निकलती है।

गांव के लोग और बच्चों को भयंकर बदबू से सांस लेने में तकलीफ होती है। इस बारे में पीएमओ और सीएमओ पोर्टल पर भी शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने से फैक्ट्री मालिक की लापरवाही जारी है। परेशान होकर आज ग्रामीण फैक्ट्री बंद करने की मांग को लेकर फैक्ट्री के बाहर पहुंच गए और भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर 15 दिन के अंदर फैक्ट्री को बंद नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों के फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन और आंदोलन की सूचना पर मंगरोप थाना प्रभारी विवेक हरसाना मय जाप्ते मौके पर पहुंचे हैं और लोगों से समझाईश की जा रही है। सूचना

सड़क हादसे में 4 घायल:दो व्यक्तियों के सिर में आई चोट, दो जनों के पांव में फ्रेक्चर; बांगड़ अस्पताल में इलाज जारी

पाली , 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाली में सोमवार को 3 अलग-अलग हादसों में चार जने घायल हो गए। हादसे में दो जनों के सिर में गंभीर चोट आई वहीं दो जनों के पांव में फ्रेक्चर हो गए। घायलों को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल भर्ती किया गया। जहां उनका उपचार जारी है।

पहला हादसा पाली जिले के फुलाद गांव के पास हुआ। बाइक पर आ रहे पाली जिले के धापुणिया बेरा सारण (सिरियारी) निवासी 35 साल के विजय सिंह पुत्र शेषूसिंह रावत और 40 साल के बाबूसिंह पुत्र रेणसिंह को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। दोनों घायलों के सिर और पांव में चोटे आई।

इसी तरह बाइक से रोहट निवासी भुंडाराम(25) पुत्र गोविंद सरगरा रोहट से जालोर की तरफ सोमवार की सुबह जा रहा था। इस दौरान स्कोर्पियो चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक का एक हाथ फ्रेक्चर हो गया और सिर में भी चोट आई।

पाली शहर के नया बस स्टैंड से कुछ आगे मनू सर्विस सेंटर के पास हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार पाली के केशव नगर निवासी 58 साल के पुखराज पुत्र केसाराम मेघवाल घायल हो गए। हादसे में उसके सिर में चोट लगी। चारों घायलों का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है।

बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त अधिभार को दी मंजूरी

1.09 रुपये प्रति किलोवाट घंटे का अतिरिक्त अधिभार * मार्च 2025 तक रहेगा लागू

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विद्युत विनियामक आयोग (टीजीईआरसी) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही के लिए ओपन एक्सेस (ओए) उपभोक्ताओं के लिए 1.09 रुपये प्रति किलोवाट घंटे का अतिरिक्त अधिभार मंजूर किया है। यह अधिभार अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक लागू रहेगा। यह निर्णय तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) और तेलंगाना उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएनपीडीसीएल) द्वारा अधिभार का अनुरोध करने वाली याचिका दायर करने के बाद लिया गया। डिस्कॉम ने शुरू में 1.60 रुपये प्रति किलोवाट घंटे का

अतिरिक्त शुल्क प्रस्तावित किया था, जिसमें खुले उपयोग वाले उपयोगकर्ताओं से फंसे हुए क्षमता, ट्रांसमिशन, वितरण और मांग शुल्क से संबंधित लागतों को कवर करने की आवश्यकता का हवाला दिया गया था।

डेटा की सावधानीपूर्वक जांच के बाद, टीजीईआरसी ने 1.09 रुपये प्रति किलोवाट के संशोधित अधिभार को मंजूरी दे दी। अतिरिक्त अधिभार टीजीएसपीडीसीएल और टीजीएनपीडीसीएल के सभी ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं पर लागू होगा, कुछ अपवादों के साथ। विशेष रूप से, कैप्टिव पावर प्लांट या विशिष्ट हरित ऊर्जा स्रोतों से बिजली का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को छूट दी जाएगी।

आयोग के निर्णय के लिए पूरी तरह से सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया अपनाई गई। सितंबर 2024 में सार्वजनिक सुनवाई की गई, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों को अपने विचार व्यक्त करने का मौका दिया गया। अधिभार की गणना और ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं के कारण फंसे हुए क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंताएं व्यक्त की गईं। हालांकि, आयोग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अधिभार आवश्यक है।

टीजीईआरसी ने कहा कि ओपन एक्सेस उपभोक्ता प्रतिस्पर्धी ऊर्जा आपूर्ति विकल्पों से लाभ उठाना जारी रख सकते हैं, लेकिन अधिभार से डिस्कॉम को बुनियादी ढांचे के रखरखाव और बिजली खरीद समझौतों सहित उनकी निश्चित लागतों की भरपाई करने में मदद मिलेगी। इस संतुलन का उद्देश्य उपयोगिताओं और उपभोक्ताओं दोनों के हितों की रक्षा करना है। नया अधिभार 1 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगा।

नौसेना रडार स्टेशन के निर्माण कार्य को रोके सरकार

पर्यावरण कार्यकर्ताओं की सीएम से गुहार * आज किया जाएगा उद्घाटन

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से दामागुंडम जंगल में नौसेना रडार स्टेशन के निर्माण कार्य को आगे न बढ़ाने का आग्रह किया है।

इस परियोजना के लिए करीब 2,900 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी और इसका उद्घाटन 15 अक्टूबर को होगा। कार्यकर्ता ने नौसेना परियोजना के लिए दान की जा रही जमीन के क्षेत्र पर चिंता जताई और कहा कि हम पूर्वी नौसेना कमान (भारतीय नौसेना) द्वारा दामागुंडम वन रिजर्व के भीतर 2,900 एकड़ से अधिक क्षेत्र में प्रस्तावित 'प्रोजेक्ट एम्बर' बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन के बारे में अपनी गंभीर चिंताओं को व्यक्त करना

चाहते हैं, जिसके लिए पर्यावरण मंजूरी और वन मंजूरी केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 2016 और 2017 में ही दी जा चुकी है।

तेलंगाना के दामागुंडम वन बचाओ फोरम की ओर से कार्यकर्ताओं ने बताया कि दामागुंडम रिजर्व फॉरेस्ट एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र है, जो विविध वनस्पतियों, जीवों का घर है और हैदराबाद क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण के लिए एक आवश्यक बफर है। कार्यकर्ताओं ने बड़ी चिंता के साथ कहा कि उक्त परियोजना की पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) रिपोर्ट को राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कारणों का हवाला देते हुए सार्वजनिक नहीं किया गया है।

उन्होंने ईआईए रिपोर्ट के खुलासे की मांग की और इस बात पर बल दिया कि ईआईए का खुलासा संभावित पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से वन क्षरण, जैव विविधता की हानि, भूजल क्षमता और वनस्पतियों, जीवों, जल निकायों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों पर संभावित प्रभावों के संदर्भ में, जो अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं।

इसके अलावा, दामागुंडम वन क्षेत्र में शुरू की जा रही परियोजना के बारे में जन सुनवाई की मांग की जा रही है। 'राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं' का हवाला देकर ईआईए अधिसूचना, 2006 की धारा 7, III चरण (3) 1 (एफ) के तहत छूट का दावा करते हुए जन सुनवाई की आवश्यकता को दरकिनार करने का निर्णय लोकतांत्रिक दृष्टिकोण को नहीं दर्शाता है।

सार्वजनिक सुनवाई पर्यावरण समीक्षा प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो यह सुनिश्चित करती है कि स्थानीय समुदायों, पर्यावरण समूहों और वैज्ञानिक विशेषज्ञों सहित सभी हितधारकों को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने और महत्वपूर्ण सुझाव देने का अवसर मिले।

साईबाबा को गन पार्क स्मारक पर दिया गया 'लाल सलाम'

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं ने दिवंगत प्रोफेसर जीएन साईबाबा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके पार्थिव शरीर को सोमवार सुबह तेलंगाना विधानसभा के पास गन पार्क स्थित शहीद स्मारक पर लाया गया। पार्थिव शरीर को वहां लाए जाने के तुरंत बाद जब कार्यकर्ताओं को वहां से चले जाने को कहा गया तो पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच बहस हो गई। प्रोफेसर कासिम ने याद दिलाया कि कैसे प्रोफेसर साईबाबा ने 2 लाख लोगों को संगठित किया था और दिसंबर 1998 में वारंगल में एक विशाल सार्वजनिक बैठक आयोजित की थी, जिसके परिणामस्वरूप तेलंगाना राज्य आंदोलन के समर्थन में 'वारंगल घोषणा' हुई थी।

उन्होंने कहा कि यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने भी 2014 में सत्ता संभालने के बाद विधानसभा में वारंगल घोषणा के योगदान के बारे में बात की थी। प्रोफेसर कासिम ने कहा कि साईबाबा सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा चाहते थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में आदिवासियों पर हो रहे हमलों पर सवाल उठाए और उनके प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकारों का दावा किया। आने वाली पीढ़ियाँ उनके काम और बलिदान से प्रेरणा लेंगी। कार्यकर्ताओं ने लाल सलाम के नारे लगाए और मौला अली के लिए रवाना हुए जहां साईबाबा के अवशेषों को रखा जाना था और फिर उन्हें शोध उद्देश्यों के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया।

सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 को

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में फ्रीमेसनरी की प्राथमिक इकाई लॉज कीज नंबर 297, जीएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के साथ मिलकर शनिवार को सुबह 10 बजे से गोशामहल बारादरी मेसोनिक बिल्डिंग में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। यह कार्यक्रम दो घंटे का एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा और प्रत्येक प्रतिभागी को एक पुतले पर प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 40 प्रतिभागियों को अनुमति दी जाएगी, जिनमें से 25 गरीब और प्रथम उत्तरदाताओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। 25 निःशुल्क प्रतिभागियों में कैब, ऑटो चालक, चौकीदार और रेहड़ी-पटरी वाले जैसे प्रथम उत्तरदाता शामिल हैं।

ओडिशा प्रशिक्षु आईएएस टीम ने जीएचएमसी के कामकाज का अध्ययन किया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा 2023 बैच के प्रोबेशनरी आईएएस अधिकारियों के एक समूह ने जीएचएमसी में लागू सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए सोमवार को शहर का दौरा किया। इस अवसर पर, उन्होंने जीएचएमसी प्रधान कार्यालय का दौरा किया और कर, वित्त, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली, जनता को प्रदान की जाने वाली आधुनिक सेवाओं और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख विभागों में जीएचएमसी द्वारा किए गए उपायों का अध्ययन किया। जीएचएमसी के संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आईएएस की एक टीम के साथ एक कमांड कंट्रोल रूम की बैठक की और उन्हें स्वच्छता प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के निर्माण, जीएचएमसी के राजस्व सृजन के लिए किए जा रहे उपायों और किए जा रहे उपायों के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए. इस अवसर पर जीएचएमसी अधिकारियों ने कई आईएएस द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के बारे में बताया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश ने कहा... कि जीएचएमसी ने संपत्ति कर भुगतान के लिए ऑनलाइन प्रणाली उपलब्ध कराई है और जीएचएमसी द्वारा लोगों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के तहत सभी संपत्तियों की मैपिंग जीआईएस सर्वेक्षण के माध्यम से की गई और लोगों को संपत्ति कर का एकमुश्त निपटान का अवसर देकर एक ही समय में बड़ी मात्रा में संपत्ति कर एकत्र किया गया। उन्हें समझाया गया कि जीएचएमसी विभिन्न नीतियों के माध्यम से वित्तीय संसाधन बढ़ाएगी। इस अवसर पर उन्होंने संपत्ति कर वाणिज्यिक आवासीय कर गणना प्रक्रिया के बारे में बताया। स्वच्छता संयुक्त आयुक्त वेणुगोपाल रेड्डी ने कहा... शहर में स्वच्छता प्रबंधन के लिए उठाए गए विभिन्न कदम, कार्यरत कर्मचारियों का विवरण, स्वच्छ ऑटो के माध्यम से घर-घर से कचरा संग्रहण, एकत्रित कचरे के प्रसंस्करण जैसे विवरण, निर्माण कचरे को स्थानांतरित करने और रीसाइक्लिंग के लिए उठाए जा रहे कदम .

उन्होंने कहा कि हम हैदराबाद को हरा-भरा और स्वच्छ शहर बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर में प्रति दिन 8,000 मीट्रिक टन से अधिक ठोस कचरे को उपचार के माध्यम से पुनर्चक्रित किया जाता है। बाद में, आईएएस की एक टीम ने जीएचएमसी मुख्यालय में नियंत्रण कक्ष का दौरा किया। इस मौके पर ओएसडी अनुराधा कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली के बारे में उन्हें बताया गया। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी नागरिकों की शिकायतों के निवारण के लिए केंद्रीकृत लोक शिकायत प्रणाली लागू करेगी।

हत्या के प्रयास के आरोप में रियल एस्टेट एजेंट गिरफ्तार

मंचेरियल, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तीन साल पहले मंथनी के एक वकील दंपति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक रियल एस्टेट एजेंट को सोमवार को यहां एक जमीन पर कब्जा करने और एक व्यक्ति की हत्या का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक तलवार जब्त की गई।

मंचेरियल इंस्पेक्टर आर बंसीलाल ने कहा कि पेड्डापल्ली जिले के मंथनी मंडल के गुंजापडुगु गांव के एक रियल एस्टेट कारोबारी और वकील दंपति की सनसनीखेज हत्या के आरोपियों में से एक कुंटा श्रीनिवास को शहर के हमालीवाड़ा में पी सुधाकर रेड्डी, के सत्ताइया और एस संपथ के 2,000 वर्ग गज के प्लॉट पर अतिक्रमण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान श्रीनिवास ने जमीन की कीमत बढ़ने के बाद अपराध करना कबूल किया। उसने प्लॉट पर कब्जा करने के इरादे से प्लॉट की दीवार गिराने और 10 अक्टूबर को तलवार से सुधाकर रेड्डी को जान से मारने की धमकी देने की बात कबूल की। उसने खुलासा किया कि उसने 2013 में प्लॉट के पास एक जमीन खरीदी थी। पुलिस ने बताया कि श्रीनविया अब तक पांच अपराधों में शामिल रहा है।

काले जादू के आरोप के बीच ग्रामीण पर हमला

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी मंडल के अदलूर गांव में स्थानीय लोगों ने 46 वर्षीय एक व्यक्ति पर काला जादू करने का आरोप लगाते हुए हमला किया। ग्रामीणों ने पीड़ित सैलू को पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से पीटा, पत्थर फेंके और उस पर मिर्च पाउडर छिड़का। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को देवुनिपल्ली पुलिस ने बचाया और उसके सिर और पैरों में चोट के इलाज के लिए कामारेड्डी सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। सेलू के परिजनों ने स्थानीय गोडुपल्ली पुलिस स्टेशन में हमलावरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

बीआईएस का लक्ष्य उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराना ही : एमएजे विनोद

विजयवाडा,(आंध्र प्रदेश) 14अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश भारतीय मानक ब्यूरो(एपी बीआईएस) द्वारा विजयवाड़ा शहर के हयात होटल में विश्व मानक दिवस समारोह आयोजित हुवा। जिसमें बीआईएस विजयवाडा प्रमुख, वरिष्ठ निदेशक एवं वैज्ञानिक, एमएजे विनोद ने कहा कि, बीआईएस का लक्ष्य उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराना है।

इस संदर्भ में, बीआईएस विजयवाडा के शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, सोमवार 14 अक्तूबर को, भारतीय मानक ब्यूरो, विजयवाड़ा द्वारा विजयवाडा शहर के मशहूर हयात होटल में विश्व मानक दिवस कार्यक्रम आयोजित हुवा। तत्संबंधित विश्व मानक दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आं.प्र.भारतीय मानक ब्यूरो विजयवाड़ा प्रमुख, वरिष्ठ निदेशक एवं वैज्ञानिक एमएजे विनोद ने कहा कि, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)का एकमात्र लक्ष्य सभी उपभोक्ताओं को अत्युत्तम गुणवत्तायुक्त उत्पाद या सामान उपलब्ध कराना है। जिसमें हरेक उपभोक्ताओं को यह जांचने की जरूरत है कि, वे जो भी उत्पाद या सामान खरीदते हैं, वह मानकीकृत प्रमाणित है या नहीं अथवा मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। अतः खरीदी जानेवाला कोई भी उत्पाद या सामान भारतीय मानक ब्यूरो के गुणवत्ता मानक हैं या नही, इसके लिए प्रत्येक उपभोक्ता को बीआईएस केयर ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा। ताकि खरीदी जानेवाली तत्संबंधित किसी भी उत्पाद की प्रामाणिकता की पुष्टि हो सके।

यदि गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित उत्पाद या सामान के विरुध्द शिकायत की जानी चाहिए। ऐसा करने से न केवल शिकायत करने वाले उपभोक्ताओं को पर्याप्त मुआवजा या नुकसान भरपाई राशि मिलेगी, बल्कि खराब गुणवत्तायुक्त उत्पाद या सामान की बिक्री भी रोकी जा सकती है। उन्होंने कहा कि वे उपभोक्ताओं की सुरक्षा, गुणवत्ता और बेहतर जीवन स्तर के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

हिंदू सेवा समाज द्वारा आयोजित दशहरा सम्मेलन में उपस्थित चेयरमैन राजू उस्ताद, सुदेश सिंह अध्यक्ष, श्रीमती शोभा पांडे महासचिव, बाला प्रसाद तिवारी कोषाध्यक्ष , एम नागेश्वर राव कार्यकारी अध्यक्ष, टीजी रामबाबू यादव उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी गोपाल बल्दवा।

जुक्कल विधायक ने गौतम बुद्ध प्रतिमा का अनावरण किया

मदनूर 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव ने गौतम बुद्ध की प्रतिमा के अनावरण में भाग लिया। उन्होंने आज मदनूर मंडल केंद्र में एससी कॉलोनी में 13 लाख रुपये के सी डी पी फंड से सामुदायिक हॉल का उद्घाटन किया।

इस समय एस सी सामुदायिक भवन में गौतम बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस समय भारत रत्न आंबेडकर प्रतिमा को फूल माला अर्पण करने के बाद सोमवार के दिन मुख्य बाजार से एससी सामुदायिक भवन तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई इस समय कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता के साथ अन्य लोगो ने भाग लिया।

भाग्यनगर ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित स्वर्णाभूषण, चांदी व रत्नजडित अलंकार भंडार शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स(एसएलजे) के मालिक ने हर्ष जताया कि, एसएलजे शोरूम पर बहुमूल्य प्रदर्शनी के अंतिम दिन पर ग्राहकों की भारी भीड देखी गयी। जिसमें एसएलजे मालिक ने कुल 11 दिनतक जारी तत्संबंधित बहुमूल्य प्रदर्शनी में सभी ग्राहकवृन्द के उत्तम प्रतिसाद के प्रति हृदयपूर्वक आभार प्रकट किया।

एक शाम श्री आईमाताजी के नाम आयोजित

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा स्थित सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं द्वारा शुक्रवार 11 अक्टुबर सायं 5.30 बजे से 8.30 बजे तक डांडिया कार्यक्रम, सायं 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें संदीप सेजु ने श्री माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। पधारे सम्मानित अतिथियों का पदाधिकारियों द्वारा स्वागत कर कार्यक्रम स्थल पर भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वेनाराम चोयल, धन्नाराम देवड़ा, चुन्नीलाल पंवार, छोगालाल गेहलोत, प्रकाश सेपटा, मोहनलाल चोयल, लक्ष्मणराम परिहार, स्वरुपराम पंवार, पदाधिकारीयों व कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। आरती के पश्चात् सचिव प्रकाश सेपटा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री राजस्थानी मित्र मंडल चकरीपुरम, नागारम, कुशाईगुडा द्वारा शिवा साई फंक्शन हॉल में नवरात्रि महोत्सव में आयोजित रंगारंग डांडिया नृत्य में बत्तौर मुख्यअतिथि मल्काजगिरी सांसद ईटला राजेन्द्र, नागारम नगर परिषद चेयरमैन के.चन्द्रा रेड्डी, पूर्व विधायक सुभाष रेड्डी, पार्षद रविन्द्र रेड्डी, भाजपा नेता सुदर्शन रेड्डी, सोहनसिंह राजपुरोहित, एफएसओ घनश्यामसिंह सोलंकी का सम्मानकर उपस्थित आयोजक व समाज बन्धु।

जूस सेंटर में तोड़फोड़ के आरोप में 14 गिरफ्तार

मंचेरियल, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में सोमवार को हत्या के प्रयास और जूस सेंटर में तोड़फोड़ करने के आरोप में चौदह लोगों को गिरफ्तार किया गया। कागजनगर के डीएसपी रामानुजम और इंस्पेक्टर श्रीनिवास ने एक बयान में कहा कि शहर के विभिन्न हिस्सों से 14 लोगों को हत्या के प्रयास और फलों के जूस सेंटर को नुकसान पहुंचाने में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप रविवार रात शहर में दो वर्गों के बीच संघर्ष हुआ।

उन्होंने कहा कि जल्द ही और आरोपियों को हिरासत में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पकड़े गए 14 लोगों और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। रविवार आधी रात को कस्बे में दुर्गा प्रतिमा जुलूस के दौरान दो समुदायों के लोगों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया, जिसके बाद कुछ देर के लिए हल्का तनाव पैदा हो गया। दोनों समूहों के बीच झड़प किसी मामूली बात को लेकर हुई। पुलिस ने पड़ोसी थानों से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मदद से झड़प करने वाले समूहों को तितर-बितर करके स्थिति को नियंत्रण में किया। पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। संघर्ष के मद्देनजर गश्त बढ़ा दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व कप फाइनल्स में नहीं खेलेंगे भारत के ओलंपिक पदक विजेता शूटर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में तीन पदक जीतने के बाद 23 भारतीय निशानेबाज सोमवार से कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू होने जा रहे विश्वकप फाइनल्स में निशाना साधने जा रहे हैं। हालांकि ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह फाइनल्स में नहीं खेलेंगे, लेकिन पेरिस में खेलने वाले नौ भारतीय निशानेबाज देश के लिए दावेदारी पेश करेंगे। इनमें रिद्म सांगवान (10 मीटर एयरपिस्टल, 25 मी. पिस्टल), 10 मी. एयरराइफल में चौथे स्थान पर रहने वाले अर्जुन बबूटा, अर्जुन चीमा (10 मी. एयरपिस्टल), अनीश, विजयवीर सिद्धू (25 मी. पिस्टल), अनंतजीत सिंह नरूका, महेश्वरी चौहान (स्कीट), राजेश्वरी

कुमारी, श्रेयसी सिंह (ट्रैप) शामिल हैं।

1.65 करोड़ की इनामी राशि

टूर्नामेंट में 37 देशों के 131 शूटर भाग ले रहे हैं। इनमें ओलंपिक पदक विजेता तुर्किये के युसुफ डिकेच, हंगरी की मेजर वेरोनिका, स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन जैसे शूटर शामिल हैं। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव के अनुसार टूर्नामेंट में 1.65 करोड़ रुपये की इनामी राशि रखी गई है। स्वर्ण पदक विजेता को 5000 यूरो (लगभग 4.60 लाख रुपये) मिलेंगे। वर्ष के अंतिम टूर्नामेंट फाइनल्स में ओलंपिक पदक विजेता समेत विश्वकप में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शूटर शिरकत करते हैं, लेकिन भारत को मेजबान होने के नाते प्रत्येक इवेंट में दो वाइल्ड कार्ड मिले हैं।

जूनियर विश्वकप होगा भारत में

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग महासंघ के अध्यक्ष लूसियानो रोसी ने घोषणा की कि एनआरएआई की मांग पर भारत को अगले वर्ष जूनियर विश्व कप की मेजबानी दी जा रही है। रोसी ने यह भी कहा कि 2027 के एक ओलंपिक क्वालिफायर की मेजबानी भी एनआरएआई ने मांगी है। इस पर भी विचार किया जाएगा। यही नहीं, रोसी ने यह भी बताया कि अगले वर्ष से शूटिंग के कुछ नियमों में परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होगी। शॉटगन में छह फाइनलिस्ट होते हैं, इन्हें सभी के समान 8 करने का विचार है। इसके अलावा ओलंपिक में शूटऑफ को काफी पसंद किया गया। इसे भी और रोचक बनाया जाएगा। शॉटगन के फाइनल और रोचक और छोटा बनाने की भी योजना है।

नेशनल टीम में जगह बनाकर ही दम लेगा भारतीय खिलाड़ी! छह पारियों में जड़ दी चौथी सेंचुरी

मुंबई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के युवा सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन का रेड बॉल क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने सीजन के पहले रणजी ट्रॉफी मैच में उत्तर प्रदेश के खिलाफ शतक जड़कर भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। ईश्वरन का यह पिछली छह पारियों में चौथा शतक है, जिसने उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में चयन के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है।

यूपी के खिलाफ ईश्वरन पहली पारी में कुछ खास नहीं कर सके थे, लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में शतक जड़कर जोरदार वापसी की। ईश्वरन को भारतीय टेस्ट टीम में कई बार शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें अब तक रेड बॉल क्रिकेट में डेब्यू करने का

मौका नहीं मिला है। ईश्वरन हाल ही में खत्म हुई दलीप और ईरानी ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में थे, जहां उन्होंने अपनी टीमों के लिए ढेर सारे रन बनाए। ईश्वरन की पिछली दस पारियों पर नजर दौड़ाई जाए तो आंकड़े इस तरह हैं 127 नाबाद, 191, 116, 19, 157 नाबाद, 13, 4, 200 नाबाद, 72, 65।

बैक-अप ओपनर के तौर पर शामिल हो सकते हैं ईश्वरन

उनके इस धांसू प्रदर्शन के बाद उनको लेकर सोशल मीडिया पर जमकर आवाजें उठ रही हैं कि उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बैक-अप ओपनर के तौर पर शामिल किया जाना चाहिए। बता दें कि भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा, जहां खिलाड़ियों को आराम की जरूरत पड़ने या चोटिल होने की स्थिति में मजबूत बैक-अप की जरूरत होगी।

ईश्वरन के नाम 7500 से ज्यादा रन

ईश्वरन का बल्ला फर्स्ट क्लास क्रिकेट में जमकर आग उगलता है, जहां उन्होंने 7500 से ज्यादा रन बनाए हैं। वो मौजूदा समय में सबसे बेहतरीन ओपनर के रूप में उभरे हैं। पिछले कुछ सालों में इस खिलाड़ी ने इंडिया ए की कप्तानी भी की है।

ईश्वरन के शतक की बदौलत बंगाल ने पहले रणजी ट्रॉफी मैच के आखिरी दिन उत्तर प्रदेश को 274 रनों का टारगेट दिया है। मैच की पहली पारी में बंगाल के खिलाफ यूपी की टीम 292 रनों पर आउट हो गई थी।

भारत-पाकिस्तान में क्रिकेट की एक और टक्कर

महिला टी20 वर्ल्ड कप के बीच दिखेगा रोमांच, 19 अक्टूबर को मैच

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट के मैदान पर भारत-पाकिस्तान का एक और घमासान देखने के लिए तैयार हो जाएं. बिसात बिछ चुकी है और महामुकाबले की तारीख भी तय हो चुकी है. दोनों चिर प्रतिद्वन्द्वियों में ये भिड़ंत महिला T20 वर्ल्ड कप के बीच ओमान की सरजमीं पर होगी. ये मुकाबला ना तो महिला टीमों का होगा और ना ही भारत-पाकिस्तान की सीनियर टीमों के बीच. बल्कि एमर्जिंग एशिया कप में ये मुकाबला इंडिया ए और पाकिस्तान ए के बीच खेला जाएगा.

19 अक्टूबर को एमर्जिंग एशिया कप में मैच

एमर्जिंग एशिया कप 2024 का आयोजन T20 फॉर्मेट में होगा,

जिसमें भारत और पाकिस्तान की टीमों की टक्कर 19 अक्टूबर को होगी. ये महामुकाबला मस्कट के ओमान क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड पर खेला जाएगा. एमर्जिंग एशिया कप की शुरुआत 18 अक्टूबर से हो रही है. लेकिन, भारतीय टीम इसमें अपने अभियान का आगाज 19 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ ही करती दिखेगी. पाकिस्तान का भी ये टूर्नामेंट में पहला मैच होगा.

तिलक वर्मा की कप्तानी में उतरेगी इंडिया ए

एमर्जिंग एशिया कप के लिए इंडिया ए की कप्तानी तिलक वर्मा करते दिखेंगे, जिनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट में 4 वनडे और 16 टी20 का अनुभव है. वहीं तिलक वर्मा के डिप्टी यानी उप कप्तान का रोल अभिषेक शर्मा निभाते दिखेंगे. इसके अलावा राहुल चाहर एक ऐसे खिलाड़ी होंगे, जिनके पास इंटरनेशनल अनुभव होगा.

इन तीनों भारतीय खिलाड़ी के अलावा बाकी खिलाड़ियों के पास आईपीएल खेलने का अनुभव है, जिनमें आयुष बडोनी, रमनदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह, नेहाल वडेरा, अनुज रावत, ऋतिक शौकीन, साईं किशोर, रासिक सलाम, वैभव अरोड़ा और आकिब खान जैसे नाम शामिल हैं.

पहली बार T20 फॉर्मेट में टूर्नामेंट

भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में रखा गया है. इन दोनों के अलावा यूएईऔर ओमान की टीम भी इसी ग्रुप का हिस्सा है.

ये पहली बार है जब एमर्जिंग एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है. इससे पहले खेले 5 एडिशन 50 ओवर फॉर्मेट में खेले गए.

भारत ने 2013 में एमर्जिंग एशिया कप का पहला एडिशन जीता था. वहीं, पाकिस्तान पिछले दो बार से इस टूर्नामेंट का विजेता है. पाकिस्तान ए ने पिछली बार फाइनल में इंडिया ए को हराकर खिताब जीता था. इस बार इंडिया ए के पास बदले का मौका है, जिसकी शुरुआत वो पाकिस्तान ए का आगाज खराब करके कर सकता है.

बिना वीजा के दिल्ली पहुंची ओलंपिक स्वर्ण विजेता शूटर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व कप फाइनल के लिए खेलने आ रही ओलंपिक और पूर्व विश्व चैंपियन स्पेन की शूटर फातिमा गालवेज बिना वीजा के भारत पहुंच गईं। वह स्पेनिश टीम के साथ शनिवार की देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरीं। टीम के अन्य दो सदस्यों के पास वीजा था, लेकिन ट्रैप शूटर फातिमा के बिना वीजा नहीं होने के कारण उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक दिया।

अधिकारियों को हैरानी इस बात की थी कि वीजा नहीं होने के बावजूद महिला शूटर को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने बिठा कैसे लिया। शूटर को वापस स्पेन भेजे जाने की तैयारी थी, लेकिन एनआरएआई के हस्तक्षेप के बाद उन्हें टेंपरेरी लैंडिंग परमिट

(टीएलपी) जारी किया गया। इसके बाद वह एयरपोर्ट से बाहर निकल पाईं। वह अब विश्वकप फाइनल में खेल पाएंगी।

कोच द्रादी और साथी शूटर के पास था वीजा

सूत्र बताते हैं कि इस नाटकीय घटनाक्रम ने एयरपोर्ट और एनआरएआई अधिकारियों की नींद उड़ा दी। फातिमा ने ई वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन इसे कुछ दस्तावेजों के आभाव में खारिज कर दिया गया था। फातिमा के साथ भारत के पूर्व शूटिंग कोच और वर्तमान में स्पेन के कोच मार्सेलो द्रादी और पुरुष ट्रैप शूटर अल्बर्टो फर्नांडीज थे। इन दोनों का वीजा था। फातिमा के साथ ये दोनों भी सुबह तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे।

एनआरएआई के जरिए फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एफआरआरओ) के पास मामला पहुंचा। उन्हें बताया गया कि फातिमा नामी शूटर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण समेत तीन रजत दो कांस्य जीत चुकी हैं और पहले भी भारत आ चुकी है। इसके बाद एफआरआरओ ने उन्हें टीएलपी जारी किया। एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने घटना की पुष्टि करते करते हुए कहा, फातिमा होटल आ चुकी हैं और टूर्नामेंट में खेलेंगी।

हॉकी इंडिया लीग खिलाड़ी नीलामी

पंजाब के हुए हरमनप्रीत, हॉकी लीग में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सात साल बाद वापसी कर रही हॉकी इंडिया लीग की बोली में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह की 78 लाख की सबसे बड़ी बोली लगी। सरपंच साहब के नाम से मशहूर स्टार ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों को लेने के लिए उम्मीद के मुताबिक टीमों में बड़ी होड़ रही। उनके अलावा अभिषेक शर्मा दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे जिन्हें श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा।

हार्दिक सिंह को यूपी रुद्राक्ष ने 70 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। इसके अलावा अमित रोहिदास को तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 48 लाख जबकि जुगराज सिंह को इतनी ही राशि में श्राजी रारह बंगाल टाइगर्स ने अपने साथ जोड़ा।

हैदराबाद तूफान्स ने सुमित पर 46 लाख रुपये का दांव लगाया है। इसके अलावा हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर भी मालामाल हो गए।

विदेशी गोलकीपरों में जर्मनी के जीन पाल डेनेबर्ग को हैदराबाद ने 27 लाख रुपये में लिया। भारतीय गोलकीपरों में कृष्ण बहादुर पाठक 32 लाख रुपये में कलिंगा लांसर्स में और सूरज करकेरा 22 लाख में टीम गोनासिका और पवन 15 लाख रुपये में दिल्ली एसजी पाइपर्स में शामिल हुए। तीन दिवसीय बोली में पहले दिन पुरुष खिलाड़ियों की बोली लगी। लीग में पुरुष वर्ग में आठ और महिला वर्ग में छह टीमें हिस्सा लेंगी।

सूरमा क्लब पंजाब : हरमनप्रीत सिंह (78 लाख रुपये), गुरजंट सिंह (19 लाख), विवेक सागर प्रसाद (40 लाख), विन्सेंट वानेस्च (23 लाख)।

तमिलनाडु ड्रैग्नस : अमित रोहिदास (48 लाख), डेविड हार्टे (32 लाख)।

यूपी रुद्राक्ष : हार्दिक सिंह (70 लाख), ललित कुमार उपाध्याय (28 लाख)।

दिल्ली एसजी पाइपर्स : शमशेर सिंह (42 लाख), जर्मेनप्रीत सिंह (40 लाख) , राजकुमार पाल (40 लाख), टामस सैंटियागो (10 लाख), पवन (15 लाख)

श्राजी रारह बंगाल टाइगर्स : सुखजीत सिंह (42 लाख), अभिषेक (72 लाख), जुगराज सिंह (48 लाख), पीरमीन बलाक (25 लाख)।

वेदांता कलिंगा लांसर्स : संजय(38 लाख), कृष्ण बहादुर पाठक (32 लाख)।

हैदराबाद तूफांस : नीलकांता शर्मा (34 लाख), सुमित वाल्मीकि (46 लाख), जीन पाल डेनेबर्ग (27 लाख)।

टीम गोनासिका : मनदीप सिंह (25 लाख), मनप्रीत सिंह (42 लाख), ओलिवर पायने (15 लाख), सूरज करकेरा (22 लाख)।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित

डब्ल्यूटीसी फाइनल में परखच्चे उड़ाने वाले गेंदबाज की वापसी

सिडनी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडिया A ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली है, जहां पर 2 टेस्ट मैच की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया A टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में कई युवा खिलाड़ियों के अलावा सीनियर खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले स्कॉट बोलैंड की टीम में वापसी हुई है।

31 अक्टूबर से आगाज

ऑस्ट्रेलिया ए बनाम इंडिया एके बीच 2 टेस्ट मैच की सीरीज का पहला मैच 31 अक्टूबर से खेला जाएगा,जबकि दूसरा मैच 7 नवंबर से 10 नवंबर के बीच मेलबर्न में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज चार दिन की होने वाली

है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम के स्क्वाड का ऐलान कर दिया है, जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडिया ए टीम का ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि इंडिया ए के लिए रुतुराज गायकवाड़ को कप्तानी दी जा सकती है। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो बोर्ड गायकवाड़ को ही कप्तान के रूप में देख रही है। उनके अलावा रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी इंडिया A में मौका मिलने की उम्मीद है।

स्कॉट बोलैंड की वापसी से मजबूत हुआ ऑस्ट्रेलिया ए

तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी बार साल 2023 में खेला था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई। बोलैंड ने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को खूब परेशान भी किया था। पहली पारी में बोलैंड ने 2 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 4 विकेट झटके थे, जिसमें शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज का विकेट शामिल था। बोलैंड के धांसू स्पेल ने ऑस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने में मदद की थी।

ऑस्ट्रेलिया ए टीम का दल

नाथन मैकस्वीनी (कप्तान), कैमरून बैनक्रॉफ्ट, स्कॉट बोलैंड जॉर्डन बकिंघम, कूपर कोनोली, ओली डेविस, मार्कस हैरिस, सैम कोन्स्टास, नाथन मैकएंड्रू, माइकल नेसर, टॉड मर्फी, फर्गस ओ नील, जिमी पीरसन, जोश फिलिप, कोरी रोचिसिओली, मार्क स्टेकेटी, ब्यू वेबस्टर।

शंघाई मास्टर्स का खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने सिनर

शंघाई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने खेले गए फाइनल मुकाबले में 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को सीधे सेटों में हराया। 23 वर्षीय सिनर यह खिताब जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने। सिनर ने यह मुकाबला 7-6 (7-4), 6-3 से जीता। यह सिनर का चौथा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है।

टूर स्तर पर 100वां खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा

इटली के इस खिलाड़ी ने आठ ऐस और 22 विनर लगाए। जोकोविच ने चार ऐस और 12 विनर लगाए, जबकि सिनर ने एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। जोकोविच टूर स्तर के अपने 100वें खिताब की कोशिश में जुटे थे। जिमी कोनोर्स और रोजर फेडरर ही पुरुष टेनिस में शतक के खिताबी आंकड़े को पार कर पाए हैं। कोनोर्स ने 109 जबकि फेडरर ने 103 टूर स्तर के खिताब जीते हैं।

सिनर ने मैच के बाद कहा, यह बहुत कठिन मैच था, जाहिर है, नोवाक के खिलाफ खेलना हमारे लिए सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। जिस तरह से मैंने स्थिति को संभाला उससे मैं बहुत खुश हूं। वह पहले सेट में शानदार सर्विस कर रहा था, मुझे उसे तोड़ने का कोई रास्ता नहीं मिल रहा था। मैंने वास्तव में अच्छा टाई-ब्रेक खेला जिससे मुझे दूसरे सेट में अच्छी शुरुआत करने का आत्मविश्वास मिला।

सिनर ने रोका जोकोविच का विजय रथ

सिनर ने सेमीफाइनल में टोमस मैकाक को हराकर नंबर एक रैंकिंग सुनिश्चित कर ली थी। जोकोविच का शंघाई मास्टर्स के फाइनल में 4-0 का रिकॉर्ड था, लेकिन सिनर ने उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया और इस टूर्नामेंट में जोकोविच का विजय रथ रोका।

टीम इंडिया को लगा जोर का झटका

ऑस्ट्रेलिया से हारकर सेमीफाइनल की उम्मीद लगभग खत्म

शारजाह, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं. लीग स्टेज के अपने आखिरी करो या मरो के मैच में टीम इंडिया को मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर जीत की जरूरत थी लेकिन वो इसमें नाकाम रही. शारजाह में खेले गए इस मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर (54 नाबाद) की जुझारू पारी के बावजूद टीम इंडिया को 9 रन से हार का सामना करना पड़ा. इस हार ने टीम इंडिया की उम्मीदों को लगभग खत्म कर दिया. अब टीम इंडिया की सारी उम्मीदें पड़ोसी देश पाकिस्तान पर टिक गई हैं, जिसे आखिरी मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ना है. अगर पाकिस्तान यहां उलटफेर कर पाकिस्तान को हराती है तो टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी.

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में अपनी स्टार कप्तान एलिसा हीली के बिना उतरी थी, जो भारत के लिए अच्छी खबर थी लेकिन टीम इंडिया ने प्लेइंग इलेवन के बाद अपनी लेग स्पिनर आशा शोभना को चोट के कारण गंवा दिया, जो बुरी खबर साबित हुई. हालांकि आशा की जगह टीम में आई राधा यादव ने फील्डिंग और बॉलिंग से निराश नहीं किया. उन्होंने तीसरे ओवर में ही रेणुका सिंह की गेंद पर ओपनर बेथ मूनी का शानदार कैच लपक लिया. अगली ही गेंद पर रेणुका ने दूसरा विकेट भी गिरा दिया.

यहां पर भारत के पास दबाव बनाने का मौका था लेकिन ग्रेस हैरिस (40) और कप्तान

ताहलिया मैक्ग्रा (32) के बीच 62 रन की साझेदारी हो गई, जिसने ऑस्ट्रेलिया की वापसी कराई.टीम इंडिया ने इन दोनों के विकेट हासिल किए लेकिन फिर दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पैरी (32) आफत बन गईं और उन्होंने रनों की रफ्तार बढ़ाते हुए टीम को 130 रन के पार पहुंचा दिया. आखिर में एनाबेल सदरलैंड (10) और फीबी लिचफील्ड (15) ने छोटी लेकिन तेज पारियां खेलकर टीम को 151 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. टीम इंडिया के लिए रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट झटके.

टीम इंडिया के लिए शेफाली वर्मा (20) ने आते ही कुछ बेहतरीन शॉट लगाए लेकिन इसी तेजी की कोशिश में एक बड़ा शॉट सही से लगा नहीं और चौथे ओवर में ही वो आउट हो गईं. वहीं स्मृति मंधाना (6) का इस वर्ल्ड कप में खराब दौर जारी रहा और एक बार फिर वो सस्ते में आउट हो गईं. पिछले कई मैच में टीम इंडिया को बचाने वाली जेमिमा रॉड्रिग्ज (16) भी इस बार कुछ खास नहीं कर सकीं और इस तरह 7 ओवर में सिर्फ 47 रन तक भारत के 3 विकेट गिर गए थे. ऐसे वक्त में कप्तान हरमनप्रीत और दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला.

हालांकि दोनों की साझेदारी काफी धीमी रही, जिसमें खास तौर पर कप्तान कौर का बल्ला बाउंड्री बटोरने में नाकाम रहा. दीप्ति ने जरूर कुछ चौके बटोरे और टीम को 100 रनों के पार पहुंचाया लेकिन यहीं पर भारत को दोहरा झटका लगा. पहले दीप्ति (29) आउट हुईं और फिर ऋचा घोष 17वें ओवर में रन आउट हो गईं. इस पूरे ओवर में सिर्फ 1 रन आया और ये भारत पर भारी पड़ा. कप्तान कौर और पूजा वस्त्राकर के बीच आखिरी ओवर में 18 गेंदों में 28 रन की तेज साझेदारी ने जीत की उम्मीद जगाई लेकिन आखिरी ओवर में एनाबेल सदरलैंड ने 3 विकेट समेत कुल 4 शिकार करते हुए भारत की हार पर मुहर लगाई. टीम इंडिया 9 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी.

लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना सरकार ने 14 से 18 अक्टूबर तक लोकसभा सचिवालय के निजी सचिवों और आशुलिपिक सेवा अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि निजी सचिवों और आशुलिपिक सेवा अधिकारियों सहित लोकसभा सचिवालय के अधिकारी संसद सदस्यों को उनके कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी हमारी संसदीय प्रणाली की रीढ़ हैं और हमारे संसदीय लोकतंत्र के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, "आइए हम अपने देश के शासन में उनके अमूल्य योगदान को पहचानें और उसकी सराहना करें।" डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि देश का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य और विशेष रूप से लोकसभा सचिवालय सहित सरकारी संस्थान, बहुत तेजी से बदल रहे हैं। इसलिए, उन्होंने अधिकारियों से अपने कौशल को अद्यतन रखने का आह्वान किया, ताकि निर्वाचित प्रतिनिधियों को पेशेवर तरीके से अपने कार्य करने में मदद मिल सके।

डॉ. शशांक गोयल ने बताया कि वर्तमान गतिशील परिदृश्य में, प्रशिक्षण कार्यक्रम से कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे, जिनमें उन्नत कौशल सेट, अद्यतन ज्ञान, बेहतर दक्षता, उन्नत संचार कौशल, नेतृत्व विकास आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा, "याद रखें, क्षमता निर्माण एक बार में होने वाला काम नहीं है। वास्तव में, यह नए कौशल हासिल करने, बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने और नवाचारों को अपनाने की एक सतत और सतत प्रक्रिया है।" संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (पीआरआईडीई), लोकसभा सचिवालय द्वारा की गई अभिनव पहल की सराहना करते हुए, डॉ. शशांक गोयल ने डॉ. मलिक को आश्वासन दिया कि डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान पीआरआईडीई को हर संभव तरीके से मदद करना जारी रखेगा। डॉ. केपी मलिक, निदेशक, पीआरआईडीई, जो मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम में लोकसभा सचिवालय की महिला अधिकारियों का प्रतिशत लगभग 45% है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम न केवल अधिकारियों को अपनी क्षमताओं में सुधार करने में सहायक होगा, बल्कि उनकी महिला समकक्षों को अपने कार्य-जीवन संतुलन को बनाए रखने के तरीके और साधन सीखने में भी सशक्त करेगा, विशेष रूप से अपने काम और घर के प्रबंधन में। डॉ. उषा रानी, पाठ्यक्रम निदेशक और केंद्र प्रमुख, सीडीएस ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कीं।

संपत्ति विवाद को लेकर व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलहाट में रविवार रात एक परिवार के भीतर संपत्ति विवाद ने एक व्यक्ति की जान ले ली। पीड़ित धर्मेश सिंह अपने माता-पिता के साथ मंगलहाट में रहता था। धर्मेश और उसके तीन अन्य रिश्तेदारों बजरंग, सत्यनारायण और तुलजाराम के बीच पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। इससे पहले भी इसी मुद्दे पर धर्मेश के साथ मारपीट की गई थी।

रविवार की रात बजरंग और अन्य लोगों ने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए धर्मेश को बुलाया और बहस के दौरान कथित तौर पर उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिव्यांगों के लिए लंबित पदों को जल्द ही भरा जाएगा : सीतक्का

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीताक्का ने कहा कि तेलंगाना में लंबे समय से लंबित पदों को जल्द ही भरा जाएगा और इस संबंध में भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

सोमवार को सचिवालय में तेलंगाना विकलांगुला जॉब पोर्टल लॉन्च करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही दिव्यांगों को कल्याण निधि का पांच प्रतिशत आवंटित कर रही है और इसके अलावा, वह निजी नौकरियों में चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगों के कल्याण, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में उनकी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है और याद दिलाया कि वर्तमान राज्य बजट में दिव्यांगों के कल्याण के लिए 50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

टीटीडी ईओ ने अगले 36 घंटों में भारी बारिश के मौसम अलर्ट की समीक्षा की

तिरुमला, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ ने सोमवार को अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी और अन्य अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन पर एक समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान ईओ ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा अगले 36 घंटों में भारी बारिश के हाई अलर्ट के मद्देनजर तिरुमाला में सभी विभागों को सतर्क रहना चाहिए और आपदाओं से निपटने के लिए कार्ययोजना के साथ तैयार रहना चाहिए। टीटीडी द्वारा %00 पन्नों की आपदा प्रबंधन योजना अच्छी तरह से तैयार की गई है और कुछ क्षेत्रों में इसे और परिष्कृत करने की आवश्यकता है। ईओ ने कहा कि वे आपदा प्रबंधन कार्यकारी समिति के प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे और चूंकि पूरी आपदा प्रबंधन योजना तिरुमाला से संबंधित है, इसलिए अतिरिक्त ईओ आपदा प्रबंधन समन्वय समिति के अध्यक्ष होंगे। इसके अलावा, आपदा प्रबंधन प्रतिक्रिया बल होगा जिसमें तिरुमाला में विभिन्न विभागों से संबंधित जमीनी स्तर के कर्मचारी तैयारी के साथ अपने कार्यों को अंजाम देंगे। संपूर्ण कार्ययोजना की निगरानी अतिरिक्त ईओ द्वारा की जाएगी। टीटीडी ईओ ने कहा कि

पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष एक खतरा विशिष्ट योजना तैयार की गई है और संबंधितों को निर्देश दिया गया है कि बाढ़, बिजली और गरज, भूस्खलन के लिए एक खतरा विशिष्ट पुस्तिका होनी चाहिए और टीटीडी के मुख्य अभियंता को सभी के साथ बेहतर संचार के लिए तुरंत एक व्हाट्सएप ग्रुप शुरू करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संचार में चैनल 10 (मैनपैक) का उपयोग विशेष रूप से आपदा प्रबंधन के लिए किया जाएगा और सीवीएसओ को संचार के लिए आवश्यक उपकरण तैयार रखने का निर्देश दिया। ईओ ने मंदिर, अग्निशमन, चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवहन, आईटी, इंजीनियरिंग, सतर्कता विंग को आपातकालीन स्थिति में अपने उपकरणों के साथ अतिरिक्त सतर्क और तैयार रहने का निर्देश दिया। बिजली बैकअप तंत्र मजबूत होना चाहिए और डीजल स्टोर में रखा जाना चाहिए। इसी तरह, आईटी विभाग को भारी बारिश के कारण बिजली गुल होने की स्थिति में दर्शन, आवास, प्रसादम और अन्य सुविधाएं जारी करने के वैकल्पिक तंत्र के साथ तैयार रहना चाहिए।

त्योहारों के दौरान आरटीसी किराया वृद्धि का विरोध

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने हाल ही में बाथुकम्मा और दशहरा त्योहारों के दौरान आरटीसी किराए में की गई बढ़ोतरी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे यात्रियों पर अनुचित बोझ बताया। उन्होंने कहा कि बसों की संख्या में वृद्धि किए बिना बढ़े हुए किराए ने तेलंगाना के लोगों को त्योहार के मौसम का आनंद लेने से रोक दिया।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि जुबली बस स्टेशन से सिद्दीपेट तक 140 रुपये में यात्रा करने वाले यात्री को अब वापसी यात्रा के लिए 200 रुपये देने होंगे। इसी तरह, हनमाकोंडा से हैदराबाद तक सुपर लग्जरी बस का किराया, जो आमतौर पर 300 रुपये होता है, त्योहार के दौरान बढ़ाकर 420 रुपये कर दिया गया है।

उन्होंने सरकार के इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि त्योहारों के मौसम में यात्रा को सुविधाजनक बनाने के बजाय, ये किराया वृद्धि लोगों की अपने गृहनगर जाने की ज़रूरत का फ़ायदा उठाने के अलावा और कुछ नहीं है, जिससे त्योहारों का उत्साह कम हो रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों के लिए किफ़ायती यात्रा सुनिश्चित करने के लिए किराया वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की।

भेड़, बैल की लड़ाई के खिलाफ शिकायत दर्ज

नागोल पुलिस ने दर्ज किया मामला

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। द पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने भेड़ और बैल की लड़ाई आयोजित करने के लिए कई लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिकायत के आधार पर नागोल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 (1) के तहत मामला दर्ज किया है। पेटा इंडिया ने पुलिस से आग्रह किया कि वे लड़ाई में इस्तेमाल किए गए भेड़ों और बैलों का पता लगाएं और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें आगे शोषण और पीड़ा से बचाया जाए। पेटा इंडिया क्रूरता प्रतिक्रिया समन्वयक सिनचना सुब्रमण्यन ने कहा कि पेटा इंडिया नागोल स्टेशन हाउस ऑफिसर एस सुधीर कृष्णा की एफआईआर दर्ज करने और यह संदेश देने के लिए उनकी त्वरित कार्रवाई की सराहना करता है कि जानवरों के प्रति क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सौब्रमण्यन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जानवरों को लड़ाई में शामिल होने के लिए मजबूर करने वाले तमाशे न केवल स्वाभाविक रूप से क्रूर और हिंसक हैं, बल्कि अवैध भी हैं।

लड़ाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जानवरों को गंभीर शारीरिक चोटों और मनोवैज्ञानिक संकट सहित भारी पीड़ा सहनी पड़ती है। इन जानवरों को उनके आक्रामकता को बढ़ाने, लगातार शारीरिक शोषण सहने, कुपोषण से पीड़ित होने और खराब परिस्थितियों में रखने के लिए डिज़ाइन किए गए अमानवीय प्रशिक्षण व्यवस्थाओं के अधीन किया जाता है।

लड़ाई में दो नर भेड़ों को एक दूसरे के खिलाफ हिंसक और अक्सर खूनी संघर्ष में खड़ा किया जाता है। जानवरों को तब तक मारा और उकसाया जाता है जब तक कि एक को विजेता नहीं मान लिया जाता। इसी तरह, बैलों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता है, उन्हें आक्रामक मुठभेड़ों के लिए मजबूर किया जाता है और अक्सर दर्दनाक तरीकों का उपयोग करके उकसाया जाता है। इसका उद्देश्य मनोरंजन या जुए के लिए जानवरों के बीच हिंसा भड़काना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन घटनाओं से जानवरों को गंभीर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचता है, जिसमें फ्रैक्चर, पंचर घाव और गंभीर तनाव शामिल है।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोनारावपेट मंडल के मामिदिपल्ली के पास रविवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब एक मोड़ पर बाइक का हैंडल नियंत्रण खोने के कारण बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। दोनों की पहचान सुरा अनिल (22) और विक्रति दिलीप (21) के रूप में हुई है। वेमुलावाड़ा ग्रामीण मंडल के हनुमाजीपेट के निवासी, दोनों दुर्घटना के समय मामिदिपल्ली की ओर जा रहे थे। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अनिल गांव में रहता था, जबकि दिलीप हैदराबाद में पढ़ाई कर रहा था।

मंदिरों में तोड़फोड़ पर कार्रवाई की मांग

केंद्रीय मंत्री ने की तेलंगाना सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद में हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और तेलंगाना सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में मूर्ति को तोड़े जाने की निंदा की। मंदिर में दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन घटनाओं को मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्तियों या चोरों का काम बताकर इन्हें दबाने की कोशिश कर रही है।

सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य किशन रेड्डी ने कहा कि एक व्यक्ति ने सुबह 4 बजे के आसपास कुरमागुडा में मुथ्यालम्मा मंदिर पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से कुछ सांप्रदायिक तत्वों द्वारा हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की जानबूझकर कोशिश की जा रही है। उन्होंने चार दिन पहले प्रदर्शनी मैदान में दुर्गा प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब भी ऐसी घटनाएं होती हैं तो पुलिस कहती है कि इसमें शामिल लोग चोरी करने आए थे या वे मानसिक रूप से अस्थिर थे। आज की घटना में, व्यक्ति चोरी करने नहीं आया था। वह मंदिर पर हमला करने के लिए किसी दूसरी जगह से आया था। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे और मंदिरों को सुरक्षा प्रदान करे। किशन रेड्डी, जो राज्य भाजपा अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि उन्होंने पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद से बात की है। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाएंगे और यदि आवश्यक हुआ तो राज्यपाल से भी इस बारे में बात करेंगे।

राज्य भाजपा ने सिकंदराबाद में सोमवार की घटना की निंदा की है। राज्य भाजपा के आधिकारिक हैंडल से एक्स पर एक पोस्ट में लिखा गया है कि हिंदू मंदिर पर एक और हमला - बांग्लादेश या पाकिस्तान में नहीं बल्कि हैदराबाद, तेलंगाना में हुआ। दो गैर-हिंदू लोगों ने सिकंदराबाद स्थित मठ मुथ्यल्लम्मा मंदिर में प्रवेश किया और मंदिर के अंदर विग्रह को अपवित्र किया। चंद्रायनगुट्टा, नामपल्ली और अब सिकंदराबाद में हुई घटनाएं - तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की सत्ता में वापसी के बाद से हिंदू मंदिरों पर हमलों में खतरनाक वृद्धि को दर्शाती हैं।

ट्रैक पेट्रोलिंग को तेज किया जाना चाहिए : अरुण जैन

ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर जीएम ने की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 14 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों को आरपीएफ और जीआरपी टीमों की मदद से ट्रैक पेट्रोलिंग को तेज करने और रेलवे में हाल ही में हुई अप्रिय घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सुरक्षा अभियान चलाने और लगातार क्षेत्र निरीक्षण करने का निर्देश दिया और लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड और

विशेष रूप से ट्रैकमैन सहित सुरक्षा से संबंधित कर्मचारियों को पटरियों पर गश्त करते समय सतर्क रहने, ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। उन्होंने जोन में अग्नि सुरक्षा वस्तुओं जैसे धुआं का पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने यात्री शिकायत निवारण प्रणाली रेल मदद की भी समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को लेवल क्रॉसिंग गेटों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को बंद परिस्थितियों में लेवल क्रॉसिंग गेटों पर अतिक्रमण न करने के लिए जागरूक किया जा सके। महाप्रबंधक ने जोन में लेवल क्रॉसिंग गेटों को हटाने की स्थिति की भी समीक्षा की और संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। अरुण कुमार जैन ने कार्यस्थलों पर सभी मंडलों और विभागों द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न सुरक्षा प्रक्रियाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने विभिन्न कार्यस्थलों पर काम करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के बारे में कर्मचारियों और एजेंसी के कार्यकर्ताओं को नियमित परामर्श देने की सलाह दी। कर्मचारियों/एजेंसी के कार्यकर्ताओं को काम करते समय दस्ताने, हेलमेट, बेल्ट आदि जैसे विभिन्न सुरक्षा उपकरण और गियर पहनने चाहिए।

जनशिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए : शशांक

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रमों में प्राप्त शिकायतों की संख्या अधिक है। जिला कलक्टर शशांक ने चिंता जताते हुए कहा कि इसका जल्द से जल्द समाधान किया जाए। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में आयोजित सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इस मौके पर जिला कलक्टर शशांक, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, डीआरओ ने संगीत के साथ संग्रहित किया गया। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि जिले के अधिकारी प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम के भाग के रूप में प्राप्त शिकायतों पर तुरंत प्रतिक्रिया दें और समस्याओं का समाधान करें।आवेदनों को लंबित रखे बिना निपटारे को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अधिकारियों द्वारा समय-समय पर अवलोकन कर निराकरण कराया जाये। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला पदाधिकारी, नगरपालिका अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्टर अधीक्षक, संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

पद्मश्री मोगुलैय्या ने राचकोंडा आयुक्त से की मुलाकात

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात हमलावरों द्वारा पद्मश्री किन्नरा मोगुलैया को सरकार द्वारा दी गई भूमि में दीवारों को ध्वस्त करने के बाद, राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू से एलबी नगर में कैंप कार्यालय में मोगुलैय्या ने मुलाकात की। सीपीश ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह भूमि संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी लेंगे। इसके बाद कमिश्नर ने मोगुलैय्या को सम्मानित किया। पद्मश्री पुरस्कार विजेता दर्शनम मोगुलैय्या को तेलंगाना सरकार द्वारा भाग हयात नगर सर्वे नंबर 159, रंगा रेड्डी जिला, हयात नगर मंडल में 600 गज जमीन दी गई थी। मोगुलैया ने भूमि के चारों ओर एक फ्री कास्ट दीवार बनाई।

बीते 11 अक्टूबर को वे अपने प्लॉट पर गए और देखा कि अज्ञात व्यक्तियों ने उत्तर की ओर की फ्री कास्ट दीवार को ध्वस्त कर दिया है, तो मोगुलैया ने हयात नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में मोगुलैय्या ने आज एलबी नगर स्थित कैंप कार्यालय में राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू से बात की। सीपी ने स्वयं उनसे से फ्री कास्ट दीवार के पुनर्निर्माण के लिए उचित सहायता के बारे में पूछताछ की। आयुक्त ने आश्वासन दिया है कि वह उस जमीन के संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी लेंगे और इस मामले में आगे की जांच कर अज्ञात अपराधियों को गिरफ्तार कर उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे। इस अवसर पर ट्रैफिक एडिशनल डीसीपी मनोहर, हयात नगर सीआई नागराजू और अन्य शामिल हुए।

एथलीट नंदिनी के प्रति कांग्रेस सरकार की उदासीनता पर उठाया सवाल

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार ने राज्य सरकार द्वारा अगासरा नंदिनी जैसे खिलाड़ियों के प्रति भेदभाव पर सवाल उठाया, जिन्होंने एशियाई खेल 2022 में हेप्टाथलॉन स्पर्धा में भारत के लिए कांस्य पदक और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में कई पदक जीते हैं।

प्रवीण कुमार ने मुक्केबाज निकहत ज़रीन और क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को तेलंगाना पुलिस विभाग में पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त करने के राज्य सरकार के फ़ैसले का स्वागत किया। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से नंदिनी के प्रति दिखाई गई उदासीनता के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि अगसरा नंदिनी के प्रति कांग्रेस सरकार की क्रूर उदासीनता बेहद हैरान करने वाली है। उसके गरीब माता-पिता ने न्याय के लिए मुख्यमंत्री और अन्य लोगों से मिलने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। यह भेदभाव क्यों? क्या इसलिए क्योंकि वह समाज कल्याण छात्रावासों में पढ़ती थी?

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.